धनबाद
बुधवार 10.12..2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-285 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-6
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भारत की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही, इससे आर्थिक निर्भरता जैसी चुनौतियां बढ़ेगी

2036 तक हर 7 में 1 भारतीय सीनियर सिटीजन होगा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत की आबादी तेजी से बूढ़ी रही है। २०११ में देश में ६० साल से ऊपर की आबादी १०.१६ करोड़ थी, जो २०३६ तक बढ़कर २२.७४ करोड़ हो जाएगी। यानी बुजुर्गों की आबादी का हिस्सा कुल जनसंख्या में ८.४ प्रतिशत से बढ़कर १४.९ प्रतिशत हो जाएगा और हर ७ में १ भारतीय सीनियर सिटीजन होगा।

जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में एक लिखित जवाब में दी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, उनके सामने स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक निर्भरता और डिजिटल सुविधाओं का उपयोग जैसी चुनौतियां भी बढ़ती जा रही हैं।

ने माना है कि जैसे-जैसे देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, परिवारों का ढांचा और रिश्तों का तरीका भी बदल रहा है। पहले ज्यादातर लोग संयुक्त परिवार में रहते थे, जहां बुजुर्गों की देखभाल सब मिलकर करते थे। अब छोटे परिवार बढ़ रहे हैं, जिससे बुजुर्गों की का तरीका भी बदल गया है और उनकी जिम्मेदारी कम लोगों पर आ गई है। नई रिपोर्टों में इसे विरोधाभास कहा गया है, यानि बुजुर्गों की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन समाज की सोच, जिम्मेदारी और उनकी देखभाल को लेकर उम्मीदें पहले जैसी नहीं रहीं। इसका सीधा असर की देखभाल और उनके सम्मान पर पड़ रहा है।

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि बुजुर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने १ अप्रैल २०२१ से अटल वयो अभ्युदय योजना लागू की है। इस योजना के तहत पूरे देश में नागरिकों के लिए सहायता और सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार ने नेशनल काउंसिल ऑफ सीनियर सिटीजन्स भी बनाई है, जिसकी अध्यक्षता सामाजिक न्याय-अधिकारिता मंत्री करते हैं। इस परिषद में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रतिनिधि शामिल हैं, जो बुजुर्गों से जुड़े मुद्दों पर सलाह देते हैं।

देश में सबसे ज्यादा बुजुर्ग केरल में रहते हैं। यहां कुल आबादी के १६.५ प्रतिशत लोग बुजुर्ग (६० साल से अधिक उम्र के ५६ लाख लोग) हैं। इनमें भी ११ प्रतिशत लोग ८० साल या इससे अधिक उम्र के हैं। २०३१ तक ये २५ होंगे। कई गांवों में सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। ▶▶ 8

सदन में 7721.25 करोड़ का अनुपूरक बजट पास

वित्त मंत्री बोले - किसी विभाग में पैसे की कमी नहीं

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सदन में ध्वनिमत से ७७२१.२५ करोड़ का अनुपूरक बजट पास हो गया. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का सदन में जवाब शुरू होते ही बीजेपी ने वॉकआउट किया. वित्त मंत्री ने कहा कि अप्रैल से ३० नवंबर तक ६७,६९६.३७ करोड़ रुपए राजस्व की प्राप्ति हुई, जिसमें ६६,८७१ करोड़ रुपए खर्च किए गए. कुल ९८.८ फीसदी खर्च किया गया है.

स्टेट ऑन टैक्स के लिए टारगेट ४१६०० करोड़ रुपए का था, जिसमें ३० नवंबर तक २३,८९७ करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई वहीं स्टेट टैक्स से १९४५६ करोड़ वसूली का लक्ष्य है, जिसमें ८५६५.६३ करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है. हम आंतरिक संसाधन को मजबूत कर रहे हैं. एडिशनल रेवेन्यू मोबलाइजेशन से पैसे की प्राप्ति कर लेंगे.

केंद्र से 28,863. 64 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं

वित्त मंत्री ने कहा कि नवंबर तक केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी में ४७०४० करोड़ में से ३०९७१ करोड़ रुपए ही मिले हैं. वहीं केंद्रीय अनुदान में १७०५७ करोड़ में ४२६१.७० करोड़ ही मिला है. इस तरह केंद्र से २८,८६३. ६४ करोड़ रुपए नहीं मिले हैं.

अगर केंद्र पैसा देता 450 रुपए में गैस सिलेंडर देते

वित्त मंत्री ने कहा कि अगर केंद्र सरकार पैसे

देती को ४५० रुपए में गैस सिलेंडर भी देते. उज्ज्वला गैस योजना के तहत ६५ लाख लाभुक हैं. हर महीने इतने लाभुकों को गैस सिलेंडर देने में १२ महीने में २१०० करोड़ रुपए खर्च

झारखंड में बीजेपी की सरकार नहीं है, इसलिए सौतेला व्यवहार किया जा रहा है. जलजीवन मिशन का ६३०० करोड़ रुपए नहीं मिला है. समाज कल्याण का ८९० करोड़ रुपए नहीं मिला है. पेंशन का १३२ करोड़ रुपए भारत सरकार ने नहीं दिया है.

किसी भी विभाग में की कमी नहीं है

वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी विभाग में पैसे की कमी नहीं है. एफआरबीएम की सीमा तीन फीसदी से नीचे २.२ फीसदी है. इंटरनल रिसोर्स डेवलप कर राज्य को आगे ले जा रहे हैं. राज्य के विकास के लिए १६८०० करोड़ ▶▶ 8

अनिल अंबानी के बाद बेटे अनमोल पर एफआईआर

मुंबई (ईएमएस): सीबीआई रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के बड़े बेटे जय अनमोल के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आरोप है कि रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस से जुड़ी कंपनियों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ २२८.०६ करोड़ रुपए का धोखाधड़ी किया।

अधिकारियों के मुताबिक, रिलायंस फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड ने यूनियन बैंक से अलग-अलग लोन लिए थे। ये लोन जनरल पर्पज कॉर्पोरेट लोन के नाम पर लिए गए, लेकिन इनका इस्तेमाल नियमों के खिलाफ दूसरी जगह डायवर्ट कर दिया गया। जय अनमोल पहली बार किसी बड़े क्रिमिनल केस में सीधे आरोपी हैं।

राज्यों में एसआईआर के काम में बाधा पर अदालत सख्त

कहा- चुनाव आयोग संज्ञान में लाए, हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में पांच आईएएस नियुक्त

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है, उनमें रक्षा मंत्रालय के सचिव कुमार रवि कांत सिंह को प्रेसिडेंसी संभाग के लिए एसआरओ बनाया गया है, जबकि गृह मंत्रालय के नीरज कुमार बांसोद को मेदिनीपुर संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कृष्ण कुमार निराला बर्दवान संभाग के लिए ▶▶ 8

भारत घूमने आया चीनी शख्स, बिना अनुमति कश्मीर लद्दाख के संवेदनशील क्षेत्रों में घूमता मिला

पुलिस ने पकड़ा, मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा, जांच एजेंसियां अलर्ट

श्रीनगर (ईएमएस): श्रीनगर में पकड़े गए एक चीनी नागरिक मामले ने सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। यह युवक पर्यटक वीज़ा पर भारत आया था, लेकिन जिस तरह वह बिना अनुमति संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्रों में घूमता रहा, उसने जांच एजेंसियों कान खड़े कर दिए हैं। अब उसके मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं उसने कोई गोपनीय जानकारी तो साझा नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हू कॉन्गताई नाम का यह २९ साल का शख्स १९ नवंबर को आया था। उसके वीज़ा में केवल कुछ चुनिंदा बौद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की अनुमति थी- जैसे वाराणसी, आगरा, दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर। इसके बावजूद वह लद्दाख के लेह, जांस्कर और कश्मीर घाटी के कई संवेदनशील इलाकों में घूमता रहा। जांस्कर में उसने तीन दिन बिताए और स्थानों का दौरा किया जिन्हें

रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है। वह न केवल वहां घूमता रहा, बल्कि उसने किसी भी एफआरआरओ कार्यालय में पंजीकरण भी नहीं करवाया, जो विदेशी नागरिकों के लिए जरुरी है।

यह चीनी शख्स ट्रैवल रूट कई ऐसी जगहों से होकर गुज़रा, जहां पर सुरक्षा कारणों से विदेशी पर्यटकों को रोक दिया जाता है। उसने दक्षिण कश्मीर के हावड़वान स्थित बौद्ध मठ और अवंतीपोरा के बौद्ध अवशेष देखे-जो ▶▶ 8

सीजेआई की रोहिंग्या शरणार्थियों पर की गई टिप्पणी को 44 पूर्व जजों का समर्थन

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा शरणार्थियों पर की गई टिप्पणी को लेकर मचे विवाद में अब ४४ पूर्व जजों ने साझा बयान जारी कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस बयान में उन्होंने उन पूर्व जजों, सीनियर वकीलों और लीगल स्कॉलर्स की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश खिलाफ चलाया जा रहा न्यायपालिका को बदनाम करने का प्रयास है। सीजेआई सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा था कि रोहिंग्या शरणार्थियों को शरणार्थी का दर्जा किसने दिया। उन्होंने टिप्पणी की थी कि पहले आप सुरंग खोदकर या बाड़ पार करके अवैध रूप से घुसते हैं, फिर खाना, पानी और का हक मांगते हैं। यह टिप्पणी मशहूर लेखिका ▶▶ 8

सोनिया गांधी को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

1980-81 वोटर लिस्ट में गलत तरीके से नाम जुड़वाने का आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को नोटिस दिया है। यह नोटिस उस याचिका पर आया है, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम १९८०-८१ की वोटर लिस्ट में गलत तरीके जोड़ा गया था।

इसके अलावा याचिका में मजिस्ट्रेट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है और पूरे केस का रिकॉर्ड मंगाया है। सुनवाई ६ जनवरी को होगी। इस दौरान सोनिया और राज्य सरकार को नोटिस का जवाब देना होगा। यह याचिका विकास त्रिपाठी ने दायर की है। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने की। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि सोनिया का नाम नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की की वोटर लिस्ट में था, जबकि वे भारत की नागरिक अप्रैल १९८३ में बनीं। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ▶▶ 8

कर्नाटक में टीपू सुल्तान जयंती मनाने को लेकर पुराना राजनीतिक विवाद

बेंगलुरु (ईएमएस): कर्नाटक में सुल्तान जयंती मनाने को लेकर पुराना राजनीतिक विवाद एक बार फिर भड़क गया है।

कर्नाटक कांग्रेस के विधायक ने मांग की है कि राज्य में टीपू सुल्तान की जयंती फिर से मनानी शुरू करनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने विधानसभा में अटेंशन मोशन लाने की भी वकालत की है। बीजेपी इस पर आपत्ति जताई है।

कर्नाटक में कांग्रेस विधायक विजयनंद काशापनव्वार ने कहा कि जब दूसरे स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती मनाई जाती है, तो टीपू सुल्तान की जयंती मनाने में क्या दिक्कत है। इसे तुष्टीकरण से जोड़ना गलत है।

बाबरी मस्जिद की नींव रखने से पहले ही तुम्हें जान से मार देंगे

टीएमसी से निलंबित विधायक को मिल रही धमकियां, कबीर ने मांगी सुरक्षा

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि राज्य के बाहर से फोन आ रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा के लिए राज्य सरकार गुहार लगाई है। साथ ही कहा है कि सिक्योरिटी की मांग के लिए हाईकोर्ट का भी रुख करेंगे। कबीर को टीएमसी ने निलंबित कर दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कबीर ने कहा कि लगातार सात दिनों से धमकी मिल रही हैं। पश्चिम बंगाल के बाहर से। बाबरी मस्जिद नींव रखने से पहले ही उन्हें जान से मार देंगे ऐसा बोल रहे हैं। मैं डरा नहीं अभी तक, मुझे अल्लाह पर पूरा भरोसा है, लेकिन सावधानी के लिए मैं सिक्योरिटी के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को, गृह विभाग के पास आवेदन दूंगा। फिर सिक्योरिटी के लिए हाईकोर्ट में रिपोर्ट के मुताबिक कबीर ने सोमवार को कहा कि तत्काल उपाय के तौर पर वह अपने लिए आठ निजी सुरक्षाकर्मी नियुक्त करेंगे क्योंकि ६ दिसंबर को बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करने के बाद उन्हें राज्य के बाहर से धमकी भरे फोन आ रहे हैं। धमकी भरे फोन आने के उन्होंने सुरक्षा मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र को भी मेल किया है।

उन्होंने कहा कि वह १६ दिसंबर को बेंगलुरु जाएंगे और उसके बाद नोएडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि राज्य सरकार ने अभी तक अपने सुरक्षाकर्मियों को नहीं हटाया है, लेकिन मुझे पश्चिम बंगाल पर भरोसा नहीं है क्योंकि सत्तारुढ़ पार्टी बाबरी मस्जिद के लिए फंडिंग का ▶▶ 8

प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए मिला करीब तीन करोड़ रुपये का चंदा

हुमायूं कबीर के करीबियों ने बताया

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा मुर्शिदाबाद में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद-शैली की के लिए मिले चंदे की राशि करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। विधायक के सहयोगियों ने बताया कि कबीर ने रेजीनगर में इस मस्जिद का शिलान्यास किया था। कबीर के अनुसार, स्थल पर १२ दान पेटियां रखी गई थीं। अब तक इन पेटियों से ५७ लाख रुपये गिनती हुई है, जबकि क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से २.४७ करोड़ रुपये मिले है। योगदान के लिए शिलान्यास स्थल पर एक दान पेटी अब भी रखी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया था कि मस्जिद बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करीब १.३ रुपये का चंदा मिला है। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चंदे के लिए जगह-जगह लगाए गए दानपत्र करीब भर चुके हैं और नकदी गिनने वाली मशीनों की मदद से रात भर चंदे की गिनती चलती रही। उन्होंने बताया कि लोग दान नकदी और ऑनलाइन दोनों तरीके से रहे हैं। कबीर के करीबी लोगों ने बताया कि चार दान पेटियों और एक बोरी से अब तक कम से कम ३७.३३ लाख रुपये नकद गिने गए हैं, ▶▶ 8

50 हजार का इनामी सामा एनकाउंटर में ढेर

शामली (ईएमएस): शामली में ५० हजार का इनामी बदमाश समयदीन उर्फ सामा मुठभेड़ में मारा गया है। एक सिपाही भी हाथ में गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस को देर रात इनपुट मिला कि समयदीन शामली में है और भागने की फिराक है। इसके बाद पुलिस ने रात २ बजे घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी फायर किया। इसमें समयदीन को गोली लग गई। वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां उसकी मौत हो गई। मौत से पहले पूछताछ समयदीन ने बताया कि शामली में दो महीने पहले हुए एनकाउंटर में मारा गया नफीस उसका साथी था। ४० साल का समयदीन शामली के ही कांधला का रहने वाला था। अभी कर्नाटक के तुमकूर में रहता था।

नाबालिग बच्ची को मां की जाति के आधार पर एससी प्रमाणपत्र देने का आदेश : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण में नाबालिग बच्ची के हितों को सर्वोपरि मानते हुए उसकी मां की जाति 'आदि द्रविड़' के आधार पर अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाणपत्र जारी करने की मंजूरी दे दी। यह फैसला समाज और कानून दोनों के दृष्टिकोण से दूरगामी प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि यह उस परंपरागत नियम को चुनौती है जिसके तहत अब तक बच्चों की जाति पिता की जाति के आधार पर तय होती रही है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची शामिल थे, ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें पुडुचेरी की बच्ची को एससी प्रमाणपत्र जारी करने निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि यदि बच्ची को समय पर जाति प्रमाणपत्र नहीं मिला, तो उसके भविष्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत ने इस अवसर पर टिप्पणी की कि समय के साथ परिस्थितियां बदल रही हैं, तो फिर मां की जाति के आधार जाति प्रमाणपत्र क्यों नहीं दिया जा सकता? इस विचार ने कानूनी और सामाजिक दोनों ही स्तर पर नई बहस को जन्म दिया। यदि भविष्य में यह सिद्धांत स्थापित होता है, तो अनुसूचित जाति की महिला और उच्च जाति के पुरुष की संतानें भी एससी प्रमाणपत्र की हकदार हो सकती भले ही वे पिता की उच्च जाति के सामाजिक माहौल में पली-बढ़ी हों। ▶▶ 8

लोकसभा में राहुल गांधी का संघ और सरकार पर हमला आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती

चुनाव आयोग पर कब्जा किया जा रहा, चुनाव में भाजपा इसका इस्तेमाल कर रही

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों और इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चर्चा हुई है। चर्चा में भाग लेकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है। चुनाव आयोग कब्जा किया जा रहा, चुनाव में भाजपा इसका इस्तेमाल कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा, ईडी, सीबीआई, आईबी, इनकम डिपार्टमेंट पर कब्जा किया जा रहा है और ये सब आरएसएस कर रहा है। इसके पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मोदी सरकार और चुनाव आयोग मिलकर एसआईआर के बहाने अंदर ही अंदर एनआरसी वाला काम कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा, यूपी के सीएम कह रहे कि हम प्रदेश में डिटेंशन सेंटर बना रहे हैं। जो ये खुलकर नहीं कर सकते हैं, वहां आयोग की आड़ में एसआईआर के बहाने कर रहे हैं।

वहीं टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि एसआईआर वोट डिलीट करने का टूल बन चुका है। आयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता करने की अथॉरिटी नहीं है। चुनाव आयोग कह रहा है कि पांच लाख वोटर डिलीट, छह लाख वोटर डिलीट और इस पर बीजेपी जश्न मना रही है।

इससे पहले चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि देश के १२ राज्यों में किया जा रहा गैरकानूनी है। संविधान में पूरे राज्य में एक साथ एसआईआर को लेकर कोई कानून नहीं है, इस तत्काल रोका जाएं। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि देश में चुनावों से पहले डायरेक्ट केस ट्रांसफर करने पर रोक लगनी चाहिए, चुनाव ईवीएम की जगह बैलट पैपर से चाहिए। साथ ही चुनाव आयुक्त के चयन करने वाली कमेटी में राज्यसभा ▶▶ 8

संपादकीय | सभ्यता-संस्कृति का संगम काशी तमिल संगमम

भारत की सांस्कृतिक चेतना सदैव ही विविधता में एकता की अद्भुत परंपरा से परिपूर्ण रही है. उत्तर में स्थित काशी -विश्व की प्राचीनतम जीवित नगरी- और दक्षिण में तमिल सभ्यता -भारत के सबसे समृद्ध सांस्कृतिक वैभवों में से एक- दोनों भारतीय आत्मा की दो ध्रुवीय किंतु एकाकार धाराएं हैं. इन्हीं दो सांस्कृतिक धाराओं को पुनः जोड़ने और संवाद के नए आयाम खोलने के उद्देश्य से वर्ष 2025 में आयोजित 'काशी तमिल संगमम' ने न केवल सांस्कृतिक उत्सव का रूप लिया, बल्कि यह राष्ट्रीय समन्वय, सभ्यतामूलक संवाद और सामाजिक-आर्थिक सहयोग का व्यापक मंच बन गया है.

15 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन दो दिसंबर को वाराणसी में किया गया. काशी और तमिल संस्कृति के बीच ऐतिहासिक संबंध हजारों वर्ष पुराने हैं. संगम साहित्य से लेकर काशी की विद्वत् परंपरा तक, दोनों जीवन-मूल्यों, आध्यात्मिक साधना और दार्शनिक दृष्टि की समानता को प्रस्तुत करते हैं.

वर्ष 2025 के आयोजन ने इस पारंपरिक सम्बंध को आधुनिक संदर्भ में जीवंत किया है- जहां इतिहास सम्मानित हुआ, साहित्य और कला का विस्तार हुआ तथा भविष्य के लिए साझे लक्ष्य निर्धारित हुए. इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक व्यापक, सहभागी और तकनीक-सक्षम है.

यात्रियों के विशेष समूह, अकादमिक प्रतिनिधिमंडल, कलाकार, छात्र, शोधार्थी, उद्योग-व्यापार क्षेत्र के विशेषज्ञ और सांस्कृतिक संस्थाएं इस उत्सव का हिस्सा बने हैं. काशी

तमिल संगमम 2025 का उद्घाटन गंगा तट पर पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और तमिल वेदपाठ के साथ हुआ - जो स्वयं में भारत की सांस्कृतिक एकात्मकता का अनूठा प्रतीक था.

इस अवसर पर काशी के विद्वानों ने तमिल साहित्य की आध्यात्मिक परंपरा का स्वागत किया, वहीं तमिलनाडु से आए प्रतिनिधियों ने काशी की ज्ञान-परंपरा को नमन किया. काशी तमिल संगमम 2025 यह साबित कर रहा है कि भारत की सांस्कृतिक विविधता उसके विखंडन का कारण नहीं, बल्कि उसकी शक्ति है.

उद्?घाटन अवसर पर हुए आयोजन में प्रस्तावित किया गया कि दोनों राज्यों के विश्वविद्यालयों में 'काशी-तमिल अध्ययन केंद्रों' की स्थापना की जाए, वार्षिक साहित्यिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हों, पर्यटन मार्गों का संयुक्त प्रचार हो और युवाओं के लिए स्थायी छात्र-विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएं. काशी तमिल संगमम ने भारत की सांस्कृतिक जड़ों को सशक्त किया है, दो प्राचीन सभ्यताओं को आत्मीय रूप से जोड़ा है और राष्ट्र की एकात्मता में नई ऊर्जा का संचार किया है.

यह आयोजन केवल परंपराओं का उत्सव नहीं, बल्कि एक सुसंगठित प्रयास है भारत की उस सांस्कृतिक धुरी को पुनः पहचानने का, जो लोगों को भाषा, भूगोल और आचरण की विविधताओं से ऊपर उठकर एक साझा सांस्कृतिक चेतना से जोड़ती है. संगमम का संदेश स्पष्ट है- भारतीयता केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक आत्मा है, और काशी-तमिल संबंध उस आत्मा के शाश्वत प्रतीक हैं.

एलन मस्क की चिंता और युद्ध की विभीषिका

दुनिया के जाने-माने उद्योगपति एलन मस्क का मानना है कि दुनिया में जो स्थितियां पैदा हुई हैं, उनसे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि जल्दी ही बड़ा युद्ध हो सकता है. वे बड़े युद्ध की बात कर रहे हैं तो निश्चय ही उनका आशय विश्वयुद्ध को लेकर है. एलन मस्क पहले व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने इस तरह की चिंता जाहिर की है, कई लोग आशंकाएं व्यक्त करते रहे हैं लेकिन

मस्क की आशंका को लेकर ज्यादा चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि उन्होंने इसके लिए पांच से दस साल की अवधि रेखांकित की है. उम्मीद तो यही की जानी चाहिए कि ऐसा न हो लेकिन दुर्भाग्य से यदि तीसरा विश्वयुद्ध हो गया तो फिर दुनिया के हालात कैसे होंगे? पहले विश्वयुद्ध के समय दुनिया के पास परमाणु बम नहीं था, फिर भी उस जंग में डेढ़ से दो करोड़ लोग मारे गए. इनमें से एक करोड़ लोग निर्दोष नागरिक थे जिनका जंग से कोई लेना-देना नहीं था. करीब चार करोड़ लोग घायल हुए थे. तब भारत में ब्रिटिश राज था और ब्रिटेन की तरफ से जंग लड़ने 11 लाख से ज्यादा भारतीयों की जो फौज गई थी, उसमें से 74 हजार भारतीय सैनिकों की मौत हो गई. अनुमान है कि द्वितीय विश्व युद्ध में मौत का आंकड़ा 5 करोड़ से 8.5 करोड़ के बीच था. मरने वालों में आधी से भी ज्यादा संख्या नागरिकों की थी जो जंग नहीं लड़ रहे थे. पोलैंड की तो 20 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मौत का शिकार हो गई थी. दूसरे विश्वयुद्ध की समाप्ति जापान पर अमेरिकी परमाणु हमले के साथ हुई थी. इस वक्त दुनिया के नौ देशों रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास 12 हजार से ज्यादा परमाणु बम हैं. वैसे इनमें से 87 प्रतिशत परमाणु बम केवल रूस और अमेरिका के पास हैं. जिन देशों के पास परमाणु बम हैं, उनमें से यदि एक ने भी किसी देश पर परमाणु बम फोड़ने का दुस्साहस कर दिया तो फिर क्या होगा? दुर्भाग्य की बात है कि पाकिस्तान और उत्तर कोरिया जैसे गैरजिम्मेदार देशों के पास भी बहुतायत में परमाणु बम हैं और दोनों ही देश परमाणु बम की धमकी देते भी रहते हैं. जाहिर सी बात है कि यदि तीसरा विश्वयुद्ध हुआ और उसमें परमाणु बमों का उपयोग शुरु हुआ तो वह मानव इतिहास के लिए सबसे घातक वक्त होगा. ये 12 हजार परमाणु बम दुनिया को एक नहीं, कई बार खत्म कर सकते हैं. दुनिया के विभिन्न देशों के नेतृत्वकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए.

आज का कार्टून

दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है प्लास्टिक कचरा

अर्चना कुमारी

ऐसा लगता है कि आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक एक अनिवार्य तत्त्व बन गया है। यह भले ही सस्ता, टिकाऊ और बहुपयोगी होता है, लेकिन यही प्लास्टिक आज हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। प्लास्टिक प्रदूषण विश्व स्तर पर चिंता का विषय है और यह न केवल भूमि को, बल्कि जल और वायु को भी प्रदूषित कर रहा है। यह प्रदूषण मनुष्य, पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों समेत संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहा है। यही वजह है कि आज दुनियाभर के लिए प्लास्टिक कचरा बड़ी मुसीबत बन चुका है।

विश्व स्तर पर हर वर्ष लगभग चार करोड़ लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जो पिछले दो दशकों में तेजी बढ़ा है। इसमें से लगभग अस्सी लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंचता है, जिससे समुद्री जीवों की करीब सात सौ प्रजातियों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। भारत में भी लगभग 56 लाख टन प्लास्टिक कचरा प्रतिवर्ष पैदा हो रहा है, जिसका पर्यावरण पर प्रतिकूल असर साफ तौर पर देखा जा रहा है।

हाल के वर्षों में प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव को लेकर जो कुछ स्पष्ट हुआ है, उसमें जलवायु परिवर्तन के साथ इसका बढ़ता संबंध भी शामिल है। यह ऐसे समय में चिंता बढ़ा रहा है, जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण कई तरह के संकट का सामना कर रही है। वास्तव में प्लास्टिक दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है और वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने में भी यह बाधा पैदा करता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्लास्टिक के पुनर्चक्रण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है।

प्लास्टिक के उत्पादन और उपभोग में पृथ्वी के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3.3 फीसद हिस्सा शामिल है। ये देखने में मामूली लग सकता है, लेकिन प्लास्टिक का हमारी पृथ्वी पर दुष्प्रभाव व्यापक है। ऐसे में ये याद करना जरूरी है कि प्लास्टिक की थैली या पानी की बोतल जो हम फेंक देते हैं, वह हमारी धरती के लिए कितनी बड़ी मुसीबत बन गई है। प्लास्टिक का कचरा न सिर्फ हमारे आस-पास गंदगी फैलाता है, बल्कि ये धरती को गर्म करने वाली गंभीर समस्या जलवायु परिवर्तन को भी गति देता है।

बदलते जलवायु और वैश्विक ताप की वजह से हिमनद तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर बढ़ा रहे हैं। इससे समुद्र किनारे बसे अनेक कस्बों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। बीते दो दशक में ये स्पष्ट हुआ है कि वैश्वीकरण की नवउदारवादी और निजीकरण की प्रक्रिया ने हमारे सामने बहुत-सी चुनौतियां खड़ी कर दी है। जिससे आर्थिक विकास के माडल लड़खड़ाने लगे है। मौजूदा वक्त में पूरी दुनिया विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों से जूझ रही है। इनसे निपटने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मगर, मौजूदा चुनौतियों के सामने ये प्रयास कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। यह सर्वविदित है कि इंसान और प्रकृति के बीच गहरा संबंध है।

इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिस कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं, बल्कि हिमनदों के पिघलने की रफ्तार भी

तेज हो रही है। तापमान का 50 डिग्री पार करना वास्तव में खतरे का संकेत है, जिससे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। बढ़ते तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया है, बल्कि इससे अनेक लोगों की जान भी गई है। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण बनता जा रहा है। यह स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर रहा है और इससे मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं।

विदित रहे कि प्लास्टिक की खोज वर्ष 1907 में की गई थी, बहुत कम समय में ही इसका उपयोग बढ़ गया। कभी वरदान समझा जाने वाला प्लास्टिक आज दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन चुका है। भले ही प्लास्टिक ने हमारे जीवन को काफी आसान बनाया है, लेकिन दूसरी तरफ यह आज धरती के लिए एक बड़ी चुनौती भी बन गया है। सस्ता और टिकाऊ होने की वजह से प्लास्टिक का उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। इस कारण हर साल लाखों टन का प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जोकि पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने का काम करता है।

प्लास्टिक कचरा नदियां, समुद्र, वायु हर जगह फैल चुका है, इसलिए इसे वैश्विक आपदा की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। आज प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, भोजन और पर्यावरण में समा रहा है। इस स्थिति में प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने के लिए वैश्विक संकल्प की जरूरत है। यह अब सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक मानव अस्तित्व और स्वास्थ्य के लिए भी एक गंभीर खतरा बन चुका है। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का आविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था। अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता मान लिया जाए?'

कम्युनिकेशन्स अर्थ एंड एनवायरनमेंट' पत्रिका में प्रकाशित एक नई रपट के अनुसार, दुनिया भर में प्लास्टिक का उत्पादन हर साल 8.4 फीसद की दर से बढ़ रहा है, जबकि इसके पुनर्चक्रण की दर 9.5 फीसद तक ही सीमित है। यह खतरनाक असंतुलन न केवल धरती पर प्लास्टिक कचरे का पहाड़ खड़ा कर रहा है, बल्कि इंसानों और जीव-जंतुओं की सेहत पर भी नकारात्मक असर डाल रहा है। रपट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर चालीस करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हुआ, जिसमें से केवल 3.8 करोड़ टन का ही पुनर्चक्रण किया गया। अनुमान है कि प्लास्टिक उत्पादन की मौजूदा रफ्तार इसी तरह जारी रही तो वर्ष 2050 तक यह आंकड़ा दोगुना होकर अस्सी करोड़ टन तक पहुंच सकता है, जो पूरी दुनिया में एक बड़े संकट का रूप ले सकता है।

भारत में सरकार की ओर से पूर्व में देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत एकल उपयोग प्लास्टिक को बंद करने की घोषणा की गई है। हालांकि इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार की ओर से इस मामले में जागरूकता और प्रोत्साहन की अभी भी बहुत जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनईपी की एक रपट के मुताबिक, अच्छी योजना के साथ काम किया जाए तो प्लास्टिक से दूरी बनाने पर दुनिया वर्ष 2040 के अंत तक 4,500 अरब डालर बचा सकती है।

इसमें एकल उपयोग प्लास्टिक का उत्पादन न करने से बचने वाली लागत भी शामिल है। वैसे फिलहाल एक बड़ी राशि प्लास्टिक के कारण सेहत और पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर खर्च हो रही है। जलवायु परिवर्तन पर प्लास्टिक उत्पादन का प्रभाव एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए न केवल प्रभावी नीति निर्माण, बल्कि वैश्विक सहयोग, तकनीकी नवाचार और जन-भागीदारी की भी नितांत जरूरत है। वरना वह दिन दूर नहीं, जब प्लास्टिक का जहर हमारी अगली पीढ़ियों की सांसों तक पहुंच जाएगा।

भारत में सरकार की ओर से पूर्व में देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत एकल उपयोग प्लास्टिक को बंद करने की घोषणा की गई है। हालांकि इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार की ओर से इस मामले में जागरूकता और प्रोत्साहन की अभी भी बहुत जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनईपी की एक रपट के मुताबिक, अच्छी योजना के साथ काम किया जाए तो प्लास्टिक से दूरी बनाने पर दुनिया वर्ष 2040 के अंत तक 4,500 अरब डालर बचा सकती है। इसमें एकल उपयोग प्लास्टिक का उत्पादन न करने से बचने वाली लागत भी शामिल है। वैसे फिलहाल एक बड़ी राशि प्लास्टिक के कारण सेहत और पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर खर्च हो रही है। जलवायु परिवर्तन पर प्लास्टिक उत्पादन का प्रभाव एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए न केवल प्रभावी नीति निर्माण, बल्कि वैश्विक सहयोग, तकनीकी नवाचार और जन-भागीदारी की भी नितांत जरूरत है। वरना वह दिन दूर नहीं, जब प्लास्टिक का जहर हमारी अगली पीढ़ियों की सांसों तक पहुंच जाएगा।

दुनिया की पहली मिठाई है शहद...

अनुपमा तिवाड़ी

हम सब प्रकृति के हिस्से हैं, जिनमें कुछ जीव धरती पर, कुछ जल में, कुछ पेड़ों पर तो कुछ अलग-अलग जगहों पर रहते हैं। हम कभी-कभी खुद को ही सबसे अधिक महत्त्व देने लगते हैं। हमारे आसपास कितने ही जीव-जंतु ऐसे हैं जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन को सुगम बनाते हैं। कुछ समय पहले एक व्यक्ति द्वारा बड़ी संख्या में कुत्तों को मार डालने की खबर आई। उसके बाद सोशल मीडिया पर कुत्तों के काटने की खबरों की बाढ़ आ गई। बहुत सारे लोग उनके पक्ष में तो बहुत सारे उसके विपक्ष में आ गए और मामला अदालत तक पहुंच गया। हमें किसी जीव से नुकसान होने के साथ-साथ उससे होने वाले नुकसान के कारणों पर काम करना चाहिए। किसी को उसकी जगह से निष्कासित या विस्थापित करना उसके अस्तित्व को खतरे में डालना है। लावारिस जीव-जंतु भी जिस जगह पर रहते हैं, वे उस जगह के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। वे वहां रहना चाहते हैं। उन्हें वहां से हटाकर नए अपरिचित माहौल में रखना उनके लिए कष्टप्रद होता है। उनके लिए आवश्यक विकल्प, सुविधाएं और आवास की व्यवस्था या जिस तरह वे रह रहे थे, वह व्यवस्था न छीनकर उसे सुगम बनाने की दिशा में काम होना चाहिए।

बहुत सारे लोग कुत्तों को पालते हैं, लेकिन जिन कुत्तों को लोग नहीं पालते, वे लावारिस सड़कों पर घूमते रहते हैं और भोजन तथा आवास के लिए दर-दर भटकते रहते हैं।

लगभग बीस-पच्चीस वर्ष पहले तक कस्बों और गांवों में बहुत से घरों से पहली रोटी गाय के लिए और आखिरी रोटी कुत्ते के लिए निकालने का चलन था। लोग जो कूड़ा फेंक देते थे, उसमें बचा हुआ भोजन भी होता था, जिसे लावारिस पशु खा लेते थे। मजबूरी में पीने का पानी नालियों से पी लेते थे। अब रोटी निकालने का चलन धीरे-धीरे कम हो गया है। ऐसे में गलियों-मोहल्लों में बाहर रहने वाले कुत्ते अपनी भूख मिटाने के लिए पहले खाना खोजते हैं और फिर असफल होने पर अपने भीतर होने वाले बदलावों के बाद कभी-कभार बच्चों या बड़ों पर हमला कर देते हैं। अधिकांश जीव आमतौर पर भूख और असुरक्षा के चलते ही किसी पर हमला करते हैं। ऐसे में उन्हें उस जगह से बलपूर्वक हटा देना उचित नहीं है। उनके लिए विकल्पों की तलाश नहीं के बराबर हो पाती है। जब उनके द्वारा कुछ अप्रत्याशित घटित होता है, तभी हमारा ध्यान उस ओर जाता है। सामान्य तौर पर कोई पशु किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता, अगर उनकी जरूरत पूरी हो जाए या फिर वह अपने ऊपर कोई खतरा न महसूस करे।

कहा जाता है कि दुनिया की पहली मिठाई शहद है, जो हमें मधुमक्खियों से मिलता है। शहद की यह ताकत है कि वह स्वास्थ्यप्रद और औषधीय होने के साथ-साथ कभी खराब न होने वाला द्रव है। कितनी ही चिड़िया के फल खाने से बीज उनके पेट में चले जाते हैं और बीट के रूप में बाहर निकलते हैं। ये बीज चिड़ियों के पेट में रहने से उपचारित हो जाते हैं और उनके उगने की संभावनाएं बढ़ जाती है। पशुओं के खाने के बाद उनके शरीर से निकलने वाले बीज नए पेड़ बन कर जन्म लेते हैं। कितनी ही बार गिलहरियां बीज जमीन में अपने खाने के लिए छिपा देती हैं और फिर भूल जाती हैं, जिनके अंकुरण से पेड़ बन जाते हैं। तितलियों के फूलों पर बैठने से फूलों के परागकण उनकी टांगों में चिपक जाते हैं, जिससे परागण की क्रिया सहज रूप से हो पाती है। कुत्तों में सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है, जिसकी वजह से सेना और पुलिस में कुत्तों को प्रशिक्षित करके अपराधी तक पहुंचा जाता है। घरों में कुत्ते घर की सुरक्षा करते हैं। मगर शहरी जानवर, पेड़-पौधों और अपने आसपास की पारिस्थितिकी को जानते-बूझते, अकारण नुकसान पहुंचाना एक तरह की हिंसा ही है।

जल, वायु और मृदा- ये तीनों ही पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। हम अपने जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो हमें इनका संरक्षण करना होगा, तभी इनसे संबंधित संसाधन हमें पर्याप्त मात्रा में मिलते रहेंगे और हम अपना जीवन अच्छे से गुजार पाएंगे। अगर वन और वन्यजीव नहीं होंगे, तब जल, वायु और मृदा से मिलने वाले संसाधन समाप्त हो जाएंगे और हम इनके बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। जिस तरह से भाषाएं विलुप्त होती जा रही हैं, उसी तरह से बहुत से जीव भी कम या विलुप्त होते जा रहे हैं। शहरों में अब मोर और तोते कम दिखते हैं। लगभग पैंतीस-चालीस वर्ष पहले गिद्ध और चील आमतौर पर हर जगह दिखाई देते थे, जो अब नहीं के बराबर दिखते हैं। शहरों में तितलियां कम होती जा रही हैं। एक रपट के मुताबिक, फोन के टावर लगते रहने से मधुमक्खियां अपना रास्ता भूलने लगती हैं। बारिश के दिनों में निकलने वाली बीर-बहूटी कम होती जा रही है। लगातार पहाड़ों और जंगलों का कटना, नदियों और तालाबों का सूखना और शहरों के विस्तार ने कई जीवों के जीवन को संकट में डाला है। हम सब प्रकृति के हिस्से हैं। पारिस्थितिकी के मुताबिक अगर इस शृंखला की एक भी कड़ी टूटती है, तो उसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। इससे मानव जीवन भी अछूता नहीं रह सकता।

कहा जाता है कि दुनिया की पहली मिठाई शहद है, जो हमें मधुमक्खियों से मिलता है। शहद की यह ताकत है कि वह स्वास्थ्यप्रद और औषधीय होने के साथ-साथ कभी खराब न होने वाला द्रव है। कितनी ही चिड़िया के फल खाने से बीज उनके पेट में चले जाते हैं और बीट के रूप में बाहर निकलते हैं। ये बीज चिड़ियों के पेट में रहने से उपचारित हो जाते हैं और उनके उगने की संभावनाएं बढ़ जाती है। पशुओं के खाने के बाद उनके शरीर से निकलने वाले बीज नए पेड़ बन कर जन्म लेते हैं। कितनी ही बार गिलहरियां बीज जमीन में अपने खाने के लिए छिपा देती हैं और फिर भूल जाती है, जिनके अंकुरण से पेड़ बन जाते हैं।

गैस प्रभावित क्षेत्र में बीसीसीएल का वैज्ञानिक निगरानी व त्वरित राहत कार्रवाई जारी : सीएमडी

धनबाद (कासं) : केंदुआडीह कोलियरी (पीबी क्षेत्र) के राजपूत बस्ती में गैस उत्सर्जन की घटना के बाद बीसीसीएल द्वारा उच्चतम स्तर की सतर्कता, वैज्ञानिक निगरानी और राहत गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। लंबे समय से ज्ञात भूतापीय आग एवं धंसान क्षेत्र में अचानक हुए उत्सर्जन के बाद बीसीसीएल ने बिना किसी विलंब के राहत, बचाव एवं तकनीकी हस्तक्षेप के सभी पहलुओं पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी थी। समय में भी बीसीसीएल की टीमें चौबीसों घंटे क्षेत्र में तैनात हैं।

घटना की सूचना मिलते ही बीसीसीएल ने राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिए गए। प्रारंभिक तकनीकी मूल्यांकन में यह स्पष्ट हुआ कि गैस उत्सर्जन परित्यक्त भूमिगत सुरंगों में फंसी अवशिष्ट गैसों के कारण हुआ, धंसान मार्गों एवं सतही दरारों से बाहर निकलीं। माइन रेस्क्यू स्टेशन (एमआरएस) की टीमों द्वारा कई घरों के भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया, जिसके बाद प्रभावित परिवारों की निकासी एवं सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई।

बीसीसीएल और एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें लगातार क्षेत्र सर्वेक्षण कर रही हैं। एमआरएस धनसार की दो टीमें स्थल पर स्थायी रूप से तैनात हैं और मोबाइल फॉगिंग तथा वाटर स्प्रे के माध्यम से गैस के फैलाव को नियंत्रित करने का कार्य लगातार जारी है। बीसीसीएल मुख्यालय एवं स्थल पर २४□७ कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, जहाँ से स्थिति निगरानी और समन्वय किया जा रहा है।

राहत कार्यों के साथसाथ दीर्घकालिक पुनर्वास व्यवस्था को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इस संबंध में सीएमडी ने बताया कि बेलगड़िया मौजा की ३७८.३९ एकड़ भूमि जेआरडीए को लीज पर हस्तांतरित कर दी गई है, जिससे बेलगड़िया में आवासों के ९९ वर्षों के अधिकार की प्रक्रिया सुगम हो गई है। इससे पुनर्वास ढाँचे के विकास हेतु स्वीकृत सैकड़ों करोड़ रुपये का प्रभावी उपयोग संभव होगा। झरिया पुनर्वास योजना के अंतर्गत विस्थापित परिवारों को लगभग ८०० वर्गफुट के पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें आवश्यक नागरिक तथा पशुओं के लिए केटल शेड की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

रिहायशी टाउनशिपों में सड़क, पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, सामुदायिक भवन, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएँ, पुलिस आउटपोस्ट और अन्य नागरिक सुविधाओं का विकास तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उद्देश्य यह है कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित, और सम्मानजनक वातावरण समय पर उपलब्ध हो सके। बीसीसीएल तत्काल राहत को वैज्ञानिक हस्तक्षेप और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रयासों से जोड़कर समन्वित रूप में आगे बढ़ रहा है। कंपनी जिला प्रशासन, वैज्ञानिक संस्थानों और श्रत्व। के साथ निरंतर समन्वय बनाकर इस संवेदनशील परिस्थिति का समाधान सुनिश्चित कर रही है।

आज निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्णा रमैया ने केंदुआडीह गैस प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, स्वच्छता और चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया तथा प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी तत्काल आवश्यकताओं का आकलन किया। इसके साथ ही उन्होंने राहत में लगी बीसीसीएल टीमों से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी जारी किए।

देर रात सीएमडी, बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने भी प्रभावित क्षेत्र का स्थल निरीक्षण कर स्थिति की समीक्षा की और राहत, निगरानी एवं पुनर्वास कार्यों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने के दिए।

बीसीसीएल ने पुनः स्पष्ट किया है कि कंपनी स्थिति की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक निगरानी, चिकित्सा तैयारी, राहत संचालन और पुनर्वास गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। ये प्रयास तब तक जारी रहेंगे जब तक क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित न हो और सभी प्रभावित परिवार स्थिर, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन के साथ अपने नए आवासों में बस न जाएँ।

एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में एडमिट कार्ड सत्यापन अनिवार्य

धनबाद (कासं) : एसएसएलएनटी महिला कॉलेज प्रशासन ने यूजी सेमेस्टर४ और पीजी सेमेस्टर-२ परीक्षाओं में शामिल होने वाली छात्राओं के लिए एडमिट कार्ड का सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग द्वारा जारी ऑनलाइन एडमिट कार्ड को डाउनलोड कॉलेज में सत्यापित कराना होगा।

इस आदेश पर आजसू छात्र संघ ने विरोध जताया है। संगठन के प्रदेश महासचिव विशाल महतो ने कुलपति प्रो. रामकुमार सिंह से शिकायत करते हुए कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले ऐसा आदेश जारी कर छात्राओं को परेशान किया जा रहा है, जबकि कॉलेजों में ऐसी व्यवस्था नहीं है।

एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शर्मीला रानी ने कहा कि ऑनलाइन एडमिट कार्ड में पहले छेड़छाड़ की घटनाएं हुई हैं, इसलिए फर्जीवाड़े को रोकने और छात्राओं के हित की सुरक्षा के लिए सत्यापन जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह कदम छात्राओं के में है।

बीसीसीएल प्रबंधन और पीड़ित ग्रामीणों के बीच बैठक

केन्दुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना परिसर में सी ओ विकास आनंद के पहल पर गैस रिसाव से उत्पन्न समस्या का समाधान को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन और पिडित ग्रामीणों के बीच बैठक हुआ। बैठक में पी बी एरिया के महाप्रबंधक जे के मेहता, सीओ, केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह प्रमोद पांडेय उपस्थित थे। बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास को लेकर ग्रामीणो से अपिल किया गया। गैस प्रभावित केंदुआ राजपुत बस्ती केंदुआ पांच नंबर केंदुआ इमामबाडा तथा केंदुआ पुल नयाधौडा के लोग भारी संख्या उपस्थित थे। सभी ने बीसीसीएल प्रबंधन और सीओ से गुहार लगाया की की बात न कर के जहरीली गैस रिसाव बंद करने का उपाय करे। बीसीसीएल के द्वारा राहत कार्य मे सभी साथ है। मगर पुनर्वास की बात न करे। पीबी एरिया के जीएम जेके मेहता ने बताया बीसीसीएल की टेक्नीकल टीम सीएमआरआई गैस बंद करने का उपाय कर रही है।राहत टीम की सभी जरूरत को हम पुरा कर रहे है। केमीकल मिश्रित पानी का छिडकाव किया जा रहा है,बीसीसीएल के रेस्क्यू टीम निरंतर प्रभावित क्षेत्रों में गैस का घनत्व का मापी किया जा रहा है। भारी विरोध को देखते हुए महाप्रबंधक दो दिनों का समय लिया।

सीओ ने कहा ग्रामीण भयावह स्थिति को समझे, जल्दबाजी ने कोई निर्णय नहीं लें। जिला प्रशासन हरसंभव सुविधा और सहयोग प्रदान करने के लिए तात्पर्य है। आपकी सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। मौके पर पार्षद प्रतिनिधि कृष्णा राउत, जयप्रकाश चौहान, अन्नु पासवान, मनोज राय, राजा चौरसिया, गणेश दास, मो जाहिद, मुनव्वर हुसैन, भुवानिया, अजीत पासवान, आदि सैकड़ों प्रभावित ग्रामीण उपस्थित थे।

गोमो में मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, दो घंटे तक ठप रहा यार्ड

धनबाद (कासं) : पूर्व मध्य रेलवे के नेताजी सुभास चंद्र बोस गोमो जंक्शन पर सुबह अंडाल गोमो यार्ड की ओर आ रही एनएमजी नामक खाली मालगाड़ी अपर लाइन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह घटना कैरेज एंड वैगन कार्यालय के समीप अप लाइन संख्या६ पर हुई।

जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी के इंजन से जुड़ी नौवीं बोगी पटरी से उतर गई। घटना के बाद अधिकारियों के बीच मच गया। समय रहते कंट्रोल को सूचना मिलते ही दुर्घटना यान की टीम मौके पर पहुंच गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मालगाड़ी के नीचे फंसे पहिये को दुरुस्त कर लिया गया।

२ सुबह ६:२३ बजे मालगाड़ी का परिचालन २ घंटे बाद सामान्य हो गया। इस घटना के अप यार्ड की पांच लाइनों पर परिचालन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर कई रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांचपड़ताल शुरू कर दी। मौके पर चीफ यार्ड मास्टर एस.एन. झा, कैंरेज फोरमैन राम नारायण, आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा, सबइंस्पेक्टर आलोक आनंद, साकिब आलम, प्रभात कुमार सिंह, सिंह आदि मौजूद थे।

आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए प्रभारी जन शिकायत कोषांग पदाधिकारी

धनबाद (कासं) : जिला प्रशासन धनबाद द्वारा नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ एवं बनाने के उद्देश्य से नियमित रूप से आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रभारी जन शिकायत कोषांग पदाधिकारी नियाज अहमद द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया।

जनता दरबार में उपस्थित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए आम लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएँ शिकायतें दर्ज कराई। इस दौरान सभी आवेदकों की बात ध्यानपूर्वक सुनी गई तथा आश्वस्त किया कि प्रत्येक शिकायत की गहन जाँच कराते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

भेलाटांड के निवासी रमेश गोप ने जनता दरबार में दबंगों द्वारा उनकी जमीन पर जबरन कब्ज़ा करने और किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं निरसा से आए संतोष मंडल ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से अपना नाम हटाए जाने के संबंध में शिकायत की। इसके अलावा सदर अस्पताल कॉलोनी की मंजू देवी ने अपने सरकारी आवास पर अवैध कैंज़ा किए जाने की शिकायत अधिकारियों को जनता दरबार में प्रमुख रूप से जमीन विवाद, पेयजल आपूर्ति, रोजगार एवं नियुक्ति संबंधी मांग, भूमि पर दबंगों द्वारा कैंजा, सीएनटी एक्ट भूमि समस्या, रैयती जमीन की ऑनलाइन रसीद से जुड़े मुद्दे, स्वास्थ्य सहायता, शिक्षा से संबंधित समस्याएँ, तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के निष्पादन से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई। पदाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का सर्वोपरि लक्ष्य है कि आम नागरिकों को उनके अधिकार, योजनाओं का लाभ एवं सेवाएँ पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हो। समस्याओं के त्वरित समाधान के माध्यम से नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत

डीसी के निर्देश पर चौक चौराहों पर की गई अलाव की व्यवस्था

धनबाद (कासं) : बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रंजन ने नगर निगम क्षेत्रों, नगर परिषद क्षेत्रों समेत सभी अंचल क्षेत्रों में बढ़ती ठंड से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त के निर्देश पर नगर निगम , नगर परिषद क्षेत्रों समेत सभी अंचल क्षेत्रों, विभिन्न प्रमुख स्थानों बस स्टैंड , रेलवे स्टेशन अलावा चौक चौराहो पर अलाव की व्यवस्था की गई है, ताकि रात के समय ठंड से परेशान लोगों को राहत मिल सके। उपायुक्त ने बताया कि शहर के मुख्य चौकचौराहों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी राहगीर बेघर लोग अधिक संख्या में रहते या गुजरते हैं। इन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कर संबंधित अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश भी दिए गए हैं।

सड़क हादसे में पुलिस जवान की मौत

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत सहराज पंचायत के रामपुर गांव निवासी झारखंड पुलिस के जवान राकेश महतो (३९ वर्ष) की मौत सोमवार रात एटलेन रोड में काको मंदिर के समीप हो गई। वह अपनी पल्सर संख्या जेएच १० एपी ३६१९ से बोकारो जा रहे थे। उनका पदस्थापन बोकारो जिला था। इस बीच तेज गति से आ रही हाईवा संख्या जेएच१० बीकयू ९६३८ नंबर की हाईवा ने उन्हें धक्का मार दिया । उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया । घटना के बाद आसपास के जुटे और उन्हें अशर्फी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका पार्थिव शरीर बोकारो ले जाया गया, जहां पुलिस लाइन में बोकारो के पुलिस अधीक्षक पुलिस उपाधीक्षक तथा जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाम में शव गोविंदपुर का रामपुर गांव लाया गया, उनकी अंतिम क्रिया की गई । इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। मृतक रामपुर गांव निवासी विनोद महतो के छोटे पुत्र थे। उनके बड़े भाई विशु महतो सहायक अध्यापक हैं और मंझीले भाई राजेश महतो सहराज पंचायत के उप मुखिया है। मृत राकेश महतो की पत्नी किरण भी झारखंड पुलिस में है और बोकारो में पदस्थापित है। पति पत्नी दोनों बोकारो में ही रहते थे। उन्हें करीब १५ वर्षीय पुत्र शिवकुमार महतो तथा १० वर्षीय पुत्री स्वीटी कुमारी है। राकेश महतो झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन २०२२ के चुनाव में केंद्रीय सदस्य पद पर निर्वाचित हुए थे। आकस्मिक निधन से पूरा गांव मर्माहत है । उनके निधन पर भाजपा नेत्री तारा देवी, ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष बलदेव महतो, मोहन कुंभकार, नंदलाल अग्रवाल, अमरदीप सिंह, जेएलकेएम नेता कुश महतो, आशीष महतो, मुखिया रुखसाना बीबी, पूर्व मुखिया जाकिर अंसारी, हकीमुद्दीन अंसारी, तालेश्वर साव, विश्वनाथ पाल आदि ने संवेदना प्रकट है।

गैस रिसाव पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर प्रभावित लोगों को राहत दिलाई बीसीसीएल प्रबंधन : अनुपमा

जोड़ापोखर (ससे) : धनबाद लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी एवं राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट अनुपमा सिंह ने आज गैस रिसाव प्रभावित इलाकों का दौरा किया पीड़ितों से मुलाकात की। सर्वप्रथम, जहरीली गैस रिसाव की घटना में निर्दोष लोगों की मृत्यु पर मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। यह अत्यंत दुखद और हृदयविदारक घटना है। मैं केंद्र सरकार की अनुषंगी इकाई बीसीसीएल से मांग करती हूं कि मृतकों के परिजनों १०१० लाख रुपये का उचित मुआवजा दिया जाए। राज्य की हमारी अबुआ सरकार ने सर्वप्रथम घोषित ४४ लाख रुपये दिए जाएगे। गैस रिसाव को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत रोका जाए, न कि विस्थापन के नाम पर लोगों को डराया धमकाया ना जाए। यहां के लोग पीढ़ियों से इसी क्षेत्र में रहकर अपना आजीविका चला रहे हैं।

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि धनबाद जैसे शहर में डीजीएमएस, सिंफर और आईएसएम जैसे राष्ट्रीय स्तरीय संस्थान होने के बावजूद गैस रिसाव जैसी गंभीर समस्या पर विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा -यह सरासर गलत है। आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा हेवी ब्लास्टिंग की जा रही है, गैर-कानूनी ढंग से कोयला निकासी हो रही है, तथा चानक में लगे वेंटिलेशन फैन हटाए जा चुके हैं, जिसके कारण अंदर ही अंदर गैस का दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा हेवी ब्लास्टिंग से यहां रहने वाले लोगों में लगातार भय का माहौल बना रहता है और धूल प्रदूषण की समस्या अलग से परेशान कर रही है। श्रीमती सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि प्रशासन बीसीसीएल एवं आउटसोर्सिंग कंपनियां सख्त कार्रवाई करे सुरक्षा के सभी मापदंडों के अनुरूप कार्य हूं यह सुनिश्चित करे कि स्थानीय लोगों को विस्थापन के नाम पर डराया न जाए। यहां रहने वाले परिवारों को सभी सुविधाएं, सुरक्षा और संरक्षण दिया जाए। कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैस को तुरंत रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

स्कूटी सवार युवती को स्कार्पियो ने मारी टक्कर, घायल

धनबाद (कासं) : धनबाद के नया बाजार के समीप एक स्कूटर सवार युवती को ने ठोकर मार दी जिसके बाद देखते ही देखते आसपास के लोग जुट गए और स्कॉर्पियो सवार की जमकर धुनाई कर दी। इस घटना के बाद वहां तकरीबन २० मिनट तक हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला हालांकि घटना की सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस ने पहुंचकर दोनों समझा बुझाकर मामला शांत करवाया और आवागमन को चालू करवाया गया।घटना के बाद स्कूटी सवार युवती के भाई ने बताया कि नया बाजार का इलाका काफी ट्रैफिक भरा होता है और सड़क पार करने के दौरान रुकने का संकेत देने के बावजूद भी स्कार्पियो सवार युवक के द्वारा जानबूझकर को ठोकर मारी दी और अपशब्द का प्रयोग किया। जिसको लेकर ही विरोध करने पर इस तरह की घटना सामने हुई है। हालांकि उन्होंने इस घटना की शिकायत जिले का वरीय अधिकारियों से करने की बात कही। वही मामले में स्कॉर्पियो चालक की माने तो चौक पर सीसीटीवी कैमरा हुए हैं मेरी कोई भी गलती नहीं है। मैंने कई बार उन्हें रुकने का इशारा किया इसके बावजूद भी जाम से जब निकल रहा था तो उनकी गाड़ी आगे आ गई जिसके वजह से मामूली सी टक्कर हो गयी। उनके द्वारा भीड़ इकट्ठा कर मेरे साथ मारपीट किया गया माहौल को बिगड़ने की कोशिश की गई।

साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन अपराधी गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद जिले में लगातार बढ़ रही साइबर ठगी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम को बड़ी मिली है। साइबर पुलिस ने छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी शहर के विभिन्न हिस्सों में किराए के मकान लेकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उनके पास से ८ मोबाइल फोन, ६ सिम कार्ड और बाइक भी बरामद किए हैं।

ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में टुंडी थाना क्षेत्र के सचिन कुमार, महेश मंडल और तोपचांची थाना क्षेत्र के विनोद कुमार महतो शामिल हैं। ये तीनों लंबे समय से साइबर ठगी में सक्रिय थे। पहले यह गैंग क्षेत्र में काम करता था, लेकिन पुलिस दबिश बढ़ने पर इन्होंने अपना ठिकाना बदलकर शहरी इलाकों में किराए का मकान ले लिया था। अपराधी एपीके फाइल, आरटीओ चालान एसबीआई रिवार्ड जैसे फर्जी ऐप्स व लिंक भेजकर लोगों के मोबाइल से निजी जानकारी चुरा लेते थे। जानकारी हासिल होने के वे पीड़ितों को साइबर ठगी का शिकार बनाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों में २१ वर्षीय सचिन कुमार खुद को छात्र बताता है, लेकिन पुलिस के अनुसार वही इस गैंग का मास्टरमाइंड है। वहीं महेश मंडल पूर्व में भी साइबर अपराध के मामले में तिहाड़ जेल जा चुका है। तीनों मिलकर का नेटवर्क चलाते थे। पुलिस अब जब्त मोबाइल व सिम कार्ड की जांच कर रही है, ताकि ठगी के शिकार और लोगों का पता लगाया जा सके।

भारत को अपनी विकास राह खुद तय करनी होगी : गौतम अदाणी

धनबाद (कासं) : आईआईटी - आईएसएम धनबाद के शताब्दी समारोह के मौके पर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने अपने भाषण में संस्थान के छात्रों से कहा आज जब वैश्विक गठबंधन टूट रहे हैं और देश अपने हितों को सर्वोपरि मान रहे हैं, ऐसे समय में भारत को अपनी विकास की राह खुद तय करनी होगी। उन्होंने कहा, भारत की संप्रभुता अब दो स्तंभों पर निर्भर करती है, हमारे पैरों के नीचे की संपदा और वह जो विकास को गति देती है।

अपने भाषण में गौतम अदाणी ने चेताया कि नैरेटिव कॉलोनाइजेशन से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जिन देशों ने ऐतिहासिक रूप से सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन किया है, वे अब भारत को यह बताना चाहते हैं कि उसे कैंसे विकसित होना जबकि भारत की प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दर दुनिया में सबसे कम है। उन्होंने देश को दूसरे स्वतंत्रता संग्राम के लिए तैयार रहने की बात कही। उन्होंने कहा, भारत को बाहरी दबावों के आगे नहीं झुकना चाहिए, जो हमारे सपनों को अवैध ठहराते हैं। यह समय भारत के लिए आर्थिक संसाधन स्वतंत्रता का दूसरा स्वतंत्रता संग्राम' है। उन्होंने कहा, लोग खनन को पुरानी अर्थव्यवस्था कह सकते हैं। लेकिन इसके बिना, कोई नई अर्थव्यवस्था नहीं है।

गौतम अदाणी ने इस मौके पर आईएसएम धनबाद के स्वर्णिम इतिहास को भी सराहा। उन्होंने कहा, आईआईटी - आईएसएम धनबाद की स्थापना देश की दूरदृष्टि परिणाम था। ब्रिटिश शासन के दौरान भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी, ताकि भारत खनन और भूविज्ञान में अपनी क्षमताएं विकसित कर सके। अदाणी ग्रुप की ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि ने ऑस्ट्रेलिया के कारमाइकल प्रोजेक्ट को कई चुनौतियों के बावजूद सफलतापूर्वक संचालित किया और गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित किया।

इस मौके पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने आईआईटी आईएसएम धनबाद में नया अदाणी ३ एस माइनिंग एक्सीलेंस सेंटर शुरू की घोषणा की। यह माइनिंग एक्सिलेंस सेंटर टेक्समिन के साथ साझेदारी में विकसित किया जाएगा, जिसमें मेटावर्स लैब, ड्रोन बेड़े, भूकंपीय सेंसिंग सिस्टम और सटीक खनन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इसके बाद गौतम अदाणी ने छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप प्रोग्राम की घोषणा भी की।

इसके तहत हर साल तीसरे के ५० छात्रों को पेड इंटर्नशिप प्रदान की जाएंगी। इसके बाद, इनमें से कम से कम २५ छात्रों को अदाणी समूह के लिए रोजगारपूर्व प्रस्ताव प्राप्त मिलेंगे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, निर्भीक होकर सपने देखें, लगातार प्रयास करें, इनोवेशन को अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण योगदान दें।

सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

बोकारो (ससे): जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार बोकारो की बैठक उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिला अंतर्गत स्थित सभी सरकारी एवं गैर सरकारी अस्पतालों, नर्सिंग होम, होटल, मॉल, रेस्टोरेंट एवं सभी बैंकों में अग्नि सुरक्षा से संबंधित ऑडिट रिपोर्ट अगले १५ दिनों में समर्पित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दरम्यान जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आपदा की स्थिति में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक एवं उपयोगी उपकरणों का वितरण किया गया, जिसमें सायरन, लाईफ जैकेट, लाइफ सेविंग रिंग, मेगा फोन, स्ट्रेचर एवं फर्स्ट एड बॉक्स दी गई।

उक्त सभी आवश्यक एवं उपयोगी उपकरण उपायुक्त कार्यालय, पुलिस अधीक्षक बोकारो, अनुमंडल पदाधिकारी चास, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो (तेनुघाट), सहित सभी अंचल के अंचलाधिकारी को वितरण किया गया।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है इसलिए ऐसे सभी संस्थान जहां आम नागरिकों की सुरक्षा का संबंध हो वैसे सभी संस्थाओं में सुरक्षा के हर मानक सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने अग्निशमन पदाधिकारी को सभी होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम आदि में अग्नि सुरक्षा ऑडिट करते हुए व्यापक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि सुरक्षा ऑडिट में जो कोई संस्थान सफल नहीं पाए जाएंगे उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सिल भी किया जाएगा।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने नगर क्षेत्र में अवस्थित हाईराइज बिल्डिंग्स, अपार्टमेंट में भी अग्नि सुरक्षा एवं अन्य सुरक्षात्मक मानकों के ऑडिट का दिया निर्देश। इस बाबत अग्निशमन पदाधिकारी एवं अपर नगर आयुक्त को संयुक्त निरीक्षण करने का निर्देश दिया। वैसे हाईराइस बिल्डिंग्स जो निगम के अनुमति के बगैर निर्माण किए गए हैं, जो भवन निर्माण के सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करते उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई का भी निर्देश दिया।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी कार्यालय प्रधान को निर्देशित किया कि कार्यालय बंद होने के साथ ही सभी इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक के स्विच ऑफ कर दिए जाएं ताकि आकस्मिक आगलगी की घटना या शार्ट सर्किट की घटना ना हो।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने आम नागरिक को एवं बैंक कर्मियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैंक परिसर एवं बैंक के बिल्डिंग में फायर सेफ्टी एवं अन्य सुरक्षात्मक मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया। इस संदर्भ में अग्रणी बैंक प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिया।

शादी विवाह अथवा अन्य कार्यक्रमों में अधिष्ठापित किए जाने वाले पंडाल में सूती कपड़ों का ही उपयोग करें ताकि पॉलिस्टर अथवा अन्य कपड़ों की तुलना में आगलगी की घटना पर काफी हद तक काबू पाया जा सके और नुकसान कम हो सके।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आपदा प्रबंधन में संवेदनशीलता पदाधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट दर्ज करने में एक मानक के रूप में प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से पदाधिकारी में आम नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन के कौशल में निपुणता देखी जाएगी।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय अनिमेष गुप्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, एलडीएम आबिद हुसैन, अग्निशमन पदाधिकारी श्री भगवान ओझा सहित विभिन्न प्रखंडों के अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

चिरेका कर्मचारियों को महाप्रबंधक ने किया पुरस्कृत

चित्तरंजन (ससे): चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) में सेवारत रघु कुमार, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता सिविल इंजीनियरिंग विभाग (२) रविंद्र कुमार सिंह /तकनीशियन- /विद्युत विभाग (३) कुणाल कुमार सिंह तकनीशियन-२/ यांत्रिक विभाग और (४) अमित कुमार गुप्ता, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता / यांत्रिक विभाग को नवंबर २०२५ के लिए मैन ऑफ द मंथ अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रशासनिक भवन स्थित बैठक सभागार में अनिल कुमार गुप्ता,महाप्रबंधक के कर कमलों द्वारा आज ०९ दिसंबर को यह पुरस्कार इनके असाधारण प्रदर्शन और समर्पित योगदान के लिए इन्हें प्रदान किया गया है। महाप्रबंधक महोदय ने इन सभी प्रतिभाशाली कर्मचारियों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रघु कुमार, ये वर्तमान ऑफिसर्स कॉलोनी के क्षेत्रीय वरिष्ठ अनुभाग अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। इस माह के दौरान, ऑफिसर्स कॉलोनी क्षेत्र में आवंटित नए आवासों को अपनी कुशल कार्यप्रणाली के कारण मरम्मत कार्य इन्होने समय पर निवारण किया। ऐसा सराहनीय और समर्पित कार्य प्रशंसा के योग्य है।

रवींद्र कुमार सिंह के अधीन कार्यरत हैं और ट्रांसफार्मर से संबंधित सभी प्रकार के कार्य करते हैं, जैसे बीडीवी का परीक्षणकार्य प्रणाली में कुशल तकनीशियन हैं ।

कुणाल कुमार सिंह, इन्होंने उत्पादन में उच्चतम गुणवत्ता वाले फिटिंग कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने गुणवत्ता सुधार के साथ निर्माण कार्य में उल्लेखनीय योगदान दिया है और वेल्डिंग के लिए सेंटर सिल मैन्युफैक्चरिंग फिक्सचर बनाने में सहायता की है।

अमित कुमार गुप्ता , ये व्हील शॉप के ०९४० सेक्शन में में कार्यरत हैं और नवंबर, २०२५ तक व्हील शॉप में व्हील सेट के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।ये व्हील शॉप में गियर प्रेस, एमएसयू फिटमेंट, व्हील प्रेस और एक्सल बॉक्स असेंबली का कार्य देखते हैं। उन्होंने ओपन रेलवे से संबंधित विफलताओं, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न अनुपालन और व्हील प्रेस से संबंधित सुरक्षा और गुणवत्ता पहलुओं के साथ उत्पादन बनाए रखने से संबंधित सभी कार्य पूरे किए हैं।

महिला डिब्बे में यात्रा करने वाले 2267 पुरुष यात्री हिरासत में

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पर्याप्त कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है । इसी क्रम पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन ''समय पालन'' के तहत् ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब ना हो। ऑपरेशन ''समय पालन'' के तहत नवंबर माह में रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में १००३ लोगों को हिरासत में लिया गया । इन लोगों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा १४१ के तहत कार्रवाई की गई । ऑपरेशन ''समय पालन'' के तहत् इस दौरान सर्वाधिक ४०५ लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि समस्तीपुर मंडल में २४९, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में १३५, सोनपुर मंडल में १११ तथा धनबाद मंडल में १०३ लोगों को हिरासत में लिया गया।

इसी तरह महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑपरेशन ''महिला सुरक्षा'' के तहत महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी धर-पकड़ अभियान चलाया गया । ऑपरेशन ''महिला सुरक्षा'' मे तहत नवंबर माह में रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर महिला कोच में यात्रा करने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा १६२ के तहत २२६७ पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया । इनमें सर्वाधिक १०८४ लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में ५५८, धनबाद मंडल में ३५५, समस्तीपुर मंडल में १४८ तथा सोनपुर मंडल में १२२ पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

हाजीपुर (ससे): मुख्यालय, हाजीपुर में ०३ रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए।

विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

लाइन मैनेजर्स के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील के एचआर-एलएंडडी विभाग में सीजीएम, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंटल सेफ्टी ऑफिसर (डीएसओ) तथा लाइन मैनेजर्स के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति संगठनात्मक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना, नेतृत्व स्तर पर जागरूकता बढ़ाना तथा सभी परिचालन इकाइयों में सक्रिय सुरक्षा प्रबंधन को प्रोत्साहित करना था.

कार्यक्रम का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया. अपने संबोधन में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मजबूत सुरक्षा संस्कृति के निर्माण, परिचालन अनुशासन को बनाए रखने तथा सुरक्षित कार्य प्रणाली के लिए उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने में वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिका पर जोर दिया. उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है और इसे निर्णय लेने की प्रत्येक प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए.

सत्र की शुरुआत नीता बा, सीजीएम (एचआर-एलएंडडी) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सुरक्षा प्रक्रियाओं पर निरंतर जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के पालन के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने प्रतिभागियों से सक्रिय रूप से चर्चा में शामिल होने और अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने हेतु इस कार्यशाला का लाभ उठाने की अपील की.

कार्यशाला में जोखिम पहचान, जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियाँ, लाइन प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ, अनुपालन आवश्यकताएँ तथा निवारक सुरक्षा उपायों को अपनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया. संवादात्मक चर्चाओं, संरचित प्रस्तुतियों और गतिविधियो के माध्यम से प्रतिभागियों को नेतृत्व आधारित सुरक्षा हस्तक्षेप और अपेक्षाओं पर गहन समझ प्राप्त हुई. इस कार्यक्रम का समन्वय अमित आनंद, एजीएम (एचआर-एलएंडडी),जे.एन.यादव, मैनेजर (एचआर-एलएंडडी), तथा एस. के. डी. भौमिक, जेएम (एचआर-एलएंडडी) द्वारा किया गया.

विद्यालय में शिक्षकों की पदस्थापना की मांग

डुमरी (ससे): जिप सदस्या सुनीता कुमारी ने मंगलवार को गिरिडीह जिला शिक्षा पदाधिकारी मुकुल राज से भेंट कर डुमरी प्रखंड के जरूरतमंद विद्यालय में शिक्षकों की पदस्थापना करने की मांग की है।उन्होंने बताया वर्तमान समय मे शिक्षकों की पदस्थापना में कहीं ना कहीं विभाग द्वारा चूक हुई है क्योंकि जिस विद्यालय में शिक्षकों की आवश्यकता नहीं है।उन विद्यालय में फिर से नए शिक्षकों की पदस्थापना की गई है वहीं जिस विद्यालय में शिक्षकों की कमी है,उन विद्यालय में शिक्षकों की पदस्थापना नहीं की गई है।उन्होंने मध्य विद्यालय डुगडुगिया, मध्य विद्यालय मधगोपाली, प्राथमिक विद्यालय पहरीधार लक्ष्मण, मध्य विद्यालय बरमसिया सहित दर्जनों विद्यालय में शिक्षकों की कमी को देखते हुए शिक्षकों की पदस्थापना की अनुरोध की है।

जैन मध्य विद्यालय के बच्चों ने देखा जादू की कला

डुमरी (ससे): पारसनाथ दिगम्बर जैन मध्य विद्यालय इसरी में मंगलवार को पटना (बिहार) से आये जादुगर ए.के. पाशा ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।उन्होंने एक से बढ़कर एक जादू के करतब दिखाकर उपस्थित बच्चों एवं शिक्षकों को आश्चर्यचकित कर दिया। कई करतब देखकर तो छात्र-छात्रायें स्तब्ध रह गये।

जनता दरबार में उपायुक्त ने शिकायतों और जनसमस्याओं पर गंभीरता से की सुनवाई

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में ९ दिसंबर को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों व पंचायतों से आए लोगों ने अपनी समस्याएँ एवं शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त अजय नाथ झा ने एक-एक आवेदक का आवेदन सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान हमारी प्राथमिकता है। इस दौरान भूमि, पेंशन, राशन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बैंक लोन से संबंधित, बिजली पोल लगाने, थाना प्रभारी की शिकायत, रोजगार की मांग, चंद्रपुरा प्रखंड के ग्राम में बिजली, पानी, सहित आधार भूत संरचना, बोकारो स्टील सिटी में सड़क की समस्या, जमीन का पेपर निकालने हेतु दलाल द्वारा पैसे लिए जाने की शिकायत तथा राजस्व से संबंधित मामलों पर अधिक संख्या में शिकायतें दर्ज की गईं। इसपर उपायुक्त ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने विभिन्न शिकायतों और जनसमस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की। उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी अपने स्तर पर नियमित रूप से जन शिकायतों की समीक्षा करें। उन्होंने लंबित मामलों की जल्द निपटान, फील्ड विज़िट बढ़ाने तथा जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने पर विशेष जोर दिया।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह प्रभारी पदाधिकारी जनशिकायत पियूष, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

अक्षित व विराज जिला कराटे चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित

चास, बोकारो (ससे): डीपीएस चास के अक्षित कुमार और विराज अग्रवाल को ०७ दिसंबर २०२५ को सांसद खेल महोत्सव २०२५ के अवसर पर क्युकोसिन कान कराटे एसोसिएशन द्वारा लायंस कला एकेडमी, सेक्टर-३ब में आयोजित जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान से सम्मानित किया गया। उनकी असाधारण उपलब्धियों ने न केवल उन्हें सम्मान दिलाया है, बल्कि स्कूल समुदाय को भी गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने न सिर्फ तकनीकी दक्षता दिखाई, बल्कि अनुशासन, खेल भावना और आत्मविश्वास का भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उपस्थित दर्शकों और प्रशिक्षकों ने विजेताओं के प्रदर्शन की प्रशंसा की। अंत में विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभाशाली बच्चों ने उत्साह और जोश के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में आयु वर्ग १४-१६ (बॉयज़) श्रेणी का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

सेमी-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का सम्मान डीपीएस चास बोकारो के अक्षित कुमार को प्रदान किया गया तथा फुल-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार डीपीएस चास बोकारो के विराज अग्रवाल ने अपने शानदार कौशल और दृढ़ता से हासिल किया, जिससे स्कूल की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि सफलता, अनुशासन, समर्पण और खुद को लगातार चुनौती देने के साहस का परिणाम है। हमारे छात्रों ने वास्तव में इस भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है। ऐसे आयोजन से जिले में कराटे खेल को प्रोत्साहित करने और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

अधिवक्ता के निधन पर भाजपाईयों ने व्यक्त की शोक

डुमरी (ससे): अनुमंडल अधिवक्ता संघ से जुड़े अधिवक्ता छत्रधारी महतो की आकस्मिक निधन पर स्थानीय भाजपा नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त किया है। भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल ने कहा कि दिवंगत अधिवक्ता एक कुशल व्यवहार अधिवक्ता थे साथ ही पार्टी के प्रत्येक बैठकों एवं कार्यकर्मो में शामिल होते थे और अपने बहुमूल्य विचारों को व्यक्त करते थे।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

चित्तरंजन : चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के महाप्रबंधक कार्यालय स्थित प्रशासनिक भवन सभाकक्ष में आज ०९ दिसंबर २०२५ को चिरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की १६१वीं बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता श्री अनिल कुमार गुप्ता,महाप्रबंधक चिरेका ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध भारतीय हिंदी कवि, ग़ज़लकार और कथाकार दुष्यंत कुमार जी की स्मृति में उनकी ५०वीं पुण्य तिथि मनाई गयी। इस बैठक में विभागों के प्रमुख अध्यक्ष,वरीय अधिकारी, चिरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पदेन सचिव और राजभाषा अधिकारी सहित विभाग के कर्मचारी गण उपस्थित थे। श्रीमती मौसुमी साहा,राजभाषा अधिकारी ने स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर इस तिमाही में राजभाषा में प्रशंसनीय कार्य के लिए श्री संजय कुमार शर्मा, कनिष्ठ लिपिक,यांत्रिक/विनिर्माण, कल्याण मुखर्जी,कनिष्ठ लिपिक/ सुरक्षा कार्यालय,श्री निमाई चंद्र मांडी ,मुख्य कार्यालय अधीक्षक,वरिष्ठ विद्युत् इंजीनियर विभाग, श्री पुल्ला महेश, मुख्य छायाकार, जन-संपर्क विभाग और श्री निरंजन कुमार, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/ ,सहा.वि.इंजी/ डि./पारंपरिक -१ को महाप्रबंधक महोदय के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया। बैठक में निर्धारित मानक कार्य सूची पर विचार विमर्श किए गए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अनिल कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक ने अपने अभिभाषण में कहा कि राजभाषा हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता तथा संवाद की सहजतम अभिव्यक्ति है। हमारे संविधान ने हिंदी को राजभाषा का गौरव प्रदान किया है, और यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम इसे सरलता और सम्मान के साथ अपने दैनिक कार्यों में अपनाएं। चिरेका में राजभाषा के प्रयोग के प्रति सभी जागरूक है, ये अच्छी बात है। धीरे-धीरे इसे कार्य संस्कृति का स्वभाविक हिस्सा बनाना होगा। आशा करता हूं कि आप सभी के सम्मिलित प्रयास से आने वाले दिनों में हम चिरेका में राजभाषा के प्रयोग के क्षेत्र में और भी नित नई कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

बीएसएल ने पहली बार चेकर प्लेट रोलिंग कर रचा इतिहास

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट ने पहली बार सफलतापूर्वक चेकर प्लेट रोलिंग कर उत्पादन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है. यह सफलता न केवल बीएसएल की उच्च तकनीकी दक्षता को प्रमाणित करती है, बल्कि उत्पाद विविधीकरण एवं बाज़ार विस्तार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है. प्रायोगिक चरण में १,२५० मिमी से १,५०० मिमी चौड़ाई तथा ५ से ६ मिमी मोटाई के कुल १२ कॉयल्स का उत्पादन किया गया. संपूर्ण प्रक्रिया को बीएसएल की कुशल तकनीकी टीम ने आंतरिक संसाधनों के माध्यम से अपने माइक्रो प्लानिंग, उपयुक्त मशीन सेट-अप और सतत निगरानी के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया.

गौरतलब है कि देश में चेकर प्लेट की वार्षिक मांग लगभग ३,६०,००० टन आँकी गई है। बीएसएल में चेकर प्लेट के वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ होने के साथ, नियमित एचआर कॉयल उत्पादन के अतिरिक्त प्रतिमाह लगभग ३०,००० टन की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. साथ ही, एचआर कॉयल की तुलना में प्रति टन लगभग १,५०० रूपए अधिक नेट सेल्स रियलाइजेशन प्राप्त होने से बीएसएल के वित्तीय प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी सुनिश्चित होगी.

बीएसएल में वाणिज्यिक उत्पादन को गति प्रदान करने हेतु एडामाइट रोल्स की खरीद,एल१ एवं एल२ ऑटोमेशन सिस्टम्स का उन्नयन तथा आवश्यक आईएसओ प्रमाणन सहित तकनीकी आधुनिकीकरण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसके जनवरी २०२६ तक पूर्ण होने की संभावना है. उल्लेखनीय है कि पूर्व में चेकर प्लेट उत्पादन सेल के राउरकेला स्टील प्लांट में किया जाता था, जबकि वर्तमान में बीएसएल, सेल के अंतर्गत इस उत्पाद की तकनीकी एवं वाणिज्यिक संभावनाओं को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने वाला एकमात्र प्लांट बनकर उभरा है.

यह उपलब्धि अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त तथा मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) पी. के. वर्मा के नेतृत्व में संभव हो सकी है. शीर्ष प्रबंधन ने पूरी टीम के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए टीम भावना, नवाचार तथा कार्य के प्रति समर्पण के लिए सभी को बधाई दी.

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

झरिया विधायक ने आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त रूप से उपलब्धता न होने का मामला विस में उठाया

रांची/धनबाद (ससे): आज मंगलवार शीतकालीन विधानसभा सत्र के दौरान झरिया श्रीमती रागिनी सिंह द्वारा झरिया विधानसभा क्षेत्र समेत धनबाद जिले में अग्निकांड भू धसान तथा आपदा संबंधी घटनाओं समय राहत और बचाव कार्य हेतु आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त रूप से उपलब्धता न होने का मामला उठाया गया।

वही सरकार द्वारा मिले उत्तर अपनी असंतुष्टता जताते हुए इस गंभारिता पूर्वक विचार कर ध्यान दिए जाने की बात कही वही बंद खदानों के पानी में डूबने या नदी डूबने की घटनाओं में राहत और बचाव दल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध न होने के कारण बाहर से बचाव दल बुलाए जाने के कारण कार्य प्रभावित होने का उठाते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन संसाधनों की कमी व तत्काल उपलब्ध बचाव दल के अभाव में आपदा एवं दुर्घटना स्थिति में स्थानीय नागरिकों को गंभीर

कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

यदि सरकार झरिया सहित धनबाद जिले में अग्निकांड भू धसान एवं डूबने घटनाओं के लिए स्तर पर प्रशिक्षित और सुसज्जित राहत एवं बचाव दल की स्थाई व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का मामला उठाया जिसपर सरकार द्वारा मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने उत्तर देते हुए कहा बीसीसीएल खनन क्षेत्र अंतर्गत भू धसान गैस रिसाव जैसी आपदाजनित घटनाएं घटित होती हैं और क्षेत्र में उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सम्बन्धित कंपनी की ही है वही उन्होंने कहा कि बीसीसीएल द्वारा संचालित माइनस रेस्क्यू सेंटर बीसीसीएल धनबाद जिला कार्यरत है परन्तु उसने पर्याप्त संसाधन व मानव बल के अभाव की बात कही वही माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने अग्निकांड से राहत एवं बचाव अग्निशमन धनबाद जिले में होने डूबने की घटनाओं की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य हेतु एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की प्रतिनियुक्ति किए जाने की कही वहीं उक्त स्थान के अतिरिक्त पानी में डूबने की घटनाओं से राहत एवं बचाव हेतु जिले से चिन्हित दो गोताखोरों को दीप ड्राइवर में प्रशिक्षित करने हेतु एजेंसी द्वारा चयन चयन प्रक्रिया की बात कही।

भागाबांध पुलिस ने चोर को जेल भेजा

पुटकी (ससे): भागाबांध ओ पी क्षेत्र अंतर्गत बीएनआर नंबर के ग्रामीणों के द्वारा दिए गए सूचना पर भागाबांध पुलिस ने बीते रात रंगे हाथ बिजली का तार चोरी करते बोरागढ निवासी राजा को गिरफ्तार किया गया।पुलिस की गश्ती दल को देखकर चोर पेड़ पर चढ़कर छिप गया। की गश्ती दल ने उसे उतार कर ओ पी पुछताछ कर, मंगलवार को जेल भेज दिया गया है।

एंटी क्राईम चेकिंग अभियान

लोयाबाद (ससे) : वरीय आरक्षी अधिक्षक के निर्देशन में मंगलवार के शाम को लोयाबाद पुलिस के द्वारा एंटी क्राइम वाहन चैकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें दर्जनों दो पहिया और चार पहिया वाहनों का जांच किया गया। जांच अभियान में एएसआई बिनोद पासवान, मिनाज खान, जवान बिनोद महतो आदि शामिल थे।

भागा रेलवे कॉलोनी में चोरों ने उड़ाए डेढ़ लाख नकद सहित लाखों के गहने

जोड़ापोखर (ससे): जोरापोखर थाना क्षेत्र रेलवे भागा में सोमवार की शाम उस समय चोरी की वारदात हो गई जब घर का पूरा परिवार एक समारोह में गया हुआ था। ने मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में घुसकर अलमारी तोड़ डाली और सोने-चाँदी के भारी मात्रा में गहने तथा डेढ़ लाख रुपये नकद दस्तावेज चुरा ले गए। पीड़ित सूरज प्रसाद दास ने बताया कि वे सोमवार शाम अपने पूरे परिवार के साथ लोदना मोड़ अनिल टॉकिज मैरिज में गए थे।

रात में जब घर लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर कमरे में अलमारी भी तोड़ी गई थी। सोने के गहने में कंगन ०१ जोड़ा, चैन ०२, कान का झुमका ०३ जोड़ा, लॉकेट ०५, अंगूठी ०४, मांगटीका ०१, नाक का नथिया ०२, ग्राम के गले का हार सेट ०२ सेट तथा चाँदी के गहने बाला ०२ जोड़ा, सिक्का ०२, सिन्दूरदानी ०२, बच्चे का कमरधनी ०२, का ०२, पायल ०४ जोड़ा, अंगूठी ०१, बिछिया ०४ जोड़ा के अलावा एक लाख पचास हजार रुपये नकद और एक फाइल में रखी चेक बुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, इंश्योरेंस पेपर सहित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज भी गायब थे। पड़ोसियों से पूछताछ करने पर पता चला कि शाम समय दो पर सवार चार युवक घर के आसपास चक्कर लगा रहे थे और संदिग्ध ढंग से देख रहे थे।

पीड़ित सूरज प्रसाद दास ने जोरापोखर में लिखित शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर छानबीन शुरू कर दी है। क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं से में दहशत का माहौल है।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

नगरनार (छत्तीसगढ़) (ससे): एनएमडीसी लिमिटेड (एनएसएल) ने अपनी मूल्य-श्रृंखला में परिचालन माइलस्टोन के एक असाधारण सेट के साथ नवंबर २०२५ का समापन किया। प्रक्रिया-स्थिरता में मजबूती, परिचालन उत्कृष्टता बढ़ती क्षमता उपयोग का प्रदर्शन करते हुए ने कई प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन किया है। नवंबर माह कच्चे माल की हैंडलिंग प्रणाली (आरएमएचएस) ने २१ नवंबर को सबसे अधिक यानी ६१६ वैगन की टिपलिंग के साथ रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल कीं। संयंत्र ५,१८,८८६ टन का अब तक का अधिक मासिक बेस मिक्स उत्पादन भी हासिल किया।

सिंटर संयंत्र में एनएसएल ने दिन और मासिक सिंटर उत्पादन के साथ अपनी विकास यात्रा जारी रखी, जो रेटेड क्षमता उपयोग के १०५ प्रतिशत से अधिक पर परिचालन करते हुए ३० नवंबर, २०२५ को दिन में १५,५९० टन और में ४,१४,२७१ टन तक पहुंच गया।

इसके अलावा ब्लास्ट फर्नेस ने २८ नवंबर को ११,३१५ टन के रिकॉर्ड हॉट उत्पादन, स्टील मेल्टिंग शॉप और थिन स्लैब कैंस्टर-हॉट स्ट्रिप मिल ने एनएसएल ने २,०३,३५६ टन का अपना सर्वाधिक मासिक एचआर कॉइल उत्पादन, २,०९,४४५ टन इस्पात उत्पादन और २,१५,०१० तरल इस्पात उत्पादन रिकार्ड किया।

जबकि एनएसएल ने ऑक्सीजन प्लांट में अनुकूलतंम प्रचालनों से अपनी लागत दक्षता को भी बेहतर और सिंगल प्लांट टर्नडाउन मोड में काम करके बिजली की लागत में लगभग १.९

स्कूल परिवार ने जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटे

कतरास (ससे): सेंट मेरी एकेडमी विद्यालय खरखरी मंगलवार को गरीब, लाचार और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से ठंड के मौसम को देखते यह सामाजिक पहल की गई। प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि बढ़ती ठंड को देखते हुए समिति ने निर्णय लिया था कि विद्यालय के में रहने वाले असहाय लोगों को चिन्हित कर उनके बीच कंबल बांटे जाएं। इसके लिए विद्यालय के दो शिक्षकों ने सूची तैयार की थी, आधार पर चिन्हित लोगों को कंबल प्रदान किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम विद्यालय प्रांगण में वितरण किया गया। मौके पर उप प्रधानाचार्य सुनील सिंह, बालमुकुंद अमरजीत कुमार, भोला नाथ चौधरी, सुमित आर्या, विक्की कुमार, सौरभ चटर्जी, अशोक कुमार, मुनमुन मित्रा, रामा मुखर्जी, सीमा कुमारी, बनानी बनर्जी, पिंकी सिंह, कोएना अंजली कुमारी, चिंकी कुमारी, देविका चटर्जी आदि उपस्थित थे।

सिंदरी विधायक ने बलियापुर कृषि फार्म का मुद्दा उठाया

बलियापुर (ससे): सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को बरसों से बंद पड़े बलियापुर स्थित धनबाद के जिला कृषि फार्म (बीज गुणन प्रक्षेत्र) मुद्दे को जोरदार ढंग उठाया तथा १०५ एकड़ भूमि में फैला बंद पड़े जिला कृषि फार्म बलियापुर की जमीन पर सरकार की ओर से राज्य का दूसरा सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग की। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान इस और आकृष्ट कराते हुए कहा कि सरकार किसानों को उन्नत खेती का दिलाने के लिए

बलियापुर के रैयतों से १०५ एकड़ भूमि अधिग्रहण किया गया था। लेकिन जिला कृषि फार्म बलियापुर कई दर्शकों से बंद पड़ा मालूम हो कि जिला कृषि फार्म की स्थापना के साथ-साथ यहां कृषि विद्यापीठ की स्थापना भी की गई जो स्थापना के कई साल बाद बंद हो गया। झारखंड गठन के बाद बंद कृषि विद्यापीठ के भवन को मॉडर्नाइज कर यहां जिला कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई जिला कृषि फार्म की जमीन खाली पड़े होने तथा किसी प्रकार का कार्य नहीं होने से कृषि के चारों ओर लगाए गई घेराबंदी भी हो गया है। इसके बाद कृषि फार्म की जमीन को रंगदार एवं भूमाफियाओं द्वारा कैंजाने मैं लगे हैं विधायक श्री महतो ने विधानसभा अध्यक्ष मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बंद पड़े कृषि फार्म की जमीन पर सरकारी कृषि विश्वविद्यालय करने की मांग किया है।

दून एक्सप्रेस 60 जीवित कछुआ बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

धनबाद (कासं): धनबाद रेलवे सुरक्षा बल ने कछुआ तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। रात योग नगरी षिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस (१३०१०) के जनरल कोच से ६० जीवित कछुओं की तस्करी हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त धनबाद के निर्देश पर की गई। मिले इनपुट के बाद आरपीएफ की टीम ने इस ट्रेन में मुखबिर तैनात कर दिनों से निगरानी कर रही थी। बीती रात गोमो स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद कोच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर उनके बैगों भारी मात्रा में कछुए बरामद किए गए। ट्रेन धनबाद पहुंचते ही प्लेटफॉर्म संख्या २ पर देर रात तस्करों को कछुओं के साथ उतार लिया। पूछताछ में पकड़े गए दोनों तस्करों ने अपना नाम व पता राम दास उर्फ प्रसाद दास (५० वर्ष), ग्राम आगरपाड़ा, जिला २४ परगना, पश्चिम तथा हिमांशु वैध (५८ वर्ष)ग्राम बसखारी, जिला अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश बताया। जांच में पाया गया कि इनके पास कछुओं से संबंधित कोई वैध नहीं था।

सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की कमी का मामला विधायक रागिनी ने सदन में उठाया

धनबाद (कासं): झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शीतकालीन सत्र के दौरान झरिया समेत धनबाद जिले के स्वास्थ्य चिकित्सा, अस्पतालों में मरीजों के संसाधनों में कमी व अस्पताल परिसर में गंदगी फैलने से मरीजों हो रही परेशानियों के मामले पर सरकार द्वारा दिए गए उत्तर पर असंतुष्टता जाहिर की है। उन्होंने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहां कि झरिया समेत धनबाद जिले व आसपास के कई जिलों से मरीजों का धनबाद के एस.एन. एम. एम. सी.एच अस्पताल में इलाज हेतु आना जाना है जिसमें किडनी समेत अन्य कई गंभीर इलाजों के लिए मरीज अस्पताल पहुंचते है। पर्याप्त डायलिसिस व्यवस्था की कमी से इलाज कराने में सक्षम नहीं हो पाते। वही टेस्ट व दवाईयां भी बाहर से उपलब्ध करानी पड़ती है। वही प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से लोगों का इलाज नहीं का भी मामला उठाया। जिसपर स्वास्थ्य

मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने उत्तर देते हुए मामले में अपना समर्थन देते हुए जिला के सदर व एसएनएमसीएच अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिले के अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था में संसाधनों की कमी है और उसे किए जाने की दिशा में वह प्रयासरत है। जल्द ही वहां के अस्पतालों को जरूरी उपकरणों समेत अन्य सुविधाओं से लैस किया जाएगा। वही अस्पताल परिसर में गंदगी से हो रही परेशानियों को लेकर अपनी चिंता जताते हुए अस्पताल प्रबंधन को कड़े निर्देश दिए जाने की बात कही ताकि व्यापक असर दिखे।

एचइसी को स्थायी रूप से बंद करने के पहल के विरोध में केंद्र सरकार का पुतला दहन

धनबाद (कासं) : उपरोक्त कार्यक्रम सीआईटीयू जिला कमिटी धनबाद के तत्वाधान में रंधीर वर्मा चौक पर केंद्र की मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया।

इससे पहले सीटू के नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार एचईसी लिमिटेड रांची जिसे एक मदर इंडस्ट्री माना जाता है बंद करने पर तुली हुई है। वह अपनी ही बने समिति की रिपोर्ट को अवहेलना कर रही है और भारतीय उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने की भारी क्षमता, जिसमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल है, नजर अंदाज करते हुए इसकी नवीनीकरण की नितांत आवश्यकता भी उपेक्षा कर रही है। केंद्र सरकार का स्पष्ट एजेंडा सिर्फ एचईसी लिमिटेड को बंद करना ही नहीं, बल्कि एचईसी लिमिटेड के अधीन विशाल संपत्ति को कॉरपोरेट्स के हाथों में सौंपना है।

केंद्र सरकार की इस नाकामी के बावजूद एचईसी लिमिटेड के बहादुर कर्मचारी कंपनी को बढ़ाने की पूरी कर रहे हैं, जबकि उन्हें दो साल से ज्यादा समय से सैलरी नहीं मिली है।

केंद्र सरकार के कॉर्पोरेटपरस्त नापाक प्रयास को उजागर करने और रोकने के लिए ट्रेड यूनियनों, इलाके के निवासियों और छोटे व्यापारियों व अन्य जनसंगठनों एक बड़ा संयुक्त संघर्ष की तैयारी कर रहा है।

सीआईटीयू इस संघर्ष में अपने सांगठनिक प्रतिबद्धता के साथ भाग लेगा तथा जनता एवं मातृ उद्योग के हितों की रक्षा के संघर्षों को हर संभव सहयोग देगा।

वक्ताओं में सीटू जिला महामंत्री राम कृष्णा पासवान, राज्य सचिव भारत भूषण व हरि प्रसाद पप्पू मुख्य थे।

जबकि अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष पाल ने किया।कार्यक्रम में बिहार के किसान नेता सच्चिदानंद ठाकुर के अलावा हेमंत मिश्रा, लीलामय गोस्वामी, अभिजीत हरि, राम बालक, विश्वजीत दा, बी डी गोस्वामी, आर पी महतो,विकास ठाकुर, सपन माजी, गौतम प्रसाद, जितेंद्र निषाद, अवधेश कुमार, राकेश कुमार, राहुल प्रसाद, भूषण महतो, भगवान दास पासवान, युवा नेता नौशाद तथा कई अन्य साथी मौजूद थे।

पहले गैस पर काबू पाएं, विस्थापन की बात बाद में : अनुपमा सिंह

केन्दुआ (ससे) : कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने सीएमडी से फोन पर केन्दुआडीह थाना अन्तर्गत गैस पीड़ित क्षेत्र में दौरा के दौरान कही।

धनबाद लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह गैस प्रभावित इलाके उन्होंने बीसीसीएल सीएमडी से फोन पर बात कर तत्काल समाधान और राहत कार्य तेज़ करने की बात कही। उन्होंने कहा यह सिर्फ गैस रिसाव नहीं, यह लोगों की जान से खिलवाड़ है। विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाई जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि डीजीएमएस के नियमों अनदेखी कर आउटसोर्सिंग कंपनी उत्खनन कर रहीं है। आये दिन दुर्घटना घटती रहतीं है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

मौके पर सतपाल सिंह ब्रोका, सौरभ पांडेय, गुरू खान, रामगोपाल भुवानिया, जयप्रकाश चौहान, अन्नु पासवान, दिपक सिंह, लक्ष्मण तिवारी, अक्टूबर प्रसाद, कृष्णा राउत, राजा चौरसिया, विशाल राउत, मनुव्वर हुसैन शामिल थे।

निचितपुर-मतारी रेल लाइन पर मिला युवक का शव, सनसनी

कतरास (ससे): निचितपुर-मतारी रेल के मध्य श्यामडीह मजार के आसपास एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। रेल लाइन पर मजदूरों ने तत्काल इसकी जीआरपी और कतरास पुलिस को दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और शव को कैंजे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद दिया। शव के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिलने से प्रारंभिक जांच में पुलिस को गड़बड़ हुई।

स्थानीय ग्रामीण शव की पहचान नहीं कर रहे थे। इसी बीच सब्जी बेचने वाली एक महिला ने शव देखकर इसकी

जानकारी बगल के गांव के लोगों को दी। इसके बाद मौके पहुँचे दो युवकों ने शव की पहचान कोड़ाडीह निवासी रितेश रजवार (२६ वर्ष) के रूप में की। मृतक पिता का नाम हुबलाल रजवार है।

रितेश के फुफेरा भाई कैंलाश रजवार ने बताया कि वह दैनिक मजदूरी करता था और साथ ही पढ़ाई भी जारी रखे हुए था। प्रतियोगी परीक्षाओं तैयारी में भी कुशल था। वह पांच भाइयों में सबसे छोटा था। रोजाना निचितपुर स्टेशन से ट्रेन मजदूरी के लिए जाता था। सुबह भी काम पर निकला था, लेकिन कुछ ही घंटे बाद उसकी मौत की खबर गांव तक पहुंच गई।

नीले रंग का पजामा और मेरुण रंग जैकेट पहने मृतक के चेहरे पर खून के निशान थे और एक पैर टूटा हुआ दिख था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पहुंचे और शव देखते ही बिलख-बिलख कर रोने लगे। घर में मातम का माहौल छा गया। घटना कैंसे हुई यह स्पष्ट नहीं हो पाया पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

महुदा इंटर कॉलेज में दो कर्मियों का आमरण अनशन शुरू

कतरास (ससे): महुदा इंटर महुदा से बर्खास्त किए गए कॉलेज कर्मी-प्राध्यापक सुरेश कुमार रजक द्वारपाल गौतम कुमार महतो-ने मंगलवार से कॉलेज के मुख्य द्वार पर आमरण अनशन शुरू दिया। दोनों कर्मियों का आरोप है कि कॉलेज का अनुदान बंद होने से उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिल रहा था। वेतन भुगतान मांग को लेकर जब वे कॉलेज के सचिव दीपनारायण से मिले, तो उन पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए पहले निलंबित किया गया बाद में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

अनशन पर बैठे प्रो. सुरेश कुमार रजक ने कहा कि शिक्षा विभाग से न्याय मिलने तक अनशन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज द्वेषपूर्ण रवैया अपनाकर उन्हें बाहर का रास्ता दिखा रहा है।

इस दौरान मौके पर पहुंचे छात्र भोला प्रमाणिक ने भी कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कॉलेज में अनियमितताओं का विरोध करने वाले कर्मियों को शासी निकाय बहकावे में आकर हटाया जा रहा है।

कॉलेज के सचिव दीपनारायण शर्मा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों कर्मी लगातार का अनुशासन भंग कर रहे थे। उनके व्यवहार की शिकायत शासी निकाय के अध्यक्ष एवं विधायक शत्रुघ्न महतो को भी दी गई थी। कई समझाने के बाद भी सुधार न पर शासी निकाय की बैठक में सेवा समाप्ति का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि दोनों कर्मियों को न्यायालय जाने का पूरा अधिकार है, और जो भी निर्णय होगा, कॉलेज प्रबंधन उसका पालन करेगा।

अनशन स्थल पर अधिवक्ता निर्मल कुमार रवानी, सांसद नरेश महतो, छात्र नेता भोला मनोज महतो, जेएमएम के पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार नापित, इसलाम अंसारी, मजीद अंसारी, गोकुल कुम्भकार, पी. के. वर्मा, सुनिता देवी भगवती देवी उपस्थित थे।

ग्रेटर नोएडा में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का पहला कैंपस होगा भारत

नई दिल्ली (ससे): ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने आज वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ उत्तर प्रदेश का पहला विदेशी यूनिवर्सिटी कैंपस नोएडा में स्थापित करने के लिए अपनी पार्टनरशिप को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के क्षेत्र को वैश्विक शिक्षा और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में आगे बढ़ाने के विजन के अनुरूप है। इस समझौते पर हस्ताक्षर नई दिल्ली के आईटीसी मौर्या में ऑस्ट्रेलिया सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और भारत के उच्च शिक्षा समुदाय के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में हुए।

प्रमुख उपस्थित लोगों में उत्तर प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास और निगम आलोक कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार एमपी अग्रवाल, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और वाइस प्रेसिडेंट प्रोफेसर जॉर्ज विलियम्स, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रोवोस्ट प्रोफेसर डेबोरा स्वेनी, डेलॉइट के निदेशक अरविंद गुप्ता और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के सीइओ सौम्या श्रीवास्तव शामिल थे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया सरकार के शिक्षा मंत्री मा० जेसन क्लेयर सांसद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी और वीएनएमकेवी, आईआईटी रोपड़ और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक नेता भी शामिल थे। यह पार्टनरशिप ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी परिसर के भीतर डब्ल्यूएसयू के नए कैंपस की स्थापना का समर्थन करती है और सस्टेनेबिलिटी, जल प्रबंधन, कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिजनेस इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में वैश्विक शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग-जुड़े शिक्षण तक पहुंच को मजबूत करेगी।

अपने चरणबद्ध लॉन्च के हिस्से के रूप में, यूनिवर्सिटी पहले साल में बिजनेस एनालिटिक्स, मार्केटिंग, डेटा साइंस, सस्टेनेबल वॉटर फ्यूचर्स और एग्रीकल्चर में प्रोग्राम पेश करने की योजना बना रही है, जिसके बाद दूसरे साल में इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में चइ-प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, उत्तर प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा, उत्तर प्रदेश शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों में तेजी से बढ़ रहा है, और इस तरह की पार्टनरशिप यह दिखाती हैं कि दुनिया अब हमारे राज्य के विकास एजेंडा पर कितना भरोसा करती है।

एक प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी का आना सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, यह हमारे युवाओं, खासकर लड़कियों के लिए अवसरों का एक नया क्षितिज खोलता है, जो असाधारण उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। यह कैंपस उन्हें उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेगा, जिन्हें राज्य के भीतर हासिल करना पहले मुश्किल था। जैसे-जैसे उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, इस तरह के सहयोग कुशल, भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे जो भारत की विकास गाथा में सार्थक योगदान देगी।

इस सहयोग पर विचार करते हुए, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास और निगम के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा यह सहयोग हमारे युवाओं की आकांक्षाओं और राज्य में उनके लिए उपलब्ध अवसरों के बीच के अंतर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश में देश की सबसे युवा आबादी में से एक है, और ग्रेटर नोएडा ने पहले ही खुद को प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और नवाचार के लिए एक संपन्न केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है। मुझे विश्वास है कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की उपस्थिति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और उभरते क्षेत्रों में वैश्विक विशेषज्ञता लाकर इस इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी।

यह रणनीतिक साझेदारी उच्च-गुणवत्ता वाले शैक्षणिक रास्ते और उद्योग-संरेखित कौशल बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है जो छात्रों को कल की अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करते हुए, ऑस्ट्रेलिया सरकार के शिक्षा मंत्री, मा० जेसन क्लेयर एमपी ने कहा यह साझेदारी शानदार तरीके से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच युवाओं को एक स्थायी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए ज़रूरी कौशल हासिल करने में मदद करने की साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख संस्थानों में से एक है, और भारत में इसकी उपस्थिति हमारे शैक्षिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुझे यह नया अध्याय शुरू होते देखकर गर्व हो रहा है, क्योंकि यह सिर्फ एक अकादमिक साझेदारी से कहीं ज़्यादा है, यह विश्वास, सम्मान और अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

नए कैंपस के लिए डब्ल्यूएसयू के विज़न को साझा करते हुए, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और वाइस प्रेसिडेंट, प्रोफेसर जॉर्ज विलियम्स ने कहा, ग्रेटर नोएडा हमारे पहले कैंपस के लिए भारत में स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरा क्योंकि यह वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के मिशन और विकास की महत्वाकांक्षाओं के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। इसके नियोजित इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर इसकी मज़बूत कनेक्टिविटी और बढ़ते इनोवेशन इकोसिस्टम तक, यह क्षेत्र उच्च-गुणवत्ता वाली वैश्विक शिक्षा के लिए आदर्श आधार प्रदान करता है।

हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में भारत की प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए सस्टेनेबिलिटी, जल प्रबंधन, कृषि, प्रौद्योगिकी और उद्योग-एकीकृत शिक्षा में गहरी विशेषज्ञता लाना है। हम एक ऐसा कैंपस बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो भारत और उसके बाहर के छात्रों के लिए विश्व स्तरीय कादमिक अनुभव, मज़बूत उद्योग साझेदारी और परिवर्तनकारी अवसर प्रदान करे।

अपने संबोधन में, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी की सीइओ , सौम्या श्रीवास्तव ने कहा, ग्रेटर नोएडा में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी को वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के लिए हमारे परिसर में लगभग चालीस हज़ार वर्ग फुट जगह आवंटित करते हुए खुशी हो रही है। यह साझेदारी वैश्विक संस्थानों और दूरदर्शी शैक्षिक पहल के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में ग्रेटर नोएडा की तेज़ी से बढ़ती प्रतिष्ठा की पुष्टि करती है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की उपस्थिति हमारे अकादमिक परिदृश्य को काफी समृद्ध करेगी। साथ ही, यह अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग एकीकरण में गहरे सहयोग के अवसर भी पैदा करेगा, जो एक विश्व स्तर पर जुड़े और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में ग्रेटर नोएडा की भूमिका को मज़बूत करेगा।

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की प्रोवोस्ट, प्रोफेसर डेबोरा स्वीनी ने सभी भागीदारों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए और नए कैंपस की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए समारोह का समापन किया जो भारत की अगली पीढ़ी के शिक्षार्थियों और नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाएगा। यह कार्यक्रम वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी और ग्रेटर नोएडा में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के बीच औपचारिक दस्तावेज़ों के आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुआ, जो शिक्षा, अनुसंधान और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स पर आधारित एक लंबे समय के सहयोग की शुरुआत है।

मानव तस्करी के दो दोषियों को उम्रकैद

वाराणसी,(ईएमएस): वाराणसी की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) ने बच्चे चुराकर राजस्थान और झारखंड में बेचने के मामले में दो युवकों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला साक्ष्य, गवाहों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर किया गया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत ने सोमवार को दोषी कुलदीप पासवान (झारखंड, कोडरमा निवासी), नंदलाल राम (पश्चिम बंगाल, २४ परगना निवासी) को आजीवन कारावास और १५,००० का जुर्माना प्रत्येक पर लगाया है।

२९ अप्रैल २०२३ की रात दो बजे राजघाट निवासी पिंकी का एक साल का बच्चा घर से चोरी हो गया। इसके बाद १९ जुलाई २०२३ को पुलिस ने कोडरमा से कमलेश पासवान को गिरफ्तार किया। कमलेश ने पूछताछ में बताया कि अनुराधा देवी (कोडरमा) ने उसके माध्यम से बच्चे को पश्चिम बंगाल के नंदलाल राम को बेचा।२० जुलाई २०२३ को पुलिस ने कुलदीप पासवान को लेकर नंदलाल राम के ठिकाने पर पहुंची, बच्चे को सकुशल बरामद किया और नंदलाल राम को गिरफ्तार किया। कोर्ट ने गवाह, साक्ष्य और पुलिस चार्जशीट के आधार पर दोनों को दोषी पाया। बच्चे को अगवा करने वाली कार भी बरामद कर जब्त की गई थी।

अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण आठ अन्य आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। उसमें जगबीर बरनवाल, संतोष साव, अनुराधा देवी, गुड़िया, संगीता देवी, मनीष जैन, संतोष गुप्ता, शिखा देवी का नाम शामिल है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह बच्चों की चोरी करके दलालों के माध्यम से राजस्थान, झारखंड और बिहार में निसंतान दंपती या जरूरतमंद लोगों को दो से पांच लाख रुपये में बेच देता था। इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

यूपी में घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन शुरु

लखनऊ,(ईएमएस): देश के सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश में एसआईआर की कवायद के साथ फिर घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने की कवायद तेज हो गई है। प्रयागराज नगर निगम में काम करने वाले कर्मचारियों के बाद अब लखनऊ में भी अवैध बांग्लादेशियों को चिन्हित कर बाहर किया जा रहा है। यूपी एटीएस ने प्रयागराज के बाद अब लखनऊ नगर निगम में भी कूड़ा प्रबंधन के काम में लगे शहर भर के मजदूरों का लखनऊ नगर निगम से ब्यौरा मांग लिया है। एटीएस ने कार्यदायी संस्था के ठेकेदारों से सफाई श्रमिकों की प्रमाणित सूची जिसमें निवास स्थान, पहचान प्रमाण पत्र और मोबाइल नंबर मांगा।

मुख्यमंत्री योगी ने साफ कहा कि एसआईआर सर्वे गहनता से किया जाए घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करे। डिटेंशन सेंटर बनाए जाने की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके बाद इलाहाबाद, लखनऊ, कानपुर, मेरठ जैसे बड़े शहरों में नगर निगम के कचरा प्रबंधन और सफाई के काम में लगे सफाई कर्मियों का ब्यौरा अब यूपी एटीएस भी जुटा रही है। यूपी एटीएस बड़े शहरों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्यायों की मौजूदगी की जांच कर रही है। यूपी एटीएस ने प्रयागराज के बाद अब लखनऊ नगर निगम से भी शहर के कचरा प्रबंधन व सफाई कार्य में जुटे मजदूरों का ब्यौरा मांगा है। यूपी एटीएस को इनपुट मिले हैं कि लखनऊ नगर निगम में भी शहर के कचरा प्रबंधन व सफाई के काम में अधिकतर बांग्लादेशी व रोहिंग्या लगे हुए हैं। नगर निगम या प्रशासन के अफ़सर जब किसी संदिग्ध से पूछताछ करते हैं, तब वह आधार कार्ड से खुद को असम का बताते हैं।

न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, गिरिडीह

धारा–163 BNSS के अन्तर्गत निषेधाज्ञा आदेश

आदेश वाद सं0–585/न्या0, 2025

अंचल अधिकारी, गाण्डेय के पत्रांक 721, दिनांक 04.12.2025 से प्राप्त सूचनानुसार गाण्डेय अंचल अंतर्गत मौजा मोहनडीह, थाना नं0 470, खाता नं0 37, प्लॉट नं0-418 है। उक्त खाता एवं प्लॉट पर कर्मचारी भवन एवं अन्य सरकारी भवन निर्मित है, जो चाहरदिवारी के अन्दर है। जिसमें स्थानीय व्यक्ति श्री रवि वर्मा वगैरह के द्वारा चाहरदिवारी के अन्दर घुसकर शेष परती भूमि पर क जा करने का प्रयास कर रहा है, जिसको लेकर शांति-व्यवस्था विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। किसी प्रकार का विवाद एवं विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो के निमित BNSS की धारा 163 लागू किया जाना आवश्यक है।

उपर्युक्त प्रतिवेदन से स्पष्ट है कि गाण्डेय अंचल अंतर्गत मौजा मोहनडीह, थाना नं0 470, खाता नं0 37, प्लॉट नं0-418 पर विधि-व्यवस्था एवं शांति-व्यवस्था भंग होने की समस्या उत्पन्न होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

चूँकि सरकारी भूमि का क जा से रोकने हेतु निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है। अत: उपर्युक्त स्थिति से संतुष्ट होते हुए मौजा मोहनडीह, थाना नं0 470, खाता नं0 37, प्लॉट नं0-418 की विवादित जमीन पर धारा-163 BNSS के अंतर्गत निषेधाज्ञा जारी करता हूँ तथा विवादित जमीन पर किसी प्रकार के निर्माण कार्य पर पूर्णत: रोक लगाया जाता है।

यह आदेश आज दिनांक-06.12.2025 के अपराह्न से अगले आदेश तक विवादित स्थल पर लागू रहेगा।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है। इसे सख्त ताकिद जानें।

अनुमंडल दण्डाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 368074 (Giridih) 25-26 (D)

कार्यालय नगर निगम गिरिडीह

ई0निविदा आमंत्रण सूचना

1. विज्ञापनदाता का नाम : प्रशासक, गिरिडीह नगर निगम।
2. वेबसाईट पर निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.12.2025 को पू0 11:00 बजे से।
3. वेबसाईट पर निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 02.01.2026 को अ0 02:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं संमय : दिनांक 03.01.2026 को अ0 03:00 बजे गिरिडीह नगर निगम।
5. निविदा आपलोड करने का वेबसाईट : www.Jharkhandtenders.gov.in
6. कार्य की विरणी:–

निविदा सं0	योजना का नाम	निविदा की राशि	अग्रधन की राशि 2 प्रतिशत	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति अवधि
1	2	3	4	5	6
UDD/GMC/XXVII/01/2025-26	हुट्टी बाजार पानी टंकी के पास दुकान निर्माण।('A')	23,94,200.00	47,884.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/02/2025-26	हुट्टी बाजार पानी टंकी के पास दुकान निर्माण।('B')	24,20,500.00	48,410.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/03/2025-26	बस स्टैण्ड डेली मार्केट के पास में वेंडींग जोन का निर्माण।	24,20,500.00	48,410.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/04/2025-26	वार्ड नं0 23 में कोलडीहा 20 खटाल से बदगद पेड़ तक नाली निर्माण।	24,82,632.00	49,653.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/05/2025-26	वार्ड नं0 14 मेट्रोस मोड़ से छठ घाट तक पी0सी0सी0 निर्माण।	23,75,194.00	47,504.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/06/2025-26	वार्ड नं0 20 टोला बक्सीडीह राजकुमार राम के घर से नेमीचंद दास के घर होते हुए टेकन दास के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	16,80,045.00	33,601.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/07/2025-26	वार्ड नं0 11 सिहोडीह कविता वैकवेन्ट हॉल के सामने बंधु महतो के घर से गोविन्द तुरी के घर होते हुए रेलवे लाईन से पहले नाली निर्माण।	2407618.00	48,152.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/08/2025-26	वार्ड नं0 12 में गाण्डेय मेन रोड से भाया संजय राम के घर से काली मंडा तक पी0सी0सी0 निर्माण।	19,54,400.00	39,088.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/09/2025-26	वार्ड नं0 12 में ब्लॉक कैम्पस सिरसिया में अर्बन हैल्थ वेलनेश सेंटर का जीर्णोद्धार कार्य	11,12,572.00	22,251.00	5,000.00	90 दिन
UDD/GMC/XXVII/10/2025-26	वार्ड नं0 12 बेंगाबाद मेन रोड शिव जी यादव भाया तेजो मांझी, पाण्डेय जी, ठाकुर जी, उमेश वर्मा, आदिवासी जी के घर से सोतिया नाला तक पी0सी0सी0 निर्माण।	19,41,466.00	38,829.00	5,000.00	90 दिन

(नोट:– केवल ई–निविदा स्वीकृत होगा। अन्य सूचनाएँ वेवसाईट http:WWW.Jharkhandtenders.gov.in/ नगर निगम गिरिडीह के सूचना पट पर देखा जा सकता है।)

प्रशासक,
गिरिडीह नगर निगम

PR 368104 Urban Development(25-26).D

जिला दण्डाधिकारी –सह– उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा (समाज कल्याण शाखा)

(अति अल्पकालीन निविदा)

निदेशक, समाज कल्याण, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक– 2116/स0क0, जामताड़ा, दिनांक– 11.08.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संचालित आंगनबाड़ी सेवाएँ योजनांतर्गत केन्द्र भवन निर्माण/रख–रखाव/उन्नयन संबंधी योजना हेतु सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका निर्माण के लिए आवंटन प्राप्त है। उक्त प्राप्त आवंटन से जामताड़ा जिला के कुल– 193 सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका का निर्माण किया जाना है, जिसकी विवरणी निम्नप्रकार है–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों की सं0
1	फतेहपुर	29
2	जामताड़ा	51
3	करमाटॉड़	25
4	कुण्डहित	24
5	नाला	34
6	नारायणपुर	30
	कुल–	193

जामताड़ा जिला के 193 सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका का निर्माण हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा की महत्त्वपूर्ण विवरणी :–

क्र0सं0	विवरणी	
01	निविदा समर्पित करने का स्थान:–	जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा
02	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–.17/12/2025 समय– ..01:00 P.M
03	निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान:–	दिनांक:–.17/12/2025 को 03:00 P.M समाहरणालय सभागार, जामताड़ा।

1 कार्य का नाम– जामताड़ा जिलांतर्गत कुल– 193 सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका का निर्माण।
1. प्राक्कलित राशि– प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र 10000.00 (दस हजार) रू0 अधिकतम
3. कार्य की विवरणी–
   1. सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र भवन के सामने खाली जमीन पर पोषण वाटिका का निर्माण किया जाना है।
   2. सक्षम आंगनबाड़ी में बॉस का बेड़ा (घेरा) लगाना। (वर्ग फीट के अनुसार)
   3. लगाये गये बॉस का बेड़ा को हरे रंग के नेट (जाल) से घेरा किया जाना है।
   4. बॉस के बेड़ा के अंदर पोषक तत्व वाले पौधा (जैसे– ऑवला, अमरूद्ध, नीबू, पपीता, मौसमी, तुलसी आदि) का पौधा लगाया जाना है।
   5. हरी मौसमी सब्जी जैसे– मैथी, चौलाई, धनिया, पालक एवं सहजन का पौधा लगाया जाना है। कन्दमूल बाली सब्जियाँ जैसे– आलू, शकरकन्द, शलजम, गाजर, आदि का पौधा लगाया जाना है।
   6. पोषण वाटिका के सिचाई हेतु प्लास्टिक पाईप लंबाई 25 फीट, मोटाई 1.5 इंच
   7. प्लास्टिक बाल्टी एवं मग (प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र एक–एक)
   8. जैविक खाद (प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र 05 किलो)
4. कार्य निर्माण हेतु समय– अधिकतम 01 महिना।
5. जामताड़ा जिलांतर्गत कुल– 193 सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका का निर्माण हेतु निम्नांकित नियम एवं शर्तें प्रकाशित की जाती है।
6. तकनीकि बीड की नियम एवं शर्ते
   1. निविदादाता को अपने प्रतिष्ठान/ एजेन्सी का निबंधन GST स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति। (झारखण्ड राज्य का)
   2. निविदादाता को जून 2025 का GSTR-3B एवं वित्तीय वर्ष (2022–23)(2023–24) (2024–25) का GSTR-9 संलग्न करना अनिवार्य होगा।
   3. उपायुक्त से निर्गत चरित्र प्रमाणपत्र की अद्यतन स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
   4. निविदादाता को कृषि विभाग अंतर्गत संवेदक होने का प्रमाणपत्र देना होगा, समुचित श्रेणी (50 लाख तक) का।
   5. अग्रधन राशि (EMD) के रूप में 5% की राशि अर्थात रू0 95000/– (पचानबे हजार) रूपये मात्र का किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी Demand Draft जो कि जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जामताड़ा के पदनाम से जमा करना होगा, इस राशि पर ब्याज देय नहीं होगा।
   6. विगत तीन Financial Year (2022–23)(2023–24) (2024–25) का आयकर रिटर्न की स्वअभिप्रमाणित एवं लगातार विगत तीन Financial Year का C.A.द्वारा अभिप्रमाणित अंकेक्षण रिपोर्ट संलग्न करना होगा जिसमें UDIN नं0 दर्ज हो।
   7. निविदादाता को आधार कार्ड एवं पैनकार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
   8. प्रस्तावको को निविदा के साथ, कार्यादेश निर्गत तिथि से 01 महिने के अन्दर जामताड़ा जिलांतर्गत कुल– 193 सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोशण वाटिका का निर्माण संबंधी स्वघोषणा–पत्र संलग्न करना होगा।
   9. फर्म/प्रतिष्ठान के काली सूची में दर्ज नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (न्यूनतम 100 रूपये के नोटरी पब्लिक द्वारा सत्यापित नन जूडिशियल स्टाम्प पेपर पर) संलग्न करना होगा।
   10. निविदा हेतु वांछित कागजातों का Abstract Index के साथ पृष्ठ संख्या अंकित करते हुए बंद लिफाफे में तकनीकी बीड जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा किसी भी स्थिति में तकनीकी बीड स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के अवांछित कागजातों को जमा करने पर निविदा निस्तार समिति द्वारा आपके द्वारा समर्पित निविदा को रद्द करने पर विचार किया जा सकता है।

7. वित्तीय बीड :–
(I) तकनीकी बीड में सफल घोषित निविदादाता का ही वित्तीय बीड खोला जायेगा।
(II) निविदा निस्तारण समिति के पास निविदादाताओं से दर वार्ता का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

8. मूल्याँकन एवं चयन प्रक्रिया :–
(I) निविदा के जवाबों के मूल्यांकन में समिति का निर्णय अंतिम होगा तथा इस निमित किसी प्रकार का पत्राचार/वाद दायर नहीं किया जा सकेगा।
(II) कंडिका–3 में दिये गये कार्यो को न्यूनतम दर पर करने वाले निविदादाता को L1 घोषित किया जायेगा एवं उक्त संस्था के नाम से कार्यादेश निर्गत किया जायेगा।
(III) निविदादाता द्वारा तकनीकी बीड में संलग्न किये गये Audited Financial Statement & Audit's Report के आधार पर निविदादाता के नेटवर्थ का भी मूल्यांकन किया जायेगा।
(IV) निविदा निस्तारण समिति के पास प्राप्त प्रस्ताव के किसी भी भाग या सम्पूर्ण भाग को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा निस्तारण समिति को एक या एक से अधिक निविदादाता को न्यूनतम दर पर आपूर्ति आदेश देने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी निविदा को आंशिक एवं पूर्ण रूप से स्वीकार करने, रदद् करने या संशोधित करने का अधिकार उपायुक्त, जामताड़ा के पास सुरक्षित होगा। निविदा की राशि एवं सामग्री की मात्रा बढ़ या घट सकती है।

9. भुगतान के नियम व शर्ते :–
(I) सफल निविदादाता को कार्यादेश के साथ किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान नहीं किया जायेगा।
(II) निविदादाता को प्राक्कलित राशि के अलावे अलग से कोई भी अन्य व्यय देय नहीं होगा।

10. भुगतान के अन्य महत्वपूर्ण शर्ते :–
(I) सफल निविदादाता द्वारा निविदा शर्तों के उल्लंघन की स्थिति (यथा गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं निर्धारित समय सीमा) में अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा अग्रेतर विधि सम्मत् कार्रवाई की जायेगी।
(II) जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
(III) चयन प्रक्रिया के निर्णय पर किसी प्रकार का वाद दायर नहीं किया जा सकेगा। परियोजना क्रियान्वयन के दौरान सभी प्रकार के विधि सम्मत विवादों के निपटारा हेतु एक मात्र न्यायाधिकार क्षेत्र जिला एवं सत्र न्यायालय, जामताड़ा होगा।

उपायुक्त,
जामताड़ा।

PR 368126 (Jamtara) 25-26 (D)

लजिला दण्डाधिकारी -सह- उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा (समाज कल्याण शाखा)

(अति अल्पकालीन निविदा)

निदेशक, समाज कल्याण, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक– 1917/स0क0, जामताड़ा, दिनांक– 17.07.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोशण 2.0 के तहत संचालित आंगनबाड़ी सेवाएँ योजनांतर्गत केन्द्र भवन निर्माण/रख–रखाव/उन्नयन संबंधी स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत अनुरक्षण मरम्मति एवं सुसज्जीकरण (सामग्री) अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण हेतु आवंटन प्राप्त है। उक्त प्राप्त आवंटन से जामाताड़ा जिला के 121 सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण कराया जाना है, जिसकी विवरणी निम्नप्रकार है–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	शौचालय निर्माण हेतु आवंटित सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों की सं0
1	2	3
1	फतेहपुर	06
2	जामताड़ा	11
3	करमाटॉड़	23
4	कुण्डहित	38
5	नाला	08
6	नारायणपुर	35
	कुल–	121

जामताड़ा जिला के 121 सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा की महत्त्वपूर्ण विवरणी :–

क्र0सं0	विवरणी	
01	निविदा समर्पित करने का स्थान :–	जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा
02	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–.17/12/2025 समय.– 01:00 P.M
03	निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :–	दिनांक:–17/12/2025 को 03;00 P.M समाहरणालय सभागार, जामताड़ा।

2. शौचालय निर्माण हेतु प्राक्कलन निम्नप्रकार है–
(I) कार्य का नाम– सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण कार्य
(II) प्राक्कलित राशि– अनुमानित लागत 35409.00 रू0 (ढुलाई 5%, GST 18% और 1% श्रम लागत सहित) प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र
(III) कार्य पूर्णता हेतु समय– कार्यादेश निर्गत तिथि से 01 महिना
आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण हेतु निम्नांकित नियम एवं शर्तें प्रकाशित की जाती है।

3. तकनीकि बीड की नियम एवं शर्ते
1. का निबंधन GST स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति। (झारखण्ड राज्य का)
2. निविदादाता को जून 2025 का GSTR -3B एवं वित्तीय वर्श (2022–23)(2023–24) (2024–25) का GSTR-9 संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. उपायुक्त से निर्गत चरित्र प्रमाणपत्र की अद्यतन स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
4. निविदादाता को भवन निर्माण विभाग अंतर्गत संवेदक होने का प्रमाणपत्र देना होगा, समुचित श्रेणी (50 लाख तक) का।
5. अग्रधन राशि (EMD) के रूप में 2% की राशि अर्थात रू0 85690/– (पचासी हजार छह सौ नब्बे) रूपये मात्र का किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी Demand Draft जो कि जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जामताड़ा के पदनाम से जमा करना होगा, इस राशि पर ब्याज देय नहीं होगा।
6. विगत तीन Financial Year (2022–23)(2023–24) (2024–25) का आयकर रिटर्न की स्वअभिप्रमाणित एवं लगातार विगत तीन Financial Year का C.A.द्वारा अभिप्रमाणित अंकेक्षण रिपोर्ट संलग्न करना होगा जिसमें UDIN नं0 दर्ज हो।
7. निविदादाता को आधार कार्ड एवं पैनकार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8. प्रस्तावको को निविदा के साथ, कार्यादेश निर्गत तिथि से 01 महिने के अन्दर आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचायल निर्माण संबंधी स्वघोषणा–पत्र संलग्न करना होगा।
9. फर्म/प्रतिष्ठान के काली सूची में दर्ज नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (न्यूनतम 100 रूपये के नोटरी पब्लिक द्वारा सत्यापित नन जूडिशियल स्टाम्प पेपर पर) संलग्न करना होगा।
10. निविदा हेतु वांछित कागजातों का Abstract Index के साथ पृष्ठ संख्या अंकित करते हुए बंद लिफाफे में तकनीकी बीड जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा किसी भी स्थिति में तकनीकी बीड स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के अवांछित कागजातों को जमा करने पर निविदा निस्तार समिति द्वारा आपके द्वारा समर्पित निविदा को रद्द करने पर विचार किया जा सकता है।

4. वित्तीय बीड :–
(I) तकनीकी बीड में सफल घोषित निविदादाता का ही वित्तीय बीड खोला जायेगा।
(II) निविदा निस्तारण समिति के पास निविदादाताओं से दर वार्ता का अधिकार सुरक्षित रहेगा

5. मूल्याँकन एवं चयन प्रक्रिया :–
(i) निविदा के जवाबों के मूल्यांकन में समिति का निर्णय अंतिम होगा तथा इस निमित किसी प्रकार का पत्राचार/वाद दायर नहीं किया जा सकेगा।
(ii) निविदादाता द्वारा तकनीकी बीड में संलग्न किये गये Audited Financial Statement & Audit's Report के आधार पर निविदादाता के नेटवर्थ का भी मूल्यांकन किया जायेगा।
(iii) निविदा निस्तारण समिति के पास प्राप्त प्रस्ताव के किसी भी भाग या सम्पूर्ण भाग को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा निस्तारण समिति को एक या एक से अधिक निविदादाता को न्यूनतम दर पर आपूर्ति आदेश देने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी निविदा को आंशिक एवं पूर्ण रूप से स्वीकार करने, रदद् करने या संशोधित करने का अधिकार उपायुक्त, जामताड़ा के पास सुरक्षित होगा। निविदा की राशि एवं सामग्री की मात्रा बढ़ या घट सकती है।

6. भुगतान के नियम व शर्ते :–
i- सफल निविदादाता को कार्यादेश के साथ किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान नहीं किया जायेगा।
II- निविदादाता को प्राक्कलित राशि के अलावे अलग से कोई भी अन्य व्यय देय नहीं होगा।

7. भुगतान के अन्य महत्वपूर्ण शर्ते :–
(i) सफल निविदादाता द्वारा निविदा शर्तों के उल्लंघन की स्थिति (यथा गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं निर्धारित समय सीना) में अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा अग्रेतर विधि सम्मत् कार्रवाई की जायेगी।
(ii) जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
(iii) चयन प्रक्रिया के निर्णय पर किसी प्रकार का वाद दायर नहीं किया जा सकेगा। परियोजना क्रियान्वयन के दौरान सभी प्रकार के विधि सम्मत विवादों के निपटारा हेतु एक मात्र न्यायाधिकार क्षेत्र जिला एवं सत्र न्यायालय, जामताड़ा होगा।

उपायुक्त,
जामताड़ा

PR 368128 Jamtara (25-26)_D

सीएम नीतीश से मिले एआईएमआईएम के विधायक

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में मंगलवार को बड़ी राजनीतिक हलचल देखने को मिली, जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम के विधायकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. एआईएमआईएम विधायक दल के नेता अख्तरुल ईमान अपने विधायकों का नेतृत्व कर रहे थे.

इस दौरान -एआईएमआईएम विधायक मुर्शीद आलम ने कहा, जोकीहाट विधानसभा क्षेत्र में कोई भी डिग्री कॉलेज नहीं था. आज मैंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से क्षेत्र में ३ डिग्री कॉलेज खोलने की मांग की. एक पलासी में, दो जोकीहाट विधानसभा में होना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि हमारे यहां जोकी प्रखंड २६ पंचायत एक नगर पंचायत का प्रखंड है. वहां पर मैंने एक अतिरिक्त प्रखंड की मांग की है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी से हमारी मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई. मेरे सामने ही मुख्यमंत्री जी ने अपने सचिव को आदेश दिया है कि इन मामलों को गंभीरता से देखिए. उन्होंने यह भी कहा कि हम अलग चुनाव लड़े. कभी जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ भी बोलेंगे, लेकिन इस बात को भी हम कभी भुला नहीं सकते हैं कि हमारे वह राजनीतिक गुरु रहे हैं. इस बात को कभी हम भुला ही नहीं सकते हैं.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा, चर्चा है कि नीतीश कुमार अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं. वे जेडीयू को बीजेपी से बड़ी पार्टी बनाना चाहते हैं. मुख्यमंत्री इस बात को स्पष्ट करें या बीजेपी स्पष्ट करे. बीजेपी और जेडीयू के बीच बड़ी पार्टी बनने की कोशिश चल रही है. इसका मतलब यह नहीं होना चाहिए कि छोटी-छोटी पार्टियों के विधायकों में तोड़फोड़ किया जाए.

राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा, जिस तरह से तोड़फोड़ करके जदयू आगे बढ़ना चाहती है, यह उनका मामला है. अब वह किसी को जोड़ना चाहते हैं तो किसी को तोड़ना चाहते हैं. राष्ट्रीय जनता दल तोड़फोड़ में विश्वास नहीं रखता है.

किसान को हाथी ने कुचलकर मार डाला

लखीमपुर खीरी (ईएमएस): यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के मझगईं वन रेंज के चौखड़ा फार्म में सोमवार रात १० बजे के करीब दुधवा के जंगल से निकलकर आए हाथियों का झुंड कस्बा निवासी समीर पांडे के खेत में घुस आया।

वहां फसल की रखवाली कर रहे भगवंतनगर गुलरा निवासी किसान राम बहादुर (५५) पर एक हाथी ने हमला कर दिया और पैरों से कुचलकर उन्हें मार डाला। मौके पर मौजूद अन्य किसानों ने भागकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के मुताबिक किसान राम बहादुर बीती रात गन्ने की फसल की रखवाली कर रहे थे। तभी हाथियों का झुंड वहां पहुंच गया।

निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल का जायजा लेने पहुंचे सीएम नीतीश

हाजीपुर,(ईएमएस): बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह बिदुपुर में निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल का मंगलवार सुबह जायजा लेने पहुंचे।

इस दौरान नीतीश कुमार ने मंत्री विजय चौधरी एवं आला अधिकारियों के साथ पुल के पाया नंबर ५१ के निकट पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद विभाग के अधिकारी और पुल निर्माण कंपनी के अधिकारियों से निर्माण से संबंधित जानकारी ली। उसके बाद सीएम नीतीश पटना के लिए रवाना हो गए|जानकारी के मुताबिक नीतीश कुमार ने पुल निर्माण करने वाली एजेंसी के अधिकारियों को जल्द से जल्द विदुपुर तक सिक्स लेन पुल चालू करने का निर्देश दिया। फिलहाल कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल को राघोपुर तक चालू कर दिया गया है। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मार्च २०२६ में तक बिदुपुर तक पुल शुरू होने की उम्मीद है।

बता दें सीएम नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल के प्रथम चरण में एनएच-३१ से राघोपुर तक ४.५७ किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद राघोपुर के लोगों के लिए पटना आना-जाना और पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया। पुल के चालू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला एक मजबूत वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध हो गया।

पूर्णिया में खुलेगा आतंकवाद निरोधी दस्ता का सेंटर

पटना (एजेंसी): बिहार के सीमांचल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है. नेपाल, बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल की खुली सीमाओं से सटे होने के कारण इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए, पूर्णिया में आतंकवाद निरोधी दस्ता का एक विशेष सेंटर खोला जाएगा. राज्य पुलिस मुख्यालय ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है और लक्ष्य रखा गया है कि २०२६ के शुरुआती तीन महीनों में इस सेंटर को हर हाल में शुरू कर दिया जाए. पूर्णिया में एयरपोर्ट और गैस रिफिलिंग प्लांट खुलने के कारण भी इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही थी. यह सेंटर राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों (रॉ और आईबी) के साथ मिलकर काम करेगा.

पूर्णिया के डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने इस बारे में बताया कि नेपाल और बंगालादेश से सटे होने के कारण यह इलाका काफी संवेदनशील है. ऐसे में एटीएस कार्यालय का खुलना काफी जरूरी है. इससे पुलिस बल को भी ताकत मिलेगी और बड़े आतंकवादी घटना में त्वरित कार्रवाई भी हो सकेगा. उन्होंने कहा कि अब तक बड़ी घटना में टीम को पटना से मूव करना पड़ता था, जिसमें ७ से ८ घंटे का समय लग जाता था मगर पूर्णिया में सेंटर खुलने से महज घंटे भर के अंदर बल कार्यस्थल पर पहुंच कर आपरेशन को अंजाम दे पाएगी. एटीएस के गठन होने से इस इलाके के लोगों को काफी फायदा होगा.

आतंकवाद निरोधी दस्ता एक स्पेशल पुलिस यूनिट है, जो आतंकवाद और इससे संबंधित गतिविधियों की रोकथाम, इसकी जांच और उससे निपटने की रणनीति बनाती है. इसका मुख्य काम खुफिया जानकारी जुटाना, आतंकवादियों को दबोचना, आतंकी हमलों को रोकना और आम जनता को सुरक्षित रखना है. आतंकवाद निरोधी दस्ते को विशेष ट्रेनिंग दी जाती है और इन्हें अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया जाता है. आतंकवाद को लेकर आतंकवाद निरोधी दस्ता एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी के साथ मिलकर काम करती है.

कांग्रेस पार्टी को बाबा साहब का श्राप लगा : सांसद

जमुई (ससे): जमुई के सांसद अरुण भारती ने कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है. उनका कहना है कि पार्टी पर मानो बाबा साहब का श्राप लग गया है. उनके मुताबिक उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी कांग्रेस की हालत इतनी कमजोर हो गई है कि वह सिंगल डिजिट में सिमट गई. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह गिरावट नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से चुनावी व्यवहार और राजनीतिक फैसलों ने पार्टी को इस स्थिति तक पहुंचाया है.

अरुण भारती ने १९६० से १९९० के बीच बिहार की चुनावी व्यवस्था को भी कठघरे में रखा. उन्होंने कहा कि उन दिनों बूथ कैप्चरिंग किसी अपवाद की बजाय आम तरीका बन गया था. उनके अनुसार, वोटर की पहचान से ज्यादा अपराधियों की पहचान मायने रखती थी. उन्होंने बताया कि उस दौर में चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया कम और ताकत प्रदर्शन ज्यादा बन जाते थे.

सांसद ने १९७५ में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द करने के फैसले का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि इसके बाद कांग्रेस ने लोकतंत्र को पीछे धकेलने वाले कदम उठाए, जिसका असर आज भी दिखाई देता है.अरुण भारती ने बताया कि वे १९९० के उस दौर के प्रत्यक्ष गवाह हैं, जब बिहार में बैलेट की जगह बुलेट से नेताओं की किस्मत तय होती थी. उन्होंने कहा कि चाहे बूथ लूटना हो, बैलेट बक्सा ले भागना हो या और कोई तरीका अपनाना हो, चुनाव में यह सब आम बात था. उन्होंने कहा कि २००४ में ईवीएम के इस्तेमाल के बाद से कांग्रेस हर हार का ठीकरा ईवीएम पर ही फोड़ती रही है. उनके शब्दों में, अगर राजनीति को घर बैठे चलाया जाएगा तो नतीजे इसी तरह निराशाजनक मिलेंगे. उन्होंने तंज करते हुए कहा कि अब तो बिहार में कांग्रेसी भी कहते नजर आ रहे हैं, फटा पोस्टर निकला जीरो.

विपक्ष द्वारा एसआईआर को दोषी ठहराने पर उन्होंने कहा कि एसआईआर सिर्फ वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने की प्रक्रिया है. यह तीन महीनों का विस्तृत काम होता है, जिसमें नियमों का ठीक तरीके से पालन किया जाता है. उनके अनुसार, समस्या प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उन लोगों की शिकायतों में है जो इसे समझे बिना आरोप लगा रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में नेता प्रतिपक्ष के दो अलग-अलग वोटर आईडी कार्ड मिलने के मामले में चुनाव आयोग ने पूरी सच्चाई सामने रख दी थी.

पटना एयरपोर्ट पर 24 उड़ानें अचानक रद्द

पटना,(ईएमएस): पटना एयरपोर्ट पर सोमवार का दिन यात्रियों के लिए परेशानी भरा रहा। इंडिगो की एक-दो नहीं, बल्कि कुल २४ उड़ानों को अचानक रद्द कर दिया गया। पिछले कई दिनों से जारी फ्लाइट रद्द होने की समस्या चरम पर पहुंच गई और इसका सीधा असर हजारों यात्रियों पर पड़ा।

इंडिगो ने फिर वही पुराना कारण ऑपरेशनल इश्यू बताकर कैंसिलेशन की पुष्टि कर दी, लेकिन यात्रियों को इससे होने वाली भारी परेशानी का कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। सबसे ज्यादा प्रभावित हैदराबाद और दिल्ली रूट रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रद्द की गई २४ उड़ानों में १० इनबाउंड और १४ आउटबाउंड शामिल थीं। दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता से आने-जाने वाली इन उड़ानों पर निर्भर लोग सुबह से काउंटरों पर लाइन में लगे रहे। कई यात्रियों ने ३-४ घंटे तक इंतजार के बाद कैंसिलेशन की जानकारी मिलने पर नाराजगी जताई। दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता से पटना आने वाली दस फ्लाइटें पूरे दिन रद्द रहीं। इनमें दिल्ली रूट से तीन उड़ानें और हैदराबाद से चार उड़ानें सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक दिक्कत उन यात्रियों को हुई जिनकी दिल्ली या हैदराबाद से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें थीं। अचानक कैंसिलेशन के कारण कई लोगों की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई। विदेश में पढ़ने वाले छात्रों, कामकाजी लोगों और मरीजों को भारी मानसिक दबाव झेलना पड़ा। दूसरी एयरलाइंस में तत्काल टिकट दोगुनी-तिगुनी कीमत पर मिल रहे हैं। सरकार द्वारा हवाई किराया नियंत्रित करने के निर्देश जारी किए जाने के बावजूद कीमतों में कोई खास राहत नहीं दिखाई दे रही है। कई परिवारों ने होटलों का खर्च उठाया, क्योंकि अगली उड़ानें अगले दिन या उससे भी आगे की उपलब्ध थीं।

पटना एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल पर सुबह ६ बजे से ही लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। बुजुर्ग और महिलाएँ घंटों इंतजार में परेशान रहीं। कई लोग तो इस उम्मीद में बैठे रहे कि शायद उड़ान पुनः बहाल हो जाए, पर ऐसा नहीं हुआ। इंडिगो ने एक संक्षिप्त नोट जारी कर कहा कि ऑपरेशनल कारणों से उड़ानें रद्द की गई हैं और यात्रियों को रिफंड, री-बुकिंग या क्रेडिट शेल की सुविधा दी जा रही है। पटना से बड़े रूटों पर लगातार उड़ानों का रद्द होना इस बात का संकेत है कि यदि व्यवस्था नहीं सुधरी, तो आने वाले दिनों में यात्रियों की परेशानी और बढ़ सकती है।

मुसलमान सिर्फ अल्लाह की इबादत करता है, मरना स्वीकार लेकिन शिर्क नहीं : मदनी

सहारनपुर (ईएमएस): संसद में वंदे मातरम् पर हुई बहस पर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हम यह बात फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं कि मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इस इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता।

मौलाना अरशद मदनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा की वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियां ऐसे धार्मिक विचारों पर आधारित हैं जो इस्लामी आस्था के खिलाफ हैं। विशेष रूप से इसकी चार पंक्तियों में देश को दुर्गा माता जैसे देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है और उसकी पूजा के शब्द प्रयोग किए गए हैं, जो किसी मुसलमान की बुनियादी आस्था के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद २५) और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद १९) देता है। इन अधिकारों के अनुसार किसी भी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वास के विरुद्ध किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मौलाना मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का भी यह स्पष्ट फैसला है कि किसी भी नागरिक को राष्ट्रगान या ऐसा कोई गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जो उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ हो। उन्होंने कहा कि वतन से मोहब्बत करना अलग है और उसकी पूजा करना अलग बात है।

मौलाना ने कहा कि मुसलमानों को इस देश से कितनी मोहब्बत है इसके लिए उन्हें किसी प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। आजादी की लड़ाई में मुसलमानों और जमीयत उलमा-ए-हिंद के बुजुर्गों की कुर्बानियां और विशेष रूप से देश के बंटवारे के खिलाफ जमीयत की कोशिशें दिन की रोशनी की तरह स्पष्ट हैं। देशभक्ति का संबंध दिल की सच्चाई और अमल से है न कि नारेबाजी से। मौलाना मदनी ने वंदे मातरम् के बारे में कहा कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड साफ तौर पर बताता है कि २६ अक्तूबर १९३७ को रवींद्रनाथ टैगोर ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक पत्र लिखकर सलाह दी थी कि वंदे मातरम् के केवल पहली दो पंक्तियों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया जाए, क्योंकि बाकी की पंक्तियां एकेश्वरवादी धर्मों के विश्वास के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इसी आधार पर २९ अक्तूबर १९३७ को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने यह

फैसला किया था कि केवल दो पंक्तियों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इसलिए आज टैगोर के नाम का गलत इस्तेमाल करके पूरे गीत को जबरन गंवाने की कोशिश करना न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को नकारने की कोशिश है, बल्कि देश की एकता की भावना का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग इस मुद्दे को देश के बंटवारे से जोड़ते हैं, जबकि टैगोर की सलाह राष्ट्रीय एकता के लिए थी। मौलाना मदनी ने जोर देते हुए कहा कि वंदे मातरम् से जुड़ी बहस धार्मिक आस्थाओं के सम्मान और सांविधानिक अधिकारों के दायरे में होनी चाहिए न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के रूप में।

मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि वंदे मातरम् बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंद मठ' से लिया गया एक अंश है। इसकी कई पंक्तियां इस्लाम के धार्मिक सिद्धांतों के खिलाफ हैं, इसलिए मुसलमान इस गीत को गाने से परहेज करते हैं। कहा कि वंदे मातरम् का पूरा अर्थ है मां मैं तेरी पूजा करता हूं। यह शब्द स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि यह गीत हिंदू देवी दुर्गा की प्रशंसा में लिखा गया था न कि भारत माता के लिए। उन्होंने कहा कि इस्लाम एकेश्वरवाद पर आधारित धर्म है, जो एक ऐसे ईश्वर की पूजा करता है जिसका कोई साझीदार नहीं है। किसी देश या मां की पूजा करना इस सिद्धांत के खिलाफ है। वंदे मातरम् गीत मां के सामने झुकने और उसकी पूजा करने की बात करता है, जबकि इस्लाम अल्लाह के अलावा किसी के सामने झुकने और पूजा करने की अनुमति नहीं देता। इसलिए हम इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं कर सकते। मर जाना स्वीकार है, लेकिन शिर्क (अल्लाह के साथ किसी साझी) स्वीकार नहीं है।

मौलाना अरशद मदनी ने सवाल उठाया कि क्या देश में इतने विवादित मुद्दों के अलावा कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर संसद में बहस हो, जो देश और जनता के हित में हो। लेकिन दुर्भाग्य से इस पर कोई चर्चा नहीं होती, क्योंकि इस तरह की बहसों से वोट नहीं मिलते और न ही समाज को धार्मिक आधार पर बांटा जा सकता।

50 हजार का इनामी सामा एनकाउंटर में ढेर

शामली(ईएमएस): शामली में ५० हजार का इनामी बदमाश समयदीन उर्फ सामा मुठभेड़ में मारा गया है। एक सिपाही भी हाथ में गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस को देर रात इनपुट मिला कि समयदीन शामली में है और भागने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस ने रात २ बजे घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी फायर किया। इसमें समयदीन को गोली लग गई। वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां उसकी मौत हो गई। मौत से पहले पूछताछ में समयदीन ने बताया कि शामली में दो महीने पहले हुए एनकाउंटर में मारा गया नफीस उसका साथी था। ४० साल का समयदीन शामली के ही कांधला का रहने वाला था। अभी कर्नाटक के तुमकूर में रहता था। १८ अक्टूबर शामली में एनकाउंटर के दौरान मारे गए बदमाश नफीस के साथ था।

लजिला दण्डाधिकारी –सह– उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा
(समाज कल्याण शाखा)

(अति अल्पकालीन निविदा)

निदेशक, समाज कल्याण, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक– 1915/स0क0, जामताड़ा, दिनांक– 17.07.2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संचालित आंगनबाड़ी सेवाएँ योजनांतर्गत केन्द्र भवन निर्माण/रख–रखाव/उन्नयन संबंधी स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत अनुरक्षण मरम्मति एवं सुसज्जीकरण (सामग्री) अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था के लिए पानी टंकी लगाने हेतु आवंटन प्राप्त है। उक्त प्राप्त आवंटन से जामाताड़ा जिला के 400 सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों पेयजल की व्यवस्था के लिए पानी टंकी लगाया जाना है, जिसकी विवरणी निम्नप्रकार है–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	पेजयल निर्माण हेतु आवंटित सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों की सं0
1	2	3
1	फतेहपुर	88
2	जामताड़ा	71
3	करमाटाँड़	57
4	कुण्डहित	48
5	नाला	29
6	नारायणपुर	102
	कुल–	400

जामताड़ा जिला के 400 सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों पेयजल की व्यवस्था के लिए पानी टंकी लगाने हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. **निविदा की महत्त्वपूर्ण विवरणी :–**

क्र0सं0	विवरणी	
01	निविदा समर्पित करने का स्थानः–	जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा
02	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक–.17/12/2025 समय– 01:00 P.M
03	निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थानः–	दिनांकः–17/12/2025 को 03:00 P.M समाहरणालय सभागार, जामताड़ा।

पेयजल निर्माण हेतु प्राक्कलन निम्नप्रकार है–

1 **कार्य का नाम**– सरकारी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था के लिए पानी टंकी लगाना।
2. **प्राक्कलित राशि**– अनुमानित लागत 20741.00 रू0 (18% जी0एस0टी0 और 1% श्रम लागत सहित) प्रति आंगनबाड़ी केन्द्र
3. **कार्य निर्माण हेतु समय**– अधिकतम 01 महिना।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल निर्माण (टंकी) लगाने हेतु निम्नांकित नियम एवं शर्तें प्रकाशित की जाती है।

तकनीकि बीड की नियम एवं शर्तें

1.निविदादाता को अपने प्रतिष्ठान/एजेन्सी का निबंधन GST स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति। (झारखण्ड राज्य का)
2.निविदादाता को जून 2025 का GSTR -3B एवं वित्तीय वर्श (2022–23)(2023–24) (2024–25) का GSTR-9 संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3.उपायुक्त से निर्गत चरित्र प्रमाणपत्र की अद्यतन स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति।
4.निविदादाता को भवन निर्माण विभाग अंतर्गत संवेदक होने का प्रमाणपत्र देना होगा, समुचित श्रेणी (50 लाख तक) का।
5.अग्रधन राशि (EMD) के रूप में 2% की राशि अर्थात रू0 136000/– (एक लाख छतीस हजार) रूपये मात्र का किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी Demand Draft जो कि जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जामताड़ा के पदनाम से जमा करना होगा, इस राशि पर ब्याज देय नहीं होगा।
6.विगत तीन Financial Year (2022–23)(2023–24) (2024–25) का आयकर रिटर्न की स्वअभिप्रमाणित एवं लगातार विगत तीन Financial Year का C.A.द्वारा अभिप्रमाणित अंकेक्षण रिपोर्ट संलग्न करना होगा जिसमें UDIN नं0 दर्ज हो।
7.निविदादाता को आधार कार्ड एवं पैनकार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
8.प्रस्तावको को निविदा के साथ, कार्यादेश निर्गत तिथि से 01 महीने के अन्दर आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल हेतु पानी टंकी का निर्माण संबंधी स्वघोषणा–पत्र संलग्न करना होगा।
9.फर्म/प्रतिष्ठान के काली सूची में दर्ज नहीं होने संबंधी शपथ पत्र (न्यूनतम 100 रूपये के नोटरी पब्लिक द्वारा सत्यापित नन जूडिशियल स्टाम्प पेपर पर) संलग्न करना होगा।
10.निविदा हेतु वांछित कागजातों का Abstract Index के साथ पृष्ठ संख्या अंकित करते हुए बंद लिफाफे में तकनीकी बीड जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा किसी भी स्थिति में तकनीकी बीड स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के अवांछित कागजातों को जमा करने पर निविदा निस्तार समिति द्वारा आपके द्वारा समर्पित निविदा को रद्द करने पर विचार किया जा सकता है।

4.वित्तीय बीड :–
(i)तकनीकी बीड में सफल घोषित निविदादाता का ही वित्तीय बीड खोला जायेगा।
(ii)निविदा निस्तारण समिति के पास निविदादाताओं से दर वार्ता का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

5.मूल्यांकन एवं चयन प्रक्रिया :–
(i)निविदा के जवाबों के मूल्यांकन में समिति का निर्णय अंतिम होगा तथा इस निमित किसी प्रकार का पत्राचार/वाद दायर नहीं किया जा सकेगा।
(ii)निविदादाता द्वारा तकनीकी बीड में संलग्न किये गये Audited Financial Statement & Audit's Report के आधार पर निविदादाता के नेटवर्थ का भी मूल्यांकन किया जायेगा।
(iii)निविदा निस्तारण समिति के पास प्राप्त प्रस्ताव के किसी भी भाग या सम्पूर्ण भाग को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा निस्तारण समिति को एक या एक से अधिक निविदादाता को न्यूनतम दर पर आपूर्ति आदेश देने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी निविदा को आंशिक एवं पूर्ण रूप से स्वीकार करने, रदद् करने या संशोधित करने का अधिकार उपायुक्त, जामताड़ा के पास सुरक्षित होगा। निविदा की राशि एवं सामग्री की मात्रा बढ़ या घट सकती है।

6. भुगतान के नियम व शर्ते :–
(i)सफल निविदादाता को कार्यादेश के साथ किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान नहीं किया जायेगा।
(ii)निविदादाता को प्राक्कलित राशि के अलावे अलग से कोई भी अन्य व्यय देय नहीं होगा।

7. भुगतान के अन्य महत्वपूर्ण शर्ते :–
(i)सफल निविदादाता द्वारा निविदा शर्तो के उल्लंघन की स्थिति (यथा गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं निर्धारित समय सीमा) में अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा अग्रेतर विधि सम्मत् कार्रवाई की जायेगी।
(ii)जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
(iii) चयन प्रक्रिया के निर्णय पर किसी प्रकार का वाद दायर नहीं किया जा सकेगा। परियोजना क्रियान्वयन के दौरान सभी प्रकार के विधि सम्मत विवादों के निपटारा हेतु एक मात्र न्यायाधिकार क्षेत्र जिला एवं सत्र न्यायालय, जामताड़ा होगा।

उपायुक्त,
जामताड़ा

PR 368129 (Jamtara)25-26*D

Before, The Notary Public, Dhanbad.

Affidavit

I, Rajkumar, S/o. Mahabir Prasad, aged about-52 years, by faith-Hindu, by occupation-Business, R/o. Near Madan Medical, Saraidhela, P.O.+P.S.- Saraidhela, Distt.-Dhanbad (Jharkhand), do hereby solemnly affirm on oath & declare as follows:-

1) That, I had executed a power of attorney on dated-27/07/2018 in the office of the Additional Registrar of Assurance-III Kolkata & recorded in Block No. IV, Volume No. 1903-2022 Pages from 22634 to 22652 being No.-190304626 for the year-2018 in favour of Mahadev Mondal (PAN-AMBPM5489N)/ Aadhar No. 4284 3869 5725) S/o. Late Atul Chandra Mondal, R/o. New Doctor Colony, P.O.+P.S.- Saraidhela, Distt.-Dhanbad total land measuring-14 Decimals situated in Mouza-Saraidhela, Mouza No. 08, situated at Mouza Saraidhela Chowk Saraidhela Mouza No. 8 under ward No.22, comprised in Khata No. 72,74,98, Plot No. 1557, 1558, 1555 P.S.- Dhanbad, Distt.-Dhanbad.

2. That, the alleged power of attorney has been cancelled by me from the office of Additional Registrar of Assurance Office of the ARA-I Kolkata same office (W.B.) dt-18/11/2025.

3) That, from this cancellation of power of Attorney the said Mahadev Mondal will not claim over the alleged property & I have come in the existence of the alleged property.

Sl. No 02 Date. 09 DEC 2025

कार्यालय, अनुमण्डल सह जिला कृषि पदाधिकारी,जामताड़ा
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय, सर्खेलडीह, जामताड़ा

अति अल्प कालिन निविदा सूचना

अनुमंडल कृषि कार्यालय, उद्यान कार्यालय एवं आत्मा कार्यालय अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं में INM/IPM की आवश्यकता अनुसार अति अल्प कालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा अनुमंडल सह जिला कृषि कार्यालय, अनुमंडलीय कृषि प्रक्षेत्र, सरर्खेलडीह, जामताड़ा में जमा करने की अंतिम तिथि 17.12.2025 को अपराहन् 12:00 बजे तक होगी एवं उसी दिन 03:00 बजे अपराह्न में अनुमंडल कृषि कार्यालय, जामताड़ा के सभा कक्ष में क्रय समिति एवं निविदादाताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।

सामग्री की सूची एवं निविदा की शर्ते कार्यालय के सूचना पर एवं www.atmajamtara.org / https://jamtara.nic.in/ पर उपलब्ध है।

अनुमंडल सह जिला कृषि पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 368058 (Agriculture) 25-26 (D)

हेमंत सोरेन ने विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई
कहा- युवाओं की प्रतिभा झारखंड का गौरव

रांची (एजेंसी): ६९वीं एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में खिताब जीतकर लौटी झारखंड की अंडर-१४ बालक फुटबॉल टीम ने आज झारखंड परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने टीम के खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगियों को राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर हार्दिक बधाई दी और उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के युवाओं में खेल के प्रति जबरदस्त उत्साह और क्षमता है। राज्य खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कोशिश कर रही है, ताकि वे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकें।

सोरेन ने विश्वास जताया कि झारखंड के खिलाड़ी आने वाले समय में खेल जगत में और भी नई उपलब्धियां हासिल उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण राज्य का मान बढ़ा रहा है।

गौरतलब है कि उमरिया (मध्य प्रदेश) में १ से ६ दिसंबर २०२५ तक आयोजित ६९वीं राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पंजाब को ६-५ से पेनल्टी में हराकर खिताब जीता। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जएझउ) के बैनर तले आयोजित हुई थी।

टीम के खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार की खेल नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं से उन्हें लगातार प्रेरणा मिलती है और इसी कारण वे बेहतर प्रदर्शन कर पा हैं।

विधानसभा में गरजे जयराम महतो- बच्चों को दो साल से छात्रवृत्ति नहीं और विधायक को चार करोड़ का बंगला

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान निर्दलीय विधायक जयराम महतो ने राज्य में छात्रवृत्ति नहीं मिलने से परेशान छात्रों की स्थिति को उठाते हुए सरकार पर करारा हमला बोला।

कहा कि दो-दो साल से छात्रवृत्ति का इंतजार कर रहे युवा हताश हैं, जबकि विधायक ४.३२ करोड़ रुपये की लागत से बने आलीशान आवास में रहने जा रहे हैं। इसे उन्होंने राज्य का सबसे बड़ा दुर्भाग्य बताया।

महतो ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार एक-दूसरे पर दोष मढ़ हैं, लेकिन इसकी कीमत छात्रों को नहीं चुकानी चाहिए। उन्होंने छात्रवृत्ति भुगतान तुरंत सुनिश्चित करने की मांग की, इसे आने वाली पीढ़ी के साथ अन्याय करार दिया।

विधायक ने अधिकारियों की जवाबदेही पर भी कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रात १२ बजे तक विधायक शून्यकाल में सवाल उठाते लेकिन अधिकारी जवाब देना तो दूर, उसे मजाक बना देते हैं। उन्होंने जिम्मेदारी से बचने वाले अफसरों पर कार्रवाई और ईमानदार अधिकारियों को प्रोत्साहन देने की मांग की।

अनुपूरक बजट की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए महतो ने कहा कि विभागों ने १४०० करोड़ की मांग की थी, लेकिन केवल ७२१ करोड़ लेकर आई। आठ महीनों में महज ४२% राशि खर्च होने पर भी बजट लाने को उन्होंने तर्कहीन बताया।

अवैध खनन और रेत कारोबार को राज्य की सबसे बड़ी आर्थिक लूट बताते हुए उन्होंने दावा किया कि कोलांचल क्षेत्र से रोजाना करोड़ों का अवैध कोयला परिवहन हो है, जिससे सालाना ९००० करोड़ रुपये की चोरी होती है। जमीन रजिस्ट्री में भी बड़े स्तर पर काला धन खपाने का आरोप लगाया। राज्य आंदोलनकारियों को ३०० रुपये पेंशन और मंत्रियों के लिए ६ करोड़ के बंगले का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। जैक द्वारा परीक्षा शुल्क बढ़ाने का भी उन्होंने विरोध किया और पुरानी दरें बहाल करने की मांग की।

पुलिस को देखकर छत से कूद गया, पैर टूटा रांची में दो गुटों के बीच भिड़ंत से दहशत

रांची (एजेंसी): रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम आपराधिक गुटों के बीच हुए संघर्ष ने इलाके में दहशत फैला दी। तुलसी चौक और यूनिस चौक के पास हुए इस विवाद में दोनों पक्षों के ३-४ लोग घायल हो गए। अचानक शुरू हुई मारपीट से स्थानीय लोग सहमे रहे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची स्थिति को काबू में किया।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी आरिफ पुलिस को देखकर घर की छत से कूद गया। कूदने के दौरान उसका पैर टूट गया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस बाकी आरोपियों की में लगातार छापेमारी कर रही है।

हटिया डीएसपी पी.के. मिश्रा ने बताया कि यह विवाद सज्जू और अली गुट के बीच का है, जिनके बीच पहले भी टकराव हो चुका है। उनके अनुसार, दोनों गुटों के पुराने आपसी विवाद के चलते पहले भी गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें आरोपी हाल ही में जेल से छूटे हैं। डीएसपी ने बताया कि आरोपी अली एक पुराना अपराधी है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उसने कब्जे वाली जमीन पर अवैध बाउंड्री वॉल बनाई थी, जिसे पुलिस ने हटवा दिया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर झगड़े में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान की कोशिश कर रही है।

डीएसपी ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में तनाव फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

नाबालिग बनी तस्करी का शिकार, महिलाओं ने 80 हजार में किया था सौदा, 4 आरोपी गिरफ्तार

दुमका (एजेंसी): दुमका से तस्करी से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र में एक १४ वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर ८० हजार में बेचने के सनसनीखेज मामले में दुमका पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग की बरामदगी करने के बाद चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल बताया जा रहा है। जिसमें मोतीहारी जिला के राजेपुर थाना क्षेत्र के सगहरी गांव के अरुण सिंह, चुड़की देवी, दुमका के सरैयाहाट थाना क्षेत्र की रहने वाली पार्वती देवी और गोड्डा जिला के बक्सरा की पिंकी देवी शामिल हैं। बता दें कि मामले को लेकर बीते ६ दिसंबर को नाबालिग की दादी ने थाने में पोती के गुम हो जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि उसकी पोती सिलाई सीखने की बात कहकर घर से निकली और नहीं लौटी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेन्द्र यादव ने वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम गठित किया और जांच शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान मालूम चला कि लापता लड़की के मुजफ्फरपुर की निवासी है। इसके बाद पुलिस टीम खोजबीन के लिए मुजफ्फरपुर गई। इसी बीच ६ दिसंबर की ही रात में दादी ने थाने में आकर बताया कि उसे पक्की जानकारी मिली है कि उसकी पोती को बहला फुसलाकर ८० हजार रुपए में बिहार के मोतिहारी जिले के गांव के अरुण सिंह के पास बेच दिया गया है। और इस तस्करी में सरैयाहाट मरकुंडा गांव की चुड़की देवी, बाबुडीह गांव की पार्वती देवी, गोड्डा बक्सरा गांव की पिंकी देवी उर्फ प्रियंका देवी शामिल हैं। सूचना मिलते ही खोजबीन करने निकली टीम को मोतिहारी भेजा गया अरुण सिंह के घर में छापेमारी कर नाबालिग को बरामद कर लिया। साथ ही सोमवार को सभी आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं नाबालिग को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

परिसर में अतिक्रमण हटाने के मामले ने पकड़ा तूल, मंदिरों की सुरक्षा पर हस्तक्षेप की मांग

रांची (एजेंसी): रिम्स परिसर में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान ने तूल पकड़ लिया है। वहीं इसका असर अब कैंपस स्थित मंदिरों की सुरक्षा पर पड़ता दिख रहा है। लोगों का कहना है कि अवैध अतिक्रमण हटाने को समर्थन है। लेकिन जिन लोगों ने अवैध कब्जा कर है उस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। बड़े लोगों के निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। प्रशासन की टीम उनके अवैध कब्जे को झांकने भी नहीं गई। जिन लोगों ने भी अवैध निर्माण कराया है सभी पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं मंदिर की सुरक्षा पर रिम्स प्रबंधन से हस्तक्षेप की मांग की गई है। अतिक्रमण हटाने के क्रम में मंदिरों के पुजारी के आवास को भी हटा दिया गया, जिसके बाद से मंदिरों में नियमित पूजा-पाठ, भोग और सुबह-शाम की आरती बाधित हो गई है।

दुमका में -एसीबी की बड़ी कार्रवाई, व्यवसायी नवीन पटवारी के आवास पर सुबह से छापेमारी

दुमका (एजेंसी): दुमका में एंटी करप्शन ब्यूरो ने आज सुबह बड़ी कार्रवाई शुरू की। प्रतिष्ठित कारोबारी नवीन पटवारी के आवास पर सुबह करीब ७:३० से छापेमारी जारी है।

बताया जा रहा है कि जिस आवास पर कार्रवाई हो रही है, वहां नवीन पटवारी सहित उनके तीन भाई रहते हैं।

छापेमारी के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। -एसीबी की टीम घर के अंदर दस्तावेजों और अन्य संदेहास्पद सामग्री जांच कर रही है। हालांकि, कार्रवाई से संबंधित अधिकारी अभी तक किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने से साफ इंकार कर रहे हैं। एसीबी की इस अचानक कार्रवाई से इलाके में हलचल मच गई है, जबकि लोग मामले से जुड़े तथ्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं। फिलहाल जारी है और आगे की जानकारी का इंतजार है।

नगर निगम का अभियान फेल, रोड किनारे फिर से सज गई दुकानें

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम ने राज्य स्थापना दिवस से पूर्व पूरे शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया था। इस दौरान राजधानी की प्रमुख सड़कों से युद्धस्तर पर अतिक्रमण हटाया। वहीं जब्त भी की गई थी। लेकिन कुछ दिनों के बाद ही व्यवस्था बेपटरी हो गई है। रोड किनारे फिर से वेंडरों ने कब्जा जमा लिया है। फुटपाथ पर उन्होंने पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। इस वजह से पैदल चलने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। हर समय उन्हें गाड़ियों से धक्का लगने का डर सताता रहता है। बता दें कि हाई कोर्ट ने भी राजधानी को जाम मुक्त बनाने को लेकर नगर निगम को फटकार लगाई थी। रोड साइड दुकान लगाने वाले वेंडरों को हटाकर नगर निगम इंफोर्समेंट टीम ने बड़े-बड़े बोलार्ड लगाए थे। जिससे कि वहां पर दोबारा दुकानें न लगाई जा सके। लेकिन वेंडरों का मन इतना बढ़ चुका है कि उनलोगों ने बोलार्ड को हटा दिया। इसके बाद वहीं पर दुकान लगाकर कारोबार कर रहे है।

पृष्ठ एक का शेषांश

भारत की आबादी तेजी---

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट (आईआईएमडी) की केरला माइग्रेशन सर्वे रिपोर्ट बताती है कि राज्य की ३.४३ करोड़ आबादी में हर पांच में से एक घर का कम से कम एक सदस्य बाहर है। १२ लाख से ज्यादा घरों में पड़े हैं, तो २१ लाख से ज्यादा में सिर्फ बुजुर्ग हैं।

सदन में 7721.25 करोड़ का---

रुपए ऋण लेंगे. सम्मान योजना में १३ हजार ५०० करोड़ का बजट है. इसके अलावा ७८ हजार करोड़ रुपए जेनरल स्कीम के लिए पड़े हैं पैसों की कोई कमी नहीं है. यहां के सरकारी कर्मियों को ३० नवंबर को ही वेतन मिल चुका है. लॉ एंड आर्डर प्रति कमिटेंट है. भ्रष्टाचार में लोग हेमंत सरकार में जेल के सलाखों के पीछे हैं. हम सिस्टम को कमिटेंट फॉर पब्लिक बनाना चाहते हैं. पुलिसिंग को मजबूत करना चाहते हैं. नक्सल नियंत्रित हुआ है खत्म नहीं. भारत सरकार ने एसइआर फंड बंद कर दिया है. पिछले दो साल में नक्सल क्राइम कम हुआ है.

राज्यों में एसआईआर के---

एसआरओ होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के ऑफिस के अधिकारी ने बताया कि एसआरओ की नियुक्ति से सभी संभागों में एसआईआर प्रक्रिया की जांच मजबूत होगी। राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण ४ नवंबर को शुरू हुआ था। अंतिम मतदाता सूची १४ फरवरी २०२६ को जारी की जाएगी।

भारत घूमने आया चीनी---

सेना की विक्टर फ़ोर्स मुख्यालय के बेहद करीब है। इसके अलावा उसने हज़रतबल, शंकराचार्य हिल, डल झील और मुगल गार्डन जैसे स्थानों का भी किया। भारत आने के तुरंत बाद उसने खुले बाजार से भारतीय सिम कार्ड भी हासिल किए, जो शक को और गहरा कर रहे हैं। उसके फोन में सीआरपीएफ तैनाती और अनुच्छेद ३७० हटाए जाने से जुड़े विषयों की ऑनलाइन खोजें मिली हैं। जांचकर्ता यह भी पता लगाने में जुटे कि क्या उसने कुछ ब्राउज़िंग डेटा हटाया है। पूछताछ में उसने बार-बार यह कहने की कोशिश की कि उसे वीज़ा नियमों की जानकारी नहीं थी। वह खुद को एक शौकिया यात्री बता रहा है और दावा करता है कि उसने बोस्टन यूनिवर्सिटी में फिज़िक्स पढ़ी है और पिछले नौ से अमेरिका में रह रहा था। उसके पासपोर्ट पर अमेरिका, न्यूज़ीलैंड, ब्राज़ील, फिजी और हांगकांग जैसे देशों की यात्रा मुहरें भी मिली हैं।

सीजेआई की रोहिंग्या---

और मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. रीता मनचंदा की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भारत में कई रोहिंग्या शरणार्थियों को हिरासत में लेकर गायब कर दिया गया है। ४४ रिटायर्ड जजों ने साझा बयान में कि सुप्रीम कोर्ट की आलोचना अस्वीकार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायिक कार्यवाही पर तर्कसंगत आलोचना की जा सकती है, लेकिन सीजेआई के खिलाफ प्रेरित अभियान चलाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खतरे में डालने जैसा है।

सोनिया गांधी को दिल्ली---

ने ११ सितंबर को याचिका को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि कोर्ट चुनाव जुड़े संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सका, अन्यथा संविधान के अनुच्छेद ३२९ का उल्लंघन होगा।

बाबरी मस्जिद की नींव---

आरोप बीजेपी पर लगा रही है। उन्होंने कहा कि वह अपनी सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट जा सकते हैं।

प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के---

जबकि क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन योगदान ९३ लाख रुपये तक पहुंच गया है, जिससे कुल राशि १.३० करोड़ रुपये गई है, जबकि सात और सीलबंद पेटियों को खोला जाना बाकी है।

नाबालिग बच्ची को मां की---

मामले की पृष्ठभूमि यह है कि पुडुचेरी की महिला ने अपने तीन बच्चों-दो बेटियों और एक बेटे के लिए मां की जाति के आधार पर एससी प्रमाणपत्र जारी करने का आवेदन दिया। महिला ने बताया कि माता-पिता और दादा-दादी आदि द्रविड़ समुदाय से हैं और शादी के बाद भी पति उसके मायके में ही रहा। परंपरागत रूप से, केंद्र सरकार के १९६४ और २००२ के अधिसूचनाओं के अनुसार बच्चों की जाति पिता की जाति और निवास स्थान के आधार पर तय होती रही है। सुप्रीम ने इससे पहले कई मामलों में यह सिद्धांत स्वीकार किया था। वर्ष २००३ में 'पुनित राय बनाम दिनेश चौधरी' मामले में अदालत ने कहा था कि आरक्षण से जुड़े मामलों में जाति निर्धारण का आधार पिता की जाति ही होगी। हालांकि, २०१२ में आए 'रमेशभाई दभाई नाइका बनाम गुजरात फैसले ने इसे कुछ हद तक लचीला बनाया। इस फैसले में कहा गया कि अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी विवाह से जन्मे बच्चों के मामले में केवल पिता की जाति से निर्धारण यांत्रिक नहीं किया जा सकता। यदि बच्चा साबित कर दे कि उसका पालन-पोषण मां के सामाजिक में हुआ और उसने उसी जाति के सामाजिक भेदभाव झेले हैं, तो उसे उस समुदाय से संबंधित माना जा सकता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने बच्ची के हितों को प्राथमिकता देते हुए मां की जाति के आधार पर एससी प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति दी, लेकिन जाति निर्धारण से बड़े कानूनी सवालों पर अंतिम निर्णय बाद में होगा। इस फैसले के बाद देशभर में जाति प्रमाणपत्र, आरक्षण और अंतरजातीय विवाह से जुड़े अधिकारों पर नई बहस छिड़ने की संभावना है। कानूनी विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि भविष्य में मां की जाति को भी निर्णायक आधार माना गया, तो सामाजिक न्याय और आरक्षण प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत होगा।

लोकसभा में राहुल गांधी का---

में नेता प्रतिपक्ष और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को शामिल करना चाहिए। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से ही विपक्ष एसआईआर और वोट चोरी पर चर्चा की मांग कर रहा है। सत्र के पहले और दूसरे विपक्ष ने चर्चा कराने को लेकर हंगामा किया था। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने २ दिसंबर को सरकार और विपक्ष के नेताओं को मुलाकात के लिए बुलाया था। जहां सरकार और विपक्ष ने ९ दिसंबर को लोकसभा में १० घंटे चर्चा को लेकर सहमति जाहिर की थी।

थैलेसिमिया पर सवाल, सत्ता पक्ष में भूचाल : कांग्रेस विधायक प्रदीप और मंत्री इरफान भिड़े, स्पीकर को देना पड़ा नियमन

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र का तीसरा दिन उस समय नाटकीय हो गया जब सत्ताधारी महागठबंधन के दो प्रमुख चेहरे, कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव और कांग्रेस कोटे के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, थैलेसिमिया, सिकल सेल एनीमिया और अप्लास्टिक एनीमिया के मरीजों के इलाज को लेकर पर व्यक्तिगत हमले करने लगे। ध्यानाकर्षण सूचना के दौरान शुरू हुई बहस इतनी गरमा गई कि स्पीकर रवींद्र नाथ महतो को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा और अंत में दोनों नेताओं को चैंबर में बैठकर बात करने की सलाह देनी पड़ी।

प्रदीप यादव ने सबसे पहले आंकड़े पेश किए। कहा राज्य में करीब ११ हजार बच्चे इन तीनों गंभीर रक्त विकारों से पीड़ित हैं। इन्हें हर महीने एक से दो बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन चाहिए। लेकिन न तो राज्य में ब्लड सेपरेशन यूनिट की पर्याप्त व्यवस्था है, न ही निःशुल्क इलाज की ठोस नीति। परिजन रांची से रायपुर, रायपुर से भटकते रहते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए लड़कों को १५ लाख और लड़कियों को १८ लाख देती है। कर्नाटक २० लाख, बिहार-ओडिशा १५ लाख तक देते हैं। झारखंड में क्या है?

प्रदीप यादव ने चार सवाल दागे, मरीजों का सही सर्वे है? निःशुल्क इलाज की व्यवस्था है? ब्लड डोनर को चिन्हित करने का कोई प्लान है? केंद्र से मिलने वाली १० लाख रुपये की मदद का क्या हुआ?

जवाब देने के लिए जैसे ही इरफान अंसारी खड़े हुए, उन्होंने पहले पुराना हिसाब चुकता किया। कल माननीय सदस्य ने हंसडीहा अस्पताल में २५ करोड़ के उपकरण का मामला उठाया था। जांच में सिर्फ ६० लाख का मामला निकला। सदन को गुमराह करने की कोशिश की गई। मैं प्रोसिडिंग से उस बयान को हटाने की मांग करता हूं। इसके बाद उन्होंने थैलेसिमिया पर जवाब शुरू किया तो तीखापन और बढ़ गया। इरफान बोले -११ हजार का बहुत कम है। पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा के पास सटीक डाटा है। हम एक महीने में पूरा डाटा जुटा लेंगे।

चाईबासा की घटना से हम सब सचेत हैं। वहां गलत ब्लड चढ़ने से पांच बच्चे एसआईवी पॉजिटिव हो गए। हमने पीड़ित परिवारों को दो-दो लाख रुपये दिए। बच्चे को एक साल में १७९ बार ब्लड चढ़ाया गया, जांच की तो पता चला ६० लोग डोनर थे। उस घटना के बाद कोई ब्लड देने को तैयार नहीं। मुख्यमंत्री समेत हम सबने डोनेट किया, १० हजार यूनिट जमा किए।

फिर शुरू हुई तीखी नोकझोंक

प्रदीप यादव-सरकारी में भी ब्लड के पैसे लिए जाते हैं।

इरफान अंसारी- कौन ले रहा है पैसा? सदन को गुमराह न करें।

प्रदीप यादव- आप हर बार प्रश्न आधा छुड़वा देते हैं।

इरफान अंसारी- हर चीज में नेतागिरी नहीं चलेगी घटना जिस तरह उठाते हैं, हमारे मरीज मर हैं।

स्पीकर बीच में - रुकिए आप जो चाहेंगे वैसा जवाब मंत्री नहीं देंगे प्रदीप जी, माननीय सदस्य बोलिए आप और मंत्री चैंबर में जाकर बात कर लीजिए।सदन में हंसी और शोर का माहौल बन गया। स्पीकर ने अंततः सरकार को निर्देश दिया - एक महीने में सभी मरीजों पूरा डाटा जुटाएं, सभी सरकारी ब्लड बैंक में सेपरेशन यूनिट लगाएं, सदर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू करें। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष की यह आपसी कलह महज थैलेसिमिया तक सीमित नहीं रही। यह गठबंधन धर्म की दरार को एक बार फिर सबके सामने ले आई। इस विपक्षी बेंचों से लगातार टिप्पणियां आती रहीं।

कैसे आई जेब्रा के शरीर पर काली पट्टियां

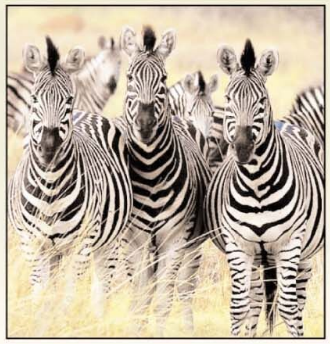

जेब्रा के शरीर पर हमेशा से काली धारियां नहीं थीं। वह धुले रंग वाला था। दिखने में वह जरूर घोड़े से छोटा था, पर सफेदी में घोड़े को भी मात करता था। एक जेब्रा ने गलती की और फिर सभी के शरीर पर काली पट्टियां आ गईं।

बहुत पहले किसी गांव के पास के जंगल में एक जेब्रा रहता था। वह जंगल में मस्ती से रहता और इधर-उधर घूमता। गांव में उस समय लोग घोड़े पालते थे। उस समय तक जेब्रा की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया था। यह वह समय था जब जेब्रा का उजला शरीर धूप में खूब चमकता था। जंगल के सारे जानवरों में वह अपने सफेद कोट के लिए जाना जाता था।

जंगल में एक ज़ेबा जब भी गांव घूमने जाने की अपनी इच्छा जाहिर करता था तब दूसरे जानवर उसे गांव की तरफ जाने से मना करते थे। जंगल के जानवरों की सलाह ठीक थी क्योंकि आकर्षक और ताकतवर जेब्रा को देखने के बाद गांव वाले उसे पकड़ सकते थे। जेब्रा को यह बात कुछ जंचती नहीं थी।

एक बार उसने सोचा क्यों न गांव में घूमकर देखा जाए। दिन में तो गांव में भीड़ काफी रहती थी, इसीलिए उसने सुबह जल्दी ही गांव का चक्कर लगाकर वापस अपने जंगल आने का मन बनाया। झुटपुटे में जेब्रा जंगल से निकला और गांव में दाखिल हो गया। उसे गांव की गलियां और वहां का बाजार देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने सोचा कि गांव कितना अच्छा है। यहां कितनी शांति है। जेब्रा को घूमते-घूमते समय का ध्यान नहीं रहा और सुबह हो गई। थोड़ी ही देर में शांति चहल-पहल में बदल गई। लोगों ने जब जेब्रा को देखा तो सोचा यह तो बड़ा ही आकर्षक जानवर है, क्यों न इसे पकड़ा जाए। जेब्रा के सफेद कोट ने उन्हें भी प्रभावित किया था। लोग जेब्रा को पकड़ने के लिए उसके पीछे जाल लेकर दौड़े।

जेब्रा भागा। उसे अपने से बड़ों की दी सीख याद आई कि गांव की तरफ मत जाना वरना गांव वाले तुम्हें पकड़ लेंगे। जेब्रा घबराया। अब आगे-आगे जेब्रा और पीछे-पीछे गांव वाले भाग रहे थे। तभी जेब्रा को एक विचार आया। उसने देखा गांव में एक जगह काले पेंट का डिब्बा रखा था। जेब्रा ने सोचा कि अगर वह इस पेंट से अपने शरीर पर काली पट्टियां बना ले, तो शायद गांव वाले उसे पहचान नहीं पाएंगे। गांव वालों ने जब जेब्रा को पकड़ लिया तो देखा कि अब उसके शरीर पर काली पट्टियां है और वह उतना सुंदर नहीं लग रहा है जैस कुछ देर पहले लग रहा था। लोगों ने उसे जाने दिया। जेब्रा जान बचाकर निकल आया। जंगल में आने के बाद जब जेब्रा ने अपने साथ हुआ यह वाकया सभी को बताया- तो सभी ने सोचा कि इस तरह का पेंट कर लेने से मुसीबत से बचा जा सकता है। तो सभी ने अपने सफेद कोट पर काली पट्टियां बना ली। अगली पीढ़ी में इस तरह की पट्टियों को बनाने की जरूरत नहीं रही, वे पैदा होते ही शरीर पर बनी रहती। बस तबसे जेब्रा के शरीर पर काली पट्टियां देखने को आ रही हैं। किसी की बात न मानने का यही नतीजा होता है। अगर जेब्रा जंगल के दूसरे साथियों की बात मान लेता तो आज उसका सफेद कोट उसके साथ ही रहता और वह जंगल का सबसे आकर्षक जानवर होता।

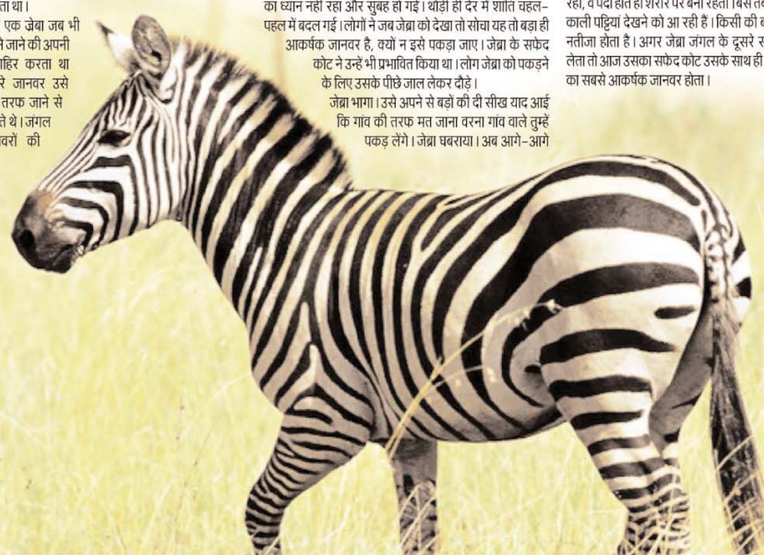

दुनिया में कैसे आई चॉकलेट

चॉकलेट की मुख्य सामग्री कोको की खोज 2000 वर्ष पूर्व की गई थी। ऐसा कहा जाता है कि जब 1528 में स्पेन के राजा ने मैक्सिको पर विजय प्राप्त कर कब्जा किया, तो वह अपने साथ भारी मात्रा में कोको के बीज लेकर आया था। इसीलिए स्पेन की रसोइयों में चॉकलेट ड्रिंक प्रसिद्ध हो गया। लेकिन चॉकलेट पहले बहुत तीखी हुआ करती थी, अमेरिका के लोग इसमें बहुत सारे मसाले पीस कर मिलाया करते थे। जिससे यह स्पाइसी होती थी। लेकिन इसे मीठा बनाने का श्रेय यूरोप को जाता है, जिसने इसमें से मिर्च को हटाकर शकर और दूध का प्रयोग किया।

अनोखा ऊंट है लामा

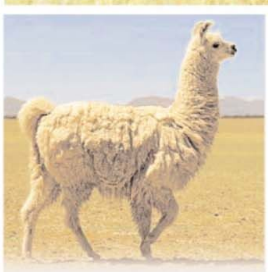

लामा के कूबड़ नहीं होता। आकार में भी ये ऊंट से छोटे होते हैं, लेकिन इनकी गर्दन काफी लंबी होती है। आओ इनके बारे में जानते हैं...

बच्चों, तुम ऐसे कई जानवरों के बारे में जानते होगे, जो शिकारियों से अपने बचाव के लिए या तो डट कर मुकाबला करते हैं या फिर अपना रूप बदल कर धोखा देते हैं। आज तुम्हें हम दक्षिण अमेरिका के एंडीज वन क्षेत्रों और मैदानी इलाको में पाए जाने वाले लामा के बारे में बता रहे हैं, जो खतरे से बचने के लिए सुरक्षा हथियार के रूप में अपने थूक का इस्तेमाल करता है। यह ऊंट जैसा दिखने वाला जानवर इसलिए खास है, क्योंकि यह हमलावर से बचने के लिए अपना बदबूदार थूक का एक फव्वारा दूसरों के ऊपर फेंक देता है, जिसे बर्दाश्त न कर पाने के कारण हमलावर भाग जाते हैं।

ऊंट की ही प्रजाति है...

यह लामा वास्तव में ऊंट की एक प्रजाति है। ऊंट का नाम आते ही तुम्हारे जेहन में एक या दो कूबड़ वाले रेगिस्तान के जहाज यानी ऊंट की छवि उभर आती होगी। लेकिन ये लामा उनसे थोड़ा अलग हैं। ऊंट की तरह लामा का कोई कूबड़ नहीं होता। आकार में भी ये ऊंट से छोटे होते हैं, लेकिन इनकी गर्दन काफी लंबी होती है। लामा के लंबे और घुमावदार केले के आकार के कान भी उसे ऊंटों से अलग करते हैं। अपने पैर की मोटी त्वचा से ये टेढ़े-मेढ़े चट्टानी या पहाड़ी इलाकों पर आसानी से चढ़ जाते हैं। उनके खून में हीमोग्लोबिन बड़ी मात्रा में पाया जाता है, जिसके कारण वे ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी आसानी से सांस ले पाते हैं।

कहां मिलते हैं...

छोटी कद-काठी के बिना कूबड़ वाले लामा दक्षिण अमेरिका के रेडियन क्षेत्र, बोलीविया, पेरू, चिली, इक्काडोर तथा एंडीज पर्वत और घास के मैदानों में मिलते हैं। ये लामा तीन तरह के होते हैं- ग्वानको, विक्यूना और अल्पका। ग्वानको दक्षिणी अफ्रीका के दक्षिणी मैदानों में मिलते हैं। अल्पका लामा की पालतू जाति है। बोझा ढोने के साथ-साथ इसके फर रेशम बनाने के काम आते हैं। लामा की विक्यूना जाति एंडीज पर्वत पर काफी ऊंचाई पर पाई जाती है। वहां के निवासी इसे राजसी लामा मानते हैं। बोलीविया में तो लामा को नेशनल एनिमल का दर्जा दिया गया है।

जीवन-चक्र

लामा स्तनधारी जानवर है। आमतौर पर ये 25-30 साल तक जिंदा रहते हैं। एक वयस्क लामा 5.5-6 फीट (1.6- 1.8 मीटर) लंबा और वजन 280-450 पौंड (127- 204 कि.ग्रा.) होता है, जबकि जन्म के समय लामा के बच्चे का वजन 20-30 पौंड (9-14 किग्रा) होता है। नवजात लामा पैदा होने के लगभग एक घंटे बाद चलने लगता है। लामा अपने बच्चों को करीब चार महीने तक पालते हैं।

व्यवहार

लामा सामाजिक, मिलनसार और शांत जानवर है। ये पहाड़ों और जंगलों में 15-20 के झुंड या ग्रुप बनाकर रहते हैं। लामा आपस में बात भी करते हैं। गरारे (गार्गलिंग) करते हुए जैसी आवाज आती है, उसी तरह लामा आवाज निकालते हैं। झुंड में ये 'म्वा-म्वा' की आवाज में अलार्म कॉल करते हैं। इसके अलावा जब उन्हें किसी दूसरे लामा या अपने बच्चे को बुलाना हो, मादा लामा का ध्यान अपनी ओर खींचना हो या फिर खतरे की सूचना देनी हो, तब ये तेज आवाज में अलार्म कॉल करते हैं। लामा शाकाहारी जानवर है। ये पहाड़ों पर मिलने वाली वनस्पति, झाड़ियां, लाइकेन घास खाते हैं। ये करीब 2-3 गैलन पानी एक बार में पी सकते हैं और पानी न मिलने पर कई दिनों तक रह सकते हैं। ये अपना खाना पचाने के लिए हमेशा जुगाली करते रहते हैं, जिससे उनके मुंह में लार या थूक बना रहता है। इससे इन्हें प्यास भी कम लगती है और थूक को जंगली हमलावरों के ऊपर फेंक कर उसे भगा देते हैं।

क्यों तेज दौड़ता है चीता

अफ्रीका तथा एशिया के कम घने जंगलों में पाया जाने वाला चीता धरती की सबसे तेज भागने वाली 'जीवित मशीन' कहा जा सकता है। दरअसल चीता जब अपने शिकार को दबोचने के लिए उसके पीछे दौड़ता है तो उसकी गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा से भी ज्यादा होती है। कुछ सर्वेक्षणों में तो यह भी बताया गया है कि चीता इससे बहुत ज्यादा गति अर्थात् करीब 148 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौड़ने में भी सक्षम है। यही कारण है कि चीता धरती पर सबसे तेज गति से दौड़ने वाला प्राणी है। हालांकि चीते को एक खूंखार और निष्ठुर प्राणी के रूप में जाना जाता है किन्तु मजेदार बात है कि प्राणी विज्ञानी इसे एक शर्मीला जानवर मानते हैं। इसे प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना भी माना जाता है लेकिन प्रकृति की यह सर्वश्रेष्ठ रचना निष्ठुर शिकारियों के कारण विलुप्ति के कगार पर खड़ी है। चीते की अधिकांश प्रजातियां या तो पूर्ण रूप से विलुप्त हो चुकी हैं या उन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

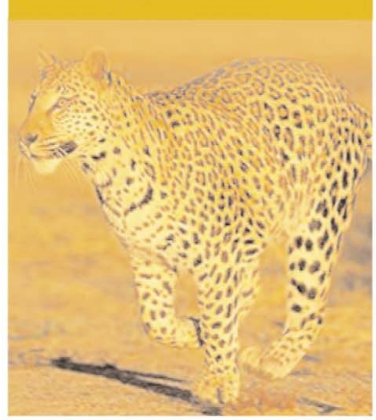

स्कूली पढ़ाई पूरी होने के बाद छात्र बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी आर्किटेक्चर्स की डिमांड काफी बढ़ी है। इस कोर्स को कर आप भी अपने करियर को नई उड़ान दे सकते हैं।

आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में बनाएं अपना करियर
विदेशों में भी है डिमांड

अगर आप भी स्कूली पढ़ाई पूरी होने के बाद अन्य स्टूडेंट्स की तरह मेडिकल आदि अपना करियर नहीं बनाना चाहते हैं तो आपके पास कई ऑप्शन हैं। जिनमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक आर्किटेक्चर भी है। इंजीनियरिंग क्षेत्र के महत्वपूर्ण कोर्सेस में से आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स एक है। इसमें कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कैंडिडेट को जेईई की परीक्षा में शामिल होना होता है। आर्किटेक्चर के तौर पर आपका काम बिल्डिंगों के निर्माण, डिजाइन आदि से संबंधित होता है। बता दें कि देश के अलावा विदेशों में भी आर्किटेक्चर्स की डिमांड काफी बढ़ी है। 12वीं पास करने के बाद आप भी इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए आपको प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

4 साल का कोर्स

बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स 4 साल का होता है। इस कोर्स को 8 सेमेस्टर में डिवाइड किया गया है। इसकी पढ़ाई के दौरान छात्रों को प्लानिंग, डिजाइनिंग, निर्माण, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही सिविल इंजीनियरिंग के बुनियादी पहलुओं के बारे में भी स्टूडेंट्स को सिखाया बताया जाता है। इस कोर्स को करने वाले छात्रों में रचनात्मक, क्रिएटिविटी और कल्पना का होना जरूरी है।

योग्यता

- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास करना जरूरी है।
- 12वीं कक्षा की अंतिम परीक्षा के दौरान आप इस कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं।
- इसमें एडमिशन के लिए छात्र के कम से कम 50% अंक होना जरूरी है।
- 12वीं पीसीएम में अंग्रेजी विषय की जानकारी होना आवश्यक है।
- आरक्षित श्रेणी के छात्रों को गाइडलाइन्स के हिसाब से 5% की छूट मिलती है।

एडमिशन प्रोसेस

आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग में बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों को प्रवेश परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए कैंडिडेट को कंडक्टिंग बॉडी द्वारा जारी किए आवेदन फॉर्म को भरना होता है। इस फॉर्म को भरने वाले कैंडिडेट को ई-मेल आईडी के जरिए अपनी शैक्षिक जानकारी और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। इसके बाद आपको आवेदन फीस देनी होगी। आवेदन होने के बाद प्रवेश परीक्षा में उम्मीदवारों अच्छा प्रदर्शन करना होता है। परीक्षा में रैंक के आधार पर काउंसलिंग प्रोसेस होता है। नंबर अच्छे आने के बाद छात्रों को सीट अलॉट की जाती है।

प्रवेश परीक्षा

- जेईई मेन
- जेईई एडवांस
- डब्ल्यूजेईई
- वीआईटीईईई
- एसआरएमजेईई
- केईएएम
- एलपीयूएनईएसटी
- एनएटीए
- एपी ईएएमसीईटी

पद

- आर्किटेक्चर - 2 से 3 लाख रुपये
- बिल्डिंग सर्वेयर - 3.5 से 4 लाख रुपये
- आर्किटेक्चरल इंजीनियर - 4 से 5 लाख रुपये
- स्ट्रक्चुरल इंजीनियर - 5 से 6 लाख रुपये
- रूरल प्लानिंग - 5 से 6 लाख रुपये
- अबर प्लानिंग - 6 लाख रुपये
- इंटिरियर डिजाइन - 5 से 6 लाख रुपये
- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स

- निर्माण उद्योग
- डिजाइन और वास्तुकला उद्योग
- इंटीरियर डिजाइनिंग
- नगर योजना आयोग
- एयरोस्पेस उद्योग
- भारतीय रेल
- नगर निगम
- भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन
- राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड
- आइडिया
- शोवा सेकेई
- पलाफॉक्स एसोसिएट्स
- मोर्फोजेनेसिस
- औकेट स्वांके
- मूलरूप समूह
- प्रोगेटो सीएमआर
- बीटेक इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग कोर्स - उच्च शिक्षा
- एमटेक/एमई इन आर्किटेक्चर इंजीनियरिंग
- एमबीए
- पीएचडी
- प्रतियोगिता परीक्षाएं

कॉलेज और फीस

इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान
कोर्स की फीस - 34,500 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 11,45,000 रुपये (सालाना)

थंगल कुंजू मुसलियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (टीकेएमसीई)
कोर्स की फीस - 12, 425 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 8,00,000 रुपये (सालाना)

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय चंडीगढ़
कोर्स की फीस - 1,60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,00 रुपये (सालाना)

निम्स यूनिवर्सिटी जयपुर
कॉलेज की फीस - 60,000 रुपये

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर
कोर्स की फीस - 1,38, 200 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 20,00,000 रुपये (सालाना)

इंडियाना इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, गोरखपुर
कोर्स की फीस - 54, 000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 5,40,000 रुपये (सालाना)

अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान - [एआईआईटीएम] चेन्नई
कोर्स की फीस - 60,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,00,000 रुपये (सालाना)

केसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ऊना
कोर्स की फीस - 70,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 6,00,000 रुपये (सालाना)

हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (एचआईटीएस) चेन्नई
कोर्स की फीस - 2,87,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 3,80,000 रुपये (सालाना)

स्कूल ऑफ एरोनॉटिक्स नई दिल्ली
कोर्स की फीस - 1,80,000 रुपये
औसतन प्लेसमेंट पैकेज - 4,80,000 रुपये (सालाना)

आईआईटी, मद्रास
कोर्स की फीस - 9.1 लाख रुपये

एसआरएम विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 14 लाख रुपये

एमआईटी मणिपाल
कोर्स की फीस - 16 लाख रुपये

अन्ना विश्वविद्यालय
कोर्स की फीस - 5 लाख रुपये

जेईई मेन की परीक्षा में फेल छात्रों के लिए ये हैं बेस्ट ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नही पास कर पाए हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाए हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

संक्षिप्त समाचार

टीवी पर फुटबाल मैच देख रहे थे लोग, तभी अचानक हुई एयरस्ट्राइक

नेपीडा, एजेंसी। म्यांमार की सेना द्वारा पिछले हफ्ते सागाइंग में एक चाय की दुकान पर किए गए हवाई हमले में 18 नागरिकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। यह घटना सशस्त्र लोकतंत्र समर्थक बलों को निशाना बनाकर किए जा रहे घातक हवाई हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है। इन हमलों में अक्सर नागरिक हताहत होते हैं। एक फरवरी 2021 को सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और व्यापक जन विरोध शुरू होने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल मची हुई है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को घातक बल से कुचल दिए जाने के बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए और देश के बड़े हिस्से अब संघर्ष में उलझे हुए हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि नया हमला पांच दिसंबर को रात आठ बजे के करीब हुआ। पीड़ितों की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीण ने बताया कि चाय की दुकान पर हुए हमले में मारे गए लोगों में एक पांच साल का बच्चा और दो स्कूली शिक्षक भी शामिल हैं। वहां दर्जनों लोग टेलीविजन पर म्यांमार बनाम फिलीपींस फुटबाल टूर्नामेंट देखने के लिए इकट्ठा हुए थे।

लेबनान में इजरायल का हवाई हमला, हिजबुल्लाह के कई ठिकानों को आईडीएफ ने बनाया निशाना

यरूसलम , एजेंसी। इजरायली सेना ने मंगलवार को बताया कि उसके सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमला किया। इसमें हथियारबंद ग्रुप की राडवान सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला ट्रेनिंग कंपाउंड भी शामिल है। दरअसल, एक बयान में इजरायली सेना ने बताया कि हमलों में हिजबुल्लाह के मिलिट्री स्ट्रक्चर और एक लॉन्च साइट को भी निशाना बनाया गया। बता दें कि यह हमला इजरायल और लेबनान दोनों की ओर अपने सीजफायर की निगरानी करने वाली मिलिट्री कमिची के पास सिविलियन दूत भेजने एक सप्ताह से भी कम समय बाद हुआ है। यह अमेरिका की महीनों पुरानी मांग की ओर एक कदम है कि दोनों देश राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मिडिल ईस्ट शांति एजेंडे के अनुसार बातचीत को आगे बढ़ाएं। उल्लेखनीय है कि इजरायल और लेबनान 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर पर सहमत हुए, जिससे इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच एक साल से ज्यादा समय से चल रही लड़ाई खत्म हो गई। तब से उन्होंने उल्लंघन को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनओ ने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिण में कई जगहों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए।

पवन ऊर्जा को लेकर ट्रंप के फैसले पर अदालत ने लगाई रोक

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप के पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले कार्यकारी आदेश को खारिज कर दिया। मैसाचुसेट्स डिस्ट्रिक्ट के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज पैटी सारिस ने पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले ट्रंप के 20 जनवरी के कार्यकारी ऑर्डर को खारिज कर दिया और इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया। जज ने कहा कि संघीय जमीन और पानी पर पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट की लगभग सभी लीजिंग को रोकने का आदेश मनमाना है और यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन है।

सारिस ने न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिसिया जेम्स के नेतृत्व में 17 राज्यों और वाशिंगटन, ष्ठष्ट के स्टेट अटॉर्नी जनरल के एक समूह की संयुक्त याचिका के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसने ट्रंप के उस ऑर्डर को चुनौती दी थी जिसमें पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए लीजिंग और परमिट देने पर रोक लगा दी थी। ट्रंप अक्षय ऊर्जा के खिलाफ रहे हैं।

कौन थे रहमान डकैत और एसपी असलम?

धुरंधर में दिखाए गए पाकिस्तान के ल्यारी की असली कहानी

कराची, एजेंसी।
भारत से लेकर पाकिस्तान तक, हाल ही में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर ने एक बार फिर कराची के ल्यारी इलाके को सुर्खियों में ला दिया है। आदित्य धर की इस स्पाई थ्रिलर में रणवीर सिंह, संजय दत्त और अक्षय खन्ना जैसे सितारे हैं। फिल्म में पाकिस्तान के इस कुख्यात ल्यारी इलाके की गैंगवार की कहानी को पर्दे पर उतारा गया है। फिल्म में अक्षय खन्ना ने रहमान डकैत का किरदार निभाया है, जबकि संजय दत्त एसपी चौधरी असलम की भूमिका में हैं। लेकिन क्या यह सिर्फ एक काल्पनिक कहानी है? नहीं, धुरंधर असल घटनाओं से प्रेरित है। 2000 के दशक में यह इलाका एक खूनी जंग का मैदान बन गया था। यहां गैंगवार की आग ने सैकड़ों जिंदगियां जला दीं। यहां ड्रग्स, एक्सटॉर्शन और हथियारों का कारोबार राज करता था। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राजनीतिक संरक्षण से पनपे अपराधी सिंडिकेट ने ल्यारी को नो-गो जोन बना दिया था।

ल्यारी कराची का सबसे पुराना और घनी आबादी वाला इलाका है, जहां बालोच, कच्छी, सिंधी और अन्य समुदाय सदियों से बसे हैं। 19वीं सदी में यह इलाका एक मजदूर कॉलोनी था, जहां डॉक वर्कर्स और ट्रक ड्राइवर रहते थे। 1960-70 के दशक तक यहां हशीश का छोटा-मोटा व्यापार फल-फूल रहा था। लेकिन अफगानिस्तान के सोवियत युद्ध (1979-89) के बाद हथियारों और ड्रग्स की बाढ़ आ गई। बेरोजगारी और गरीबी ने युवाओं को गैंग्स की ओर धकेल दिया।

ल्यारी को मिनी ब्राजील कहा जाता था यानी फुटबॉल क्लबों की भरमार और ओलंपिक बॉक्सर हुसैन शाह जैसे सितारे यहीं के थे। लेकिन 1980 के दशक से जातीय राजनीति ने रंग बदल दिया। पीपीपी यहां मजबूत थी, लेकिन वोट बैंक को कंट्रोल करने के लिए पार्टियों ने गैंग्स से हाथ मिला लिए। म्युत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) और पीपीपी के बीच टकराव ने हिंसा को हवा दी। 1990 के दशक तक ल्यारी में छोटे-मोटे अपराधी समूह उभर आए, जो किडनैपिंग, एक्सटॉर्शन और ड्रग ट्रैफिकिंग से कमाते थे।

गैंगवार की जड़ें: हाजी लालू बनाम दादल और फिर रहमान डकैत का उदय

ल्यारी की आधुनिक गैंगवार की शुरुआत 1960 के दशक के हशीश (चरस) व्यापार से हुई। दादल, शेरू, और 'काला नाग' जैसे नाम उस दौर के अपराध जगत में प्रभावी थे। 1990 के दशक में पढ़े-लिखे अपराधियों की नई पीढ़ी सामने आई- जैसे इकबाल उर्फ बाबू डकैत, जिसने ड्रग नेटवर्क को और अधिक संगठित रूप दिया। इसी काल में उभरकर आया सबसे प्रभावशाली नाम था सरदार अब्दुल रहमान बलोच, जिसे ल्यारी और बाकी कराची में रहमान डकैत के नाम से जाना गया।

रहमान डकैत: डाकू से पीसकीपर तक का सफर

सरदार अब्दुल रहमान बालोच, उर्फ रहमान डकैत (1975-2009), ल्यारी गैंगवार का चेहरा था। एक छोटे अपराधी परिवार में जन्मे रहमान ने किशोरावस्था में ही अपराध की दुनिया में कदम रखा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उसने 13 साल की उम्र में पहली हत्या की और घरेलू झगड़े में अपनी मां को भी मार डाला - हालांकि यह पुष्ट नहीं है, लेकिन उनकी क्रूरता की मिसाल बन गया। 2001 में हाजी लालू गैंग के पतन के बाद रहमान ने कंट्रोल ले लिया। उसने ड्रग्स, जुआ और एक्सटॉर्शन से लाखों कमाए, लेकिन साथ ही क्लिनिक, मदरसे और फुटबॉल टूर्नामेंट फंड किए। 2008 में पीपीपी ने उसे पीपुल्स अमन कमिटी (पीएसी) का प्रमुख बनाया। यह शांति समिति वोट बैंक संरक्षण का बहाना थी, लेकिन वास्तव में गैंग का कवर। रहमान को पीपीपी नेता जुल्फिकार मिर्जा और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का संरक्षण था।

उनकी दुश्मनी अरशद पप्पू से थी, जो एमक्यूएम समर्थित था। 2003 में अर्शद ने उजैर बालोच (रहमान के चचेरे भाई) के पिता की हत्या कर दी, जिससे खूनी जंग छिड़ गई। सैकड़ों मौतें हुईं। धुरंधर में अक्षय खन्ना का किरदार रहमान को एक करिश्माई लेकिन खतरनाक डाकू के रूप में दिखाता है ङ्क जो हकीकत से मेल खाता है। चौधरी असलम खान (1963-2014) पाकिस्तान का सबसे विवादास्पद पुलिस अधिकारी था। 1980 के दशक में सिंध पुलिस में एएसआई के रूप में शामिल हुए असलम को पाकिस्तान का डर्टी हैरी कहा जाता था। वह क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) का हेड था और ल्यारी टास्क फोर्स के लीडर। असलम ने तालिबान और गैंग्स के खिलाफ बेरहम कार्रवाई की। 2006 में वह मशूक ब्रोही एनकाउंटर के लिए जेल गया, लेकिन 2007 में रिहा होकर लौटा। 2009 में उसने रहमान डकैत को एनकाउंटर में मार गिराया - रहमान की पत्नी ने इसे फर्जी बताया और सिंध हाईकोर्ट ने असलम पर एफआईआर का आदेश दिया। 2012 के ऑपरेशन ल्यारी में असलम ने उजैर बालोच के गैंग पर हमला बोला, लेकिन 12 पुलिसकर्मी मारे गए। असलम को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से धमकियां मिलती रहीं। 9 जनवरी 2014 को ल्यारी एक्सप्रेसवे पर सुसाइड बॉम्बिंग में उसकी मौत हो गई। टीटीपी ने जिम्मेदारी ली। धुरंधर में संजय दत्त का किरदार असलम को सिगरेट पीते,

भारत भ्रम न पाले, सीडीएफ बनते ही आसिम मुनीर ने फिर उगला जहर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान एक शांतिप्रिय देश है और किसी को भी इसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की परीक्षा लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। उनका इशारा भारतीय राजनेताओं की तीखी बयानबाजी और अफगानिस्तान से चल रहे तनावों पर झड़पों पर था।

गौरतलब है कि भारत ने अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। सीडीएफ बनने के बाद पहली बार सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए आसिम मुनीर ने कहा कि भारत को भ्रम नहीं पालना चाहिए। किसी भी आक्रामक कार्रवाई का गंभीर और त्वरित जवाब दिया जाएगा। मुनीर ने कहा कि अफगान तालिबान को स्पष्ट संदेश दिया जा चुका है। उनके पास केवल एक ही विकल्प है, उन्हें पाकिस्तान और फितना अल ख्वार्जी (टीटीपी) के बीच किसी एक को चुनना है। बता दें कि सीडीएफ की स्थापना पिछले महीने 27वें संविधान संशोधन और उसके बाद पाकिस्तान सेना, वायु सेना और नौसेना (संशोधन) विधेयक 2025 में किए गए बदलावों के बाद की गई थी। मुनीर ने कहा कि हाल में स्थापित रक्षा बल मुख्यालय मौलिक परिवर्तन का प्रतीक है, जो ऐतिहासिक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सेवा अपनी परिचालन तैयारियों के लिए अपनी विशिष्टता बनाए रखेगी, और सीडीएफ मुख्यालय सेवाओं के संचालन का समन्वय करेगा।

प्रेग्नेंट पत्नी को बिजनेस ट्रिप बताकर थाईलैंड घूमने गया पति, बाढ़ में फंसा तो खुली पोल

बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया का एक शख्स अपनी गर्भवती पत्नी से झूठ बोलकर थाईलैंड के हात याई शहर पहुंच गया। उसने घर पर कहा था कि वो ऑफिस के सहकर्मियों के साथ बिजनेस ट्रिप पर जा रहा है। लेकिन जब थाईलैंड में भयानक बाढ़ आई और वो लापता हो गया, तो उसका भेद खुल गया। असल में वो चार दिन से अपनी प्रेमिका के साथ होटल में रह रहा था।

शख्स की पत्नी चार महीने की गर्भवती है और ये उनका चौथा बच्चा होने वाला था। जब पति से संपर्क नहीं हो पाया तो, परेशान पत्नी ने सोशल मीडिया पर मदद मांगी। इस मामले के बारे में इतनी हैरान करने वाली है कि पूरा मलेशिया और थाईलैंड सोशल मीडिया पर बात कर रहा है।

राज से कैसे उठा पर्दा?ন शख्स की पत्नी ने मलेशिया की एक महिला से मदद मांगी, जो उस वक्त हात याई में बाढ़ की लाइव अपडेट दे रही थीं। पत्नी ने बताया कि उसका पति होटल में सहकर्मियों के साथ फंसा है और उससे ठीक से बात नहीं हो पा रही। इसके बाद उस महिला ने अपने रिश्तेदारों से कहा कि वो उस होटल में जाकर पति को ढूंढें और मदद करें।

रिश्तेदार होटल पहुंचे तो जो देखा, उससे सब दंग रह गए। वहां कोई सहकर्मी नहीं थे, सिर्फ एक अकेली औरत थी, जिसके साथ वो शख्स पिछले चार दिनों से कमरे में रह रहा था। महिला ने बताया कि अभी तक उन्होंने पत्नी को कुछ नहीं बताया है। इसकी वजह साफ है कि वो गर्भवती है और चौथा बच्चा पेट में है। इतना बड़ा झटका लगने से कुछ भी हो सकता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ÷मैं ये कहानी इसलिए शेयर कर रही हूं ताकि बाकी पत्नियां अपने पतियों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। उन्होंने ये भी बताया कि पति रोज वाइफ से बात कर रहा था, फोटो भेज रहा था, सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। पत्नी को जरा भी शक नहीं हुआ था। अब सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि पत्नी को सच पता चलना चाहिए।

थाईलैंड में बाढ़ से अस्त-व्यस्त है जिंदगी: इन दिनों दक्षिण थाईलैंड में भयंकर बाढ़ आई हुई है। बारिश इतनी तेज है कि देश के 12 प्रांत डूब गए हैं। अब तक 185 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 30 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इस बाढ़ में हात याई शहर सबसे ज्यादा तबाह हुआ है। शहर की सड़कें, घर, दुकानें सब पानी में डूबे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति एआई पर जारी करेंगे 'वन रूल' वाला ऑर्डर

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राज्य अलग-अलग कानून बनाकर टेक कंपनियों के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कर दी है कि इस सप्ताह वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक ही नियम वाला एक महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं इस हफ्ते एआई के लिए एक नियम वाला कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। अपनी पोस्ट में आगे उन्होंने कहा कि इस समय हम दुनिया के सभी देशों से काफी आगे हैं, लेकिन अगर हमारे 50 राज्य, जिनमें से कई में बहुत बुरे लोग बैठे हैं, अलग-अलग नियम बनाने और मंजूरी देने में लगे रहे,

तो यह बढ़त ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि एआई अपनी शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाएगा।

बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप का एआई नीति पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने का ताजा प्रयास है। उनका स्पष्ट मानना है कि 50 अलग-अलग राज्य स्तर के नियमों का जाल अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुपालन को असंभव बना देगा और नवाचार को मार डालेगा। तकनीकी उद्योग के बड़े नेता लंबे समय से राज्य-दर-राज्य विनियमन के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस लिहाज से यह आदेश उनके लिए बड़ी जीत होगी।

बता दें कि ट्रंप और टेक दिग्गजों ने बार-बार चेतावनी दी है कि अलग-अलग राज्य कानून नवाचार रोक देंगे और अनुपालन को बेहद जटिल बना देंगे। हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स सहित कई रिपब्लिकन गवर्नरों ने इस कदम की आलोचना की है। वे इसे राज्यों के अधिकारों पर हमला मानते हैं। माना जा रहा है कि किसी भी ऐसे कार्यकारी आदेश को तुरंत कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।वहीं, वाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने सोमवार को सीएनबीसी को बताया कि उन्होंने इस आदेश का मसौदा देख लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य इन कंपनियों को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं। आने वाला कार्यकारी आदेश यह साफ कर देगा कि अमेरिका में अमेरिकी कंपनियों के लिए सिर्फ एक ही नियम होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने देखे गए संभावित आदेश के मसौदे में न्याय विभाग को उन राज्यों के खिलाफ मुकदमा करने की शक्ति दी जाएगी जिनके एआई कानून संघीय सरकार असंवैधानिक मानती है। साथ ही, जिन राज्यों के नियम बहुत सख्त या बोझिल होंगे, उन्हें संघीय फंडिंग में कटौती भी की जा सकेगी।

साउथ कोरिया के केएडीआईजेड में घुसे रूसी-चीनी सैन्य विमान

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को एक बार फिर अपने वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में सात रूसी और दो चीनी सैन्य विमानों की घुसपैठ का पता लगाया। इसके जवाब में सियोल ने तुरंत दर्जनों लड़ाकू विमान रवाना किए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब रूस-चीन की सैन्य नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं और दोनों देश उत्तर पूर्व एशिया में बिना पूर्व सूचना के संयुक्त हवाई गश्त कर रहे हैं। सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा कि ये रूसी और चीनी विमान स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे कोरिया एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में दाखिल हुए। हालांकि किसी भी विमान ने दक्षिण कोरियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया। सियोल ने कहा कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए सामरिक उपाय करते हुए उसने लड़ाकू विमान भेजे। न्यूज एजेंसी योनहाप के अनुसार, ये विदेशी विमान लगभग एक घंटे तक केएडीआईजेड के अंदर-बाहर उड़ते रहे। इन विमानों को वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने से काफी पहले ही पता लगा लिया गया था। केएडीआईजेड एक विस्तृत क्षेत्र होता है जिसमें देश सुरक्षा कारणों से आने-जाने वाले विमानों पर नजर रखते हैं, लेकिन यह उनका क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र नहीं होता। 2019 से चीन और रूस संयुक्त सैन्य अभ्यास का हवाला देते हुए बिना पूर्व सूचना के दक्षिण कोरिया के वायु रक्षा क्षेत्र में नियमित रूप से अपने सैन्य विमान भेजते रहे हैं।

पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हुआ

ढाका, एजेंसी। नोबेल विजेता युनूस ने बड़े दमखम के साथ बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला था। लेकिन फिलहाल उनके नेतृत्व में बांग्लादेश भी पाकिस्तान के कंगाली वाले रास्ते पर जाता दिखाई दे रहा है। पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश भी उन देशों की कतार में आ गया है, जो विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय कर्जों पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में हुई है। इसके मुताबिक पिछले पांच साल में बांग्लादेश के ऊपर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विदेशी कर्जों पर किस्त भुगतान, मूलधन और ब्याज दोनों पर दोगुना हो गया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश पिछले कई साल से बाहरी कर्ज के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। सरकार ने विदेशी कर्ज की बदौलत बड़ी परियोजनाएं लागू की हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेट्रो रेल, पावर प्लांट, हवाई अड्डा टर्मिनल, अंडरवाटर टनल और ऊंची एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से कई के ऋण की अदायगी पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं कई अन्य को जल्द ही भुगतान किया जाना है। बढ़ते ऋण बोझ के बारे में पूछे जाने पर, वर्ल्ड बैंक के ढाका कार्यालय के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री जाहिद हुसैन ने प्रोथम आलो को बताया कि विदेशी उधार और ऋण चुकाने का दबाव कोविड-19 काल से बढ़ रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे विकास में जो साझेदार हैं, अब वो कड़ी शर्तें लगा रहे हैं। इनमें कम ग्रेस पीरियड, घटा हुआ मैच्योरिटी टाइम और उच्च ब्याज दरें शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा

जिससे उन्हें सही दाम नहीं मिल रहा; एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों

देशों के बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। कनाडा ,अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

आसान भाषा में डंपिंग का मतलब जानिए

डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

इससे उस देश का बाजार सस्ते विदेशी माल से भर जाता है और स्थानीय लोगों का कारोबार नुकसान में चला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे लोकल मार्केट पर विदेशी कंपनियों या प्रोडक्ट का कब्जा हो जाता है। अगर ट्रम्प भारतीय चावल पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगा देते हैं तो भारत से अमेरिका जाने वाला चावल काफी महंगा हो जाएगा। इससे वहां भारतीय चावल खरीदने वाले लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि कीमतें बढ़ जाएंगी।

मंधाना नंबर 2, जेमिमा रोड्रिग्स को हुआ तगड़ा फायदा

लॉरा वोल्वार्ट का आईसीसी रैंकिंग में जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 में विश्व विजेता भारतीय टीम की नंबर 1 बैटर स्मृति मंधाना आईसीसी रैंकिंग में नंबर 2 की पोजीशन पर मौजूद हैं। आईसीसी द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में स्मृति के 811 रेटिंग अंक हैं। वहीं साउथ अफ्रीका की कप्तान और वर्ल्ड कप की टॉप स्कोरर लॉरा वोल्वार्ट 814 रेटिंग अंक नंबर 1 महिला वनडे बैटर बनी हुई हैं। भारतीय महिला टीम अब टी20 सीरीज खेलने 21 दिसंबर से श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी।

अगर महिलाओं की वनडे रैंकिंग के टॉप 10 बैटर्स की बात करें तो जेमिमा रोड्रिग्स को तगड़ा फायदा हुआ था। भारत के लिए सेमीफाइनल में जीत की हीरो रहीं जेमिमा 9 स्थान की छलांग लगाकर 10वें पायदान पर आ गई थीं। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी फायदा हुआ था और वह 18वें से 14वें स्थान पर आ गई थीं। टॉप 10 में भारत की तरफ से स्मृति मंधाना और जेमि ही हैं। ताजा रैंकिंग टी20 की अपडेट हुई हैं जिसमें एनाबेल सदरलैंड नंबर 1 गेंदबाज हैं और बेथ मूनी नंबर 1 बैटर हैं। साउथ अफ्रीका की मलाबा चार स्थान की छलांग के साथ नंबर 6 पर आ गई हैं। वहीं भारतीयों की रैंकिंग में खास बदलाव नहीं हुए हैं। भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप के बाद कोई भी इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है।

दीप्ति शर्मा का रैंकिंग में दबदबा- इसके अलावा महिला वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं दीप्ति शर्मा टॉप 5 ऑलराउंडर्स की लिस्ट में हैं। वह चौथे स्थान पर मौजूद हैं। जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में वह टॉप 10 में मौजूद अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं और पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं।

अगर महिला टी20 बैटर्स की रैंकिंग देखें तो स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा 9वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा नंबर 2 और रेणुका सिंह ठाकुर 11वें स्थान पर हैं। टी20 ऑलराउंडर्स में भी दीप्ती शर्मा तीसरे स्थान पर हैं और टॉप 10 में अकेली भारतीय हैं।

पाकिस्तान में ये भारतीय खिलाड़ी गूगल पर इतना क्यों हो रहा ट्रेंड

बाबर आजम से भी ज्यादा हो रही इसकी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने 2025 में ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसकी कल्पना भी कम ही लोग कर सकते थे। उन्होंने न सिर्फ भारतीय क्रिकेटप्रेमियों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई, बल्कि पाकिस्तान में भी वह लोकप्रियता के नए रिकॉर्ड बनाते नज़र आए। गूगल सर्च ट्रेंड्स 2025 के अनुसार, पाकिस्तान में सबसे अधिक सर्च किए गए एथलीटों की सूची में शीर्ष स्थान किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी का नहीं, बल्कि भारत के इस बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज का रहा।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ी अभिषेक शर्मा की लोकप्रियता?

अभिषेक शर्मा के प्रति पाकिस्तान में बढ़ते क्रेज की सबसे बड़ी वजह बनी 2025 एशिया कप में उनकी धुआंधार बल्लेबाजी। विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई दो धमाकेदार पारियों ने उन्हें पड़ोसी देश की जनता के बीच भी एक बड़ा स्टार बना दिया।

- **ग्रुप स्टेज:** पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में 31 रन बनाकर अभिषेक ने भारत को तेज शुरुआत दिलाई।
- **सुपर-फोर मुकाबला:** 39 गेंदों पर 74 रनों की आक्रामक पारी खेलकर उन्होंने मैच का रुख बदल दिया और भारतीय खेमे में नई उम्मीद जगाई।
- **फाइनल:** फहीम अशरफ ने उन्हें जल्दी आउट कर दिया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में अभिषेक का प्रभाव सबसे अधिक देखा गया और भारत खिताब जीतने में सफल रहा।

भारत में भी टॉप-3 में रहे अभिषेक शर्मा

पाकिस्तान ही नहीं, भारत में भी अभिषेक शर्मा 2025 के टॉप-3 सबसे अधिक सर्च किए गए खिलाड़ियों में शामिल रहे। सूची में अधिकांश स्थान भारतीय क्रिकेटरों ने ही हासिल किए।

भारतीय जूनियर हॉकी :

खिताब गंवाया, अब कांस्य के लिए दो बार की चैंपियन से जंग

● पीआर श्रीजेश कैसे पार लगाएंगे भारत की नैया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जूनियर हॉकी टीम को मेन्स जूनियर वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। चेन्नई में जारी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का विश्व चैंपियन के खिताब को जीतने का सपना टूटा, लेकिन भारत के लिए पोडियम फिनिश यानी एक पदक जीतने का मौका अभी भी है। दरअसल भारतीय टीम अब कांस्य पदक मैच यानी तीसरे स्थान के लिए अर्जेंटीना से भिड़ेगी।

इस मैच में टीम के कोच पीआर श्रीजेश पर बड़ी जिम्मेदारी होगी कि पुरानी गलतियों को कैसे सुधारा जाए और देश के लिए मेडल जीता जाए। टीम इंडिया बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ उतरेगी। भारत ने आखिरी बार चैंपियन बनते हुए जूनियर मेन्स वर्ल्ड कप का खिताब 2016 में जीता था। अब नौ साल बाद पदक जीतने के लिए टीम को दबाव में गलतियां करने की आदत से पार पाना होगा। पिछले दो विश्व कप में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम को उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा जो सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ हुईं थीं। भारत को सेमीफाइनल में जर्मनी ने 5-1 से हराया था। भुवनेश्वर में 2021 में और कुआलालम्पुर में 2023 में हुए जूनियर विश्व कप में भारत क्रमशः फ्रांस और स्पेन से 3-1 से हारकर चौथे स्थान पर रहा था।

दो बार की चैंपियन अर्जेंटीना की चुनौती

होबार्ट में 2001 के बाद भारत ने दूसरा और आखिरी खिताब 2016 में लखनऊ में जीता था। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके भारतीय टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश को बखूबी पता है कि यह पदक उनकी टीम के लिए कितना जरूरी है। उन्हें यह भी अहसास है कि सेमीफाइनल में स्पेन के खिलाफ आखिरी मिनटों में गोल गंवाकर 1-2 से हारी अर्जेंटीना की चुनौती को कमतर नहीं आंका जा सकता। दो बार की चैम्पियन अर्जेंटीना ने 2021 में फाइनल में जर्मनी को 4-2 से हराकर खिताब जीता था।

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट

साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलर और सेलेना की यह उपस्थिति सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि उनके रिश्ते की मजबूती का नया उदाहरण है। चाहे म्यूजिक, लाइफ या बड़े सेलिब्रेशन, दोनों हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाती आई हैं। अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं। अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी

चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं।

पहली बार चीफ्स गेम में पहुंचीं सेलेना गोमेज- सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आईं। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ।

इंग्लैंड को बड़ा झटका, मार्क वुड एशेज सीरीज से बाहर

फिशर को जगह दी गई

नई दिल्ली, एजेंसी । एशेज सीरीज में 0-2 से पीछे चल रही इंग्लैंड को तगड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैथ्यू फिशर को टीम में शामिल किया गया है। ईसीबी ने मंगलवार को बताया, 'मार्क वुड इंजरी की वजह से एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। रिहैबिलिटेशन और रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने के लिए वह स्वदेश लौटेंगे। वह ईसीबी की मेडिकल टीम के साथ मिलकर रिकवरी पर काम करेंगे। उनकी जगह मैथ्यू फिशर को टीम में शामिल किया गया है।' मार्क वुड ने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान इंजर्ड होने के बाद पर्थ में खेले गए एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में वापसी की थी। उसी टेस्ट में वुड को फिर से घुटने में समस्या आ गई। वह सिर्फ 11 ओवर फेंक सके थे। ब्रिसबेन में खेले गए दूसरे टेस्ट से वह बाहर हो गए थे। माना जा रहा था कि एडिलेड या मेलबर्न में वह वापसी कर सकते हैं, लेकिन अब उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा है।

वुड का करियर चोटों से परेशान रहा है। कई बार वह इंजरी की वजह से लंबे-लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे हैं। 35 साल के वुड यह स्वीकार कर चुके हैं कि उनका शरीर अब पहले की तरह नहीं रहा। उन पर उम्र का असर हावी हो रहा है। 145 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी भी उनके लिए मुश्किल हो रही है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्क वुड इंग्लैंड के लिए टी20 विश्व कप 2026 तक फिट नहीं हो पाए तो फिर उनकी वापसी बेहद मुश्किल होगी।

अनिल कुंबले: 21 साल पहले खत्म की थी कपिल देव की बादशाहत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में 1983 का विश्व कप जिताने वाले कपिल देव ने भारत की तरफ से सर्वाधिक 434 टेस्ट विकेटों के साथ 23 मार्च 1994 को संन्यास लिया था। उस समय माना गया था कि कपिल देव का यह रिकॉर्ड मुश्किल ही टूटेगा। क्रिकेट में हर रिकॉर्ड कभी-न-कभी टूटने के लिए बनता है। कपिल देव के रिकॉर्ड को उनके संन्यास के ठीक दस साल बाद अनिल कुंबले ने तोड़ दिया।

भारतीय टीम 2004 में बांग्लादेश के दौरे पर थी। 10 दिसंबर को ढाका में पहला टेस्ट शुरू हुआ और 13 दिसंबर को समाप्त हुआ। इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पारी और 140 रन से जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम की जीत के साथ-साथ यह टेस्ट अनिल कुंबले द्वारा कपिल देव के सर्वाधिक टेस्ट विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना जाता है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में नहीं होंगे क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल

सुपर लीग खेला जाएगा, शेड्यूल नोट कर लीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमुख टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप राउंड के मुकाबले खत्म हो गए हैं। इसके साथ ही अगले राउंड में जाने वाली 8 टीमों का फैसला हो गया है। हर ग्रुप से 2-2 टीमें अगले राउंड में पहुंची हैं। इस बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल नहीं होंगे। सुपर लीग स्टेज को जोड़ा गया है। इसमें मुंबई, हैदराबाद, आंध्रा, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और झारखंड ने अपनी जगह पक्की की है। 12 दिसंबर से सुपर लीग स्टेज की शुरुआत होगी। 8 टीमों को सुपर लीग स्टेज में दो ग्रुप में बांट दिया गया है। हर टीम अपने ग्रुप की टीम से एक-एक मैच खेलेगी। यानी हर टीम को तीन मैचों इस स्टेज में खेलने का मौका मिलेगा। दोनों ग्रुप में टॉप पर रहने वाली टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। 18 दिसंबर को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर फाइनल होगा।

14 चौके-छक्के... सिर्फ 1 टी20 मैच के बाद टीम इंडिया से किया गया बाहर

अब शतक मारकर जिताया मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के ग्रुप डी के एक मैच में तमिलनाडु और सौराष्ट्र की टीमों का आमना-सामना हुआ. इस मैच में तमिलनाडु की टीम ने 3 विकेट से बाजी मारी. तमिलनाडु की जीत का हीरो 24 साल का एक खिलाड़ी रहा, जिसने शतक जड़ते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया. इस खिलाड़ी ने चौके-छक्कों की बारिश करते हुए सिर्फ 55 गेंदों पर शतक ठोका. इसी के साथ तमिलनाडु ने टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत हासिल की.

साई सुदर्शन का तूफानी शतक- तमिलनाडु के लिए इस मैच में स्टार भारतीय खिलाड़ी साई सुदर्शन ने शतकीय पारी खेली. 184 रनों के टारगेट के जवाब में साई सुदर्शन ने टीम को दमदार शुरुआत दिलाई और अंत तक नाबाद रहे. इस दौरान साई सुदर्शन ने 55 गेंदों का सामना किया और नाबाद 101 रन बनाए. उनकी इस पारी में 10 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. साई सुदर्शन ने अपने दम पर जीत तक पहुंचाया, क्योंकि उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका. लेकिन साई ने एक छोर को संभाले रहा और 18.4 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर तमिलनाडु ने टारगेट हासिल कर लिया.

साई सुदर्शन टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं. उन्होंने अभी तक 6 टेस्ट, 3 वनडे और 1 टी20 मैच खेला है. लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि इस इकलौते टी20 मैच में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, इसके बावजूद उन्हें टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया था और फिर उनकी वापसी भी नहीं हो सकी. उन्होंने ये इकलौता मैच 7 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था.

ऐसा रहा ये मुकाबला

सौराष्ट्र ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए. इस दौरान विश्वराज जडेजा ने 39 गेंदों पर 70 रनों की पारी खेली. जिसमें 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. वहीं, सम्मार गज्जर ने 42 गेंदों पर 66 रन ठोके. लेकिन साई सुदर्शन की पारी इनपर भारी पड़ी. साई के अलावा सनी संधू ने भी विस्फोटक पारी खेली और 9 गेंदों पर 30 रन ठोक दिए. इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए.